दैनिक राष्ट्रीय गरिमा

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता

www.rashtriyagarima.com

राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली

■ भोपाल, गुरूवार 12 नवम्बर 2026 ■ पृष्ठ : 8, मूल्य ₹ 2 ■ वर्ष : 31, अंक : 146 ■ RNI No.61858/95 ■ Email- rgarima2005@gmail.com



नई दिल्ली के सुषमा स्वराज भवन में एक बैठक के दौरान विदेश मंत्री एस. जयशंकर, पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी के साथ।

सुविचार

सपने केवल सोने से नहीं पूरे होते, उन्हें हासिल करने के लिए जागकर संघर्ष करना पड़ता है।

स्वच्छ सर्वेक्षण में मप्र बना सर्वाधिक पुरस्कार प्राप्त करने वाला राज्य

मध्यप्रदेश के छोटे एवं मध्यम शहरों ने राष्ट्रीय स्तर पर बनाई पहचान

भोपाल। स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत आयोजित स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 में मध्यप्रदेश ने एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी स्वच्छता और अपशिष्ट प्रबंधन क्षमता का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। इस वर्ष प्रदेश के 9 शहरों को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया है। यह देश के किसी भी राज्य के लिए सम्मानित होने वाले नगरीय निकायों की सर्वाधिक संख्या है। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में आयोजित समारोह में प्रदेश के इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, रीवा, उज्जैन,सागर, देवास, बुदनी और देपालपुर को राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। समारोह में नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, राज्य मंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी, नगरीय निकायों के जनप्रतिनिधि, अपर मुख्य सचिव संजय दुबे,आयुक्त संकेत भोंडवे, मिशन संचालक शिशिर गेमावत सहित नगर निगम आयुक्त एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। इस वर्ष स्वच्छ सर्वेक्षण में मध्यप्रदेश की सफलता का दायरा केवल बड़े महानगरों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि छोटे एवं मध्यम शहरों ने भी राष्ट्रीय मंच पर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। 'स्वच्छ शहर जोड़ी' (मेंटर-मेंटी) मॉडल नवाचार की एक मिसाल बनकर उभरा है। इंदौर (मेंटर) एवं देपालपुर (मेंटी) की जोड़ी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया है। स्वच्छता में लगातार 9वीं बार राष्ट्रीय सम्मान प्राप्त करने वाले इंदौर ने मेंटर और देपालपुर ने मेंटी के रूप में कार्य किया। इंदौर के मार्गदर्शन में देपालपुर ने 100 प्रतिशत डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण,चार श्रेणियों में स्रोत पृथक्करण और लीगेसी वेस्ट का वैज्ञानिक उपचार कर भूमि को पुनः उपयोग योग्य बनाने में उल्लेखनीय सफलता अर्जित की है। इस प्रक्रिया से बहुमूल्य भूमि को अतिक्रमण और प्रदूषण से मुक्त कराया गया है।

स्वच्छ शहर में सागर,बुधनी और रीवा ने भी मारी बाजी



भोपाल। वहीं प्रदेश का सागर (स्वच्छ शहर रैंक-3, 50 हजार से 3 लाख जनसंख्या वर्ग)-सागर ने संस्कृति और जनसहभागिता को स्वच्छता अभियान से जोड़कर यह उपलब्धि हासिल की है। ऐतिहासिक सागर झील में गिरने वाले 47 नालों को टैप कर सीवेज उपचार प्रणाली से जोड़ा गया है। इसके साथ ही बुंदेली लोककला,फाग, दीवारी गायन और नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से व्यापक स्वच्छता जागरूकता का प्रसार किया गया। बुदनी (स्वच्छ शहर रैंक-3, 20 हजार से कम जनसंख्या वर्ग)-बुदनी ने लगातार तीसरी बार राष्ट्रीय स्तर पर अपनी श्रेष्ठता कायम रखते हुए छोटे शहरों के लिए मिसाल प्रस्तुत की है। शत-प्रतिशत घर-घर कचरा पृथक्करण, लीगेसी वेस्ट का समयबद्ध निस्तारण और नागरिक सहभागिता बुदनी की इस निरंतर सफलता का मुख्य आधार रही है। रीवा ने स्वच्छ रिवर फ्रंट श्रेणी में देश में पहला स्थान प्राप्त कर राज्य का नाम रोशन किया है। शहर में 24म7 कमांड एंड कंट्रोल रूम और रियल-टाइम डिजिटल मॉनिटरिंग स्थापित की गई है। बिना किसी अतिरिक्त वित्तीय बोझ के लागू किया गया 'ट्विन-बिन मार्केट मॉडल' तथा 6 मेगावाट क्षमता की वेस्ट-टू-एनर्जी परियोजना रीवा की प्रमुख तकनीकी उपलब्धियां हैं। वहीं ग्वालियर ने भविष्य उन्मुख और वैज्ञानिक अपशिष्ट प्रबंधन पर विशेष ध्यान केंद्रित किया है। शहर में 5.50 लाख मीट्रिक टन लीगेसी वेस्ट का निस्तारण किया गया है।

भारत ने कृषि उत्पादन के क्षेत्र में तोड़े हैं कई रिकॉर्ड : शिवराज सिंह चौहान

भोपाल। केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि भारत ने कृषि उत्पादन के कई रिकॉर्ड तोड़े हैं। अभी चावल के उत्पादन में चीन को पीछे छोड़कर हम दुनिया में नंबर-1 हो गए हैं। भारत प्याज का भी सबसे बड़ा उत्पादक देश इस समय बन गया है। आज देश में रिकॉर्ड उत्पादन 377 मीट्रिक टन अनाज और 378 मीट्रिक टन फल और सब्जियों का हो रहा है। केंद्रीय मंत्री चौहान बुधवार को भोपाल से एक टीवी कार्यक्रम को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए संबोधित कर रहे थे। उन्होंने अपने सोशल मीडिया एक्स पर उक्त वीडियो साझा किए हैं। उन्होंने कहा कि गेहूं और चावल अब केवल हमारे देश की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए नहीं है, आज हम दुनिया में निर्यात करने का काम कर रहे हैं। हम भारत के 140 करोड़ लोगों की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करेंगे और उन्हें पौष्टिक आहार भी उपलब्ध कराएंगे। केन्द्रीय कृषि मंत्री ने कहा



कि माँ और भगवान एक समान होते हैं। लेकिन मैं माँ और भगवान के साथ किसान को भी बराबरी का दर्जा देता हूँ। अन्नदाता किसान जो जीवनदाता भी है, उनकी आय बढ़ाना, आजीविका को बेहतर करना, यह हमारे जीवन का परम लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमने तय किया था कि किसानों की अलग पहचान बनेगी। आज 11 करोड़ से अधिक किसानों की फार्मर आईडी बनाने का काम पूरा कर लिया गया है। अब तक हमारे वैज्ञानिक केवल लैब में अनुसंधान करते थे, लेकिन विकसित कृषि संकल्प अभियान के दौरान हमने लैब को लैंड से जोड़ने का काम किया है। हमने यह फैसला भी किया है कि अब जितनी भी रिसर्च होगी,वह किसान की जरूरत के हिसाब से होगी। चौहान ने बताया कि किसानों को कम ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराने के लिए किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से प्रयास किए जा रहे हैं। माइक्रो इरिगेशन के तहत पर ड्रॉप मोर क्रॉप, कृषि मशीनीकरण और अन्य योजनाओं के माध्यम से किसानों को सब्सिडी दी जा रही है। किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) और पीएम-आशा योजना के माध्यम से खरीद की जा रही है। उन्होंने कहा कि किसानों की आय सभी क्षेत्रों में एक समान नहीं बढ़ी है. कई किसानों की आय दोगुनी से भी अधिक हुई है, जबकि मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों और खेती की अलग-अलग लागत के कारण कुछ किसान पीछे रह गए हैं। फसल बीमा योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, उन्नत बीजों, मृदा परीक्षण और डिजिटल कृषि मिशन के जरिए किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नया सर्वे हो रहा है, जिससे यह बात सामने आ जाएगी कि 12 सालों में किसानों की आय दोगुनी से भी ज्यादा हुई है।

कोलकाता-साइरंग एक्सप्रेस के पांच डिब्बे और इंजन पटरी से उतरे



गुवाहाटी,(एजेंसी)। असम की राजधानी गुवाहाटी के बाहरी इलाके डिगारू में बुधवार सुबह करीब 6:45 बजे ब्रेक फेल होने के कारण कोलकाता-साइरंग एक्सप्रेस पटरी से उतर गई। हादसे में ट्रेन के पांच कोच और इंजन बेपटरी हो गए। दुर्घटना में कुछ यात्रियों को मामूली चोटें आई हैं। उन्हें एंबुलेंस से नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया,जहां उनका उपचार किया गया। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पूसीरे) ने यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए दूसरी ट्रेन की व्यवस्था की है। डिगारू रेलवे स्टेशन पर बुधवार सुबह कोलकाता-साइरंग एक्सप्रेस के पांच डिब्बे और इंजन पटरी से उतर गए। इस घटना में सभी यात्री सुरक्षित हैं और किसी के गंभीर रूप से घायल होने की सूचना नहीं है। यह जानकारी पूर्वोत्तर सीमा रेलवे ने दी। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा के अनुसार, ट्रेन संख्या 13125 कोलकाता-साइरंग एक्सप्रेस बुधवार सुबह करीब 6 बजकर 54 मिनट पर डिगारू रेलवे स्टेशन पहुंच रही थी। गुवाहाटी से करीब 44 किलोमीटर दूर स्थित इस स्टेशन पर दूसरी ट्रेन को प्राथमिकता देने के लिए एक्सप्रेस को रिसीव किया जा रहा था। इसी दौरान लोको पायलट गति को नियंत्रित नहीं कर सके, जिसके कारण इंजन सहित पांच डिब्बे पटरी से उतर गए। घटना के तुरंत बाद राहत एवं बचाव अभियान शुरू कर दिया गया। प्रभावित यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए वैकल्पिक ट्रेन की व्यवस्था की गई है। फंसे हुए यात्रियों की आगे की यात्रा सुनिश्चित करने के लिए एक विशेष ट्रेन घटनास्थल पर पहुंच चुकी है। यात्रियों को पेयजल और खाद्य सामग्री भी उपलब्ध कराई गई है। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के महाप्रबंधक सहित वरिष्ठ अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचकर बहाली कार्यों की निगरानी कर रहे हैं। रेलवे ने बताया कि अप लाइन पर रेल परिचालन बहाल कर दिया गया है और अप तथा डाउन दोनों लाइनों पर ट्रेनें सामान्य रूप से चल रही हैं। विभिन्न स्थानों पर रोकी गई ट्रेनों को धीरे-धीरे उनके गंतव्य के लिए रवाना किया जाएगा। इस घटना के कारण कुछ स्थानीय ट्रेनों को रद्द या आंशिक रूप से समाप्त किया गया है। ट्रेन संख्या 15769 अलीपुरद्वार जंक्शन-मरियानी जंक्शन इंटरसिटी एक्सप्रेस को कामाख्या में आंशिक रूप से समाप्त कर दिया गया है, जबकि ट्रेन संख्या 75727/75728 गुवाहाटी-हैबरगांव-गुवाहाटी डीएमयू सेवा रद्द कर दी गई है। यात्रियों और उनके परिजनों की सहायता के लिए विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर हेल्पलाइन नंबर भी सक्रिय किए गए हैं। असम में कोलकाता से मिजोरम (आइजोल) जा रही साइरंग एक्सप्रेस (13125) के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद यात्रियों के परिजनों की मदद और उन्हें सटीक जानकारी उपलब्ध कराने के लिए रेलवे ने कई स्टेशनों पर तत्काल प्रभाव से हेल्प डेस्क स्थापित कर हेल्पलाइन नंबर जारी किए हैं। इस ट्रेन में बंगाल के भी कई यात्री सवार थे,जिसके कारण उनके रिश्तेदारों में भारी चिंता का माहौल है। सियालदह स्टेशन के हेल्पलाइन नंबर 033-23833326 और 033-23509643 हैं। इसके अलावा उत्तर बंगाल के अलीपुरद्वार जंक्शन स्टेशन पर भी हेल्प डेस्क शुरू किया गया है, जिसके नंबर 9002052957, 9046226635, 03564-253498 (1072), 03564-270870 (1072), 03564-270871 (1072) और 03564-252498 (1072) हैं। असम के गुवाहाटी और लमडिंग में भी यात्रियों के परिजनों के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं।

भारत विकास की नई ऊंचाइयों पर, विपक्ष की राजनीति निम्न स्तर पर : भाजपा



नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सांसद डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की टिप्पणी पर तीखा पलटवार किया। उन्होंने कहा कि एक तरफ भारत विकास की नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रहा है, वहीं दूसरी तरफ विपक्ष की राजनीति लगातार नए निम्न स्तर पर जाती दिखाई दे रही है। बुधवार को भाजपा मुख्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में डॉ. त्रिवेदी ने कहा कि राहुल गांधी ने भारतीय अर्थव्यवस्था को शो कॉल्ड डेड इकोनॉमी (कथित मृत अर्थव्यवस्था) कहा था,लेकिन इसी अर्थव्यवस्था ने धनतेरस के दिन सोने-चांदी की खरीदारी के मामले में अपनी ताकत दिखाई। उन्होंने दावा किया कि धनतेरस पर भारत में एक दिन में जितनी सोने-चांदी की खरीदारी हुई,उतनी खरीदारी पूरा यूरोप तीन महीने में करता है। उन्होंने कहा कि यह भारत की आर्थिक क्षमता का प्रमाण है। साथ ही यह भी दर्शाता है कि विपक्ष के नेताओं के मन में भारत की परंपराओं, धर्म और संस्कृति के प्रति कितनी अवमानना और नकारात्मकता भरी हुई है। भारत लगातार प्रगति कर रहा है,लेकिन विपक्ष देश की उपलब्धियों को स्वीकार करने के बजाय निराधार टिप्पणियां करने में लगा है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के दिवाली को 'खुशियों की ईद' बताने पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह काफी आश्चर्यजनक है,क्योंकि खरगे जिस कर्नाटक राज्य से आते हैं,वहां कन्नड़ भाषा में त्योहार के लिए 'उत्सव' या 'हब्बा' शब्द का इस्तेमाल किया जाता है। ऐसे में 'ईद' शब्द कहां से आ गया? उन्होंने कहा कि यह घटना दर्शाती है कि भारतीय धर्म और संस्कृति का अपमान किस हद तक किया जा सकता है। विपक्ष, विशेषकर कांग्रेस का आचरण इसी मानसिकता को प्रतिबिंबित करता है। डॉ. त्रिवेदी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस के नेता भारतीय परंपराओं और सांस्कृतिक पहचान के प्रति सम्मान दिखाने के बजाय ऐसी टिप्पणियां कर रहे हैं, जिनसे विवाद पैदा हो रहा है। समाजवादी पार्टी की ओर से 12 दिसंबर को अयोध्या में शक्ति प्रदर्शन करने की घोषणा पर भी प्रतिक्रिया देते हुए डॉ सुधांशु ने कहा कि समाजवादी पार्टी इसे अपना शक्ति प्रदर्शन बता रही है, लेकिन वास्तव में यह भारतीय जनता पार्टी की विचारधारा और भारतीय समाज की एकता की ताकत का प्रदर्शन है। उन्होंने कहा कि विपक्षी दल आज जिस तरह अयोध्या जाने की बात कर रहे हैं, उसके पीछे परिस्थितियों का दबाव है। उनके पास इसके अलावा कोई दूसरा विकल्प नहीं बचा है। उन्होंने दावा किया कि भारतीय समाज की एकता की ताकत अब दिखाई देने लगी है। डॉ. त्रिवेदी ने कहा कि यदि आगामी चुनाव में भारतीय समाज इसी तरह और अधिक एकजुटता दिखाता है, तो जो लोग आज श्रीरामलला विराजमान का आशीर्वाद लेने पहुंचे हैं और जिन्हें उन्होंने 'चुनावी हिंदू' करार दिया, वे अगले चुनाव तक स्वयं 'जय श्रीराम' का उद्घोष करते नजर आएंगे।

किसी राज्य के गृह मंत्री आपराधिक जांच के प्रवक्ता नहीं बन सकते : भास्कर राव

पूर्व पुलिस आयुक्त भास्कर राव ने आरएसएस पर बयान को बताया गैर-जिम्मेदाराना



बेंगलुरु,(एजेंसी)। बेंगलुरु के सेवानिवृत्त पुलिस आयुक्त भास्कर राव ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के खिलाफ कर्नाटक के गृह मंत्री प्रियांक खड़गे के बयानों और सोशल मीडिया पोस्ट पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने प्रियांक खड़गे को पत्र लिखकर आग्रह किया कि वे गृह विभाग की प्रतिष्ठा को कम न करें। साथ ही विभाग और कर्नाटक पुलिस की गरिमा,मर्यादा व संस्थागत अखंडता को बनाए रखें। भास्कर राव ने संघ को निशाना बनाते हुए प्रियांक खड़गे के हालिया बयानों, विशेष रूप से नरेंद्र दाभोलकर,एमएम कलबुर्गी और गौरी लंकेश की हत्याओं के संबंध में टिप्पणियों पर चिंता जताई। उन्होंने पत्र में लिखा,आपका यह बयान कि संघ वालों ने उन्हें मारा, जिसमें आप सीधे तौर पर इन हत्याओं के लिए संघ के सदस्यों को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं,अत्यंत गैर-जिम्मेदाराना है। केवल राजनीतिक स्वार्थ साधने के लिए इस तरह के व्यापक आरोप नहीं लगाए जा सकते। उन्होंने कहा,आपराधिक जांच सबूतों पर आधारित होनी चाहिए,और अपराध की पुष्टि न्यायिक प्रक्रिया के माध्यम से होनी चाहिए। एक जिम्मेदार सार्वजनिक पद पर बैठे व्यक्ति को राजनीतिक आरोपों,जांच के निष्कर्षों और न्यायिक फैसलों के बीच का अंतर समझना चाहिए। भास्कर राव ने कहा कि गृह मंत्री किसी विशेष आपराधिक जांच के प्रवक्ता नहीं बन सकते,लंबित मामलों में खुद कोई निष्कर्ष नहीं सुना सकते और न ही जांच अधिकारियों व अदालतों के निष्कर्षों की जगह अपनी राजनीतिक राय रख सकते हैं। गृह मंत्री न तो जांच अधिकारी की भूमिका निभा सकते हैं और न ही अपने पद के अधिकार का उपयोग करके किसी विशेष आपराधिक मामले के बारे में जनता की धारणा को प्रभावित कर सकते हैं। साथ ही, सोशल मीडिया पोस्ट का जिक्र करते हुए पूर्व पुलिस आयुक्त ने कहा,क्या आपकी (प्रियांक खड़गे) तथाकथित फैक्ट-चेकिंग एजेंसी तब काम करना बंद कर देती है, जब खुद गृह मंत्री ही कोई संदिग्ध जानकारी फैला रहे हों? जब गृह मंत्री खुद ही एआई से बनी या बदली हुई तस्वीर साझा करें, तो उनके दावों की जांच कौन करेगा? उन्होंने कहा, बिहार-हरियाणा गोला-बारूद तस्करी मामले में, एक आधिकारिक एक्स अकाउंट से आरोपियों का आरएसएस से संबंध जोड़ने की कोशिश की गई। बाद में इस तस्वीर पर सवाल उठे कि इसे एआई की मदद से बदला गया है। रिपोर्ट्स में असली तस्वीर और वायरल हुई तस्वीर के बीच अंतर भी बताए गए। यह बात और भी अजीब है, क्योंकि आपकी सरकार और आपके अपने राजनीतिक बयानों में बार-बार इस बात पर जोर दिया जाता है कि फैक्ट-चेकिंग के जरिए फेक न्यूज की पहचान की जानी चाहिए और उनसे निपटा जाना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी व सुझावों का भारतीय किसान संघ ने किया स्वागत

कहा पराली प्रदूषण के नाम पर किसान को प्रताड़ित करना बंद करें सरकारें



नई दिल्ली,(एजेंसी)। दिल्ली-एनसीआर के बढ़ते वायु प्रदूषण के मामले पर सुप्रीम कोर्ट (मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ) द्वारा पराली और किसानों को लेकर दी गई महत्वपूर्ण टिप्पणियों और सुझावों का देश के सबसे बड़ किसान संगठन, भारतीय किसान संघ ने स्वागत किया है। सर्वोच्च न्यायालय की सुनवाई पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए भारतीय किसान संघ के अखिल भारतीय महामंत्री मोहिनी मोहन मिश्र ने कहा कि देश का शीर्ष न्यायालय प्रदूषण को लेकर अत्यंत गंभीर और चिंतित है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा केवल किसानों को प्रदूषण का जिम्मेदार ठहराने पर उठाई गई कड़ी आपत्ति से यह स्पष्ट हो गया है कि किसान प्रदूषण का मुख्य कारण नहीं हैं। उन्होंने कहा कि अब राज्य सरकारों को कागजी कार्यवाही छोड़कर जमीनी स्तर पर प्रदूषण के वास्तविक कारणों की पहचान कर समाधान तलाशने चाहिए, न कि हर बार किसान को बलि का बकरा बनाना चाहिए। मोहिनी मोहन मिश्र ने कोर्ट के सुझावों का जिक्र करते हुए जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने कोविड-19 का उदाहरण देते हुए बताया है कि लॉकडाउन के दौरान भी पराली जल रही थी, फिर भी दिल्ली का आसमान बिल्कुल साफ था, जो यह दर्शाता है कि प्रदूषण के पीछे अन्य बड़े कारक जिम्मेदार हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय किसान संघ सुप्रीम कोर्ट के उस सुझाव का समर्थन करता है जिसमें कहा गया है कि जिस प्रकार सरकार फसलों की खरीद करती है, उसी तर्ज पर पराली की भी सरकारी खरीद या न्यूनतम समर्थन मूल्य जैसी व्यवस्था बनाई जाए ताकि किसानों को आर्थिक लाभ मिले और वे पराली जलाने के बजाय उसे बेच सकें। महामंत्री मोहिनी मोहन मिश्र ने कहा कि हम पहले से ही कहते आ रहे हैं कि उद्योग व गाड़ियां ही प्रदूषण की मुख्य जनक हैं। इसके लिए किसानों को निशाना बनाना अनुचित है।

राज्य सरकारों व प्रशासन को सुप्रीम कोर्ट के सुझावों पर अमल करते हुए उत्सर्जन तथा वाहनों के धुएं को रोकने के लिए ठोस कदम उठाए जाने चाहिए। भारतीय किसान संघ ने पुरजोर मांग उठाई है कि सरकारें पराली के नाम पर किसानों पर लगाए गए सभी जुर्माने और दर्ज की गई एफआईआर को तत्काल प्रभाव से निरस्त करे। इसके साथ ही उन्होंने मांग की कि सरकार पराली निष्पादन के लिए आवश्यक संसाधन एवं लागत मूल्य स्वयं वहन करे या किसानों को उपलब्ध कराए।

फारस की खाड़ी में तेल टैंकर पर हमला,एक भारतीय नाविक घायल

नई दिल्ली। फारस की खाड़ी में लाइबेरिया के झंडे वाले तेल-टैंकर पर हुए हमले में एक भारतीय नाविक के घायल होने की सूचना है। केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने बुधवार को सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए इसकी जानकारी दी। सोनोवाल ने एक्स पोस्ट में बताया कि एमवी फुजैराह एनर्जी नाम का यह जहाज अल-रुवाइस से दुबई जा रहा था, तभी इस पर किसी वस्तु (प्रोजेक्टाइल) से हमला हुआ। केंद्रीय मंत्री ने कहा, 10 नवंबर को, लाइबेरिया के झंडे वाले वीएलसीसी एमटी फुजैराह एनर्जी शिप जिसमें 6 भारतीय नाविक सवार थे, फारस की खाड़ी से अल-रुवाइस से दुबई जाते समय किसी वस्तु से हमला हुआ। इस हमले में चालक दल के चार सदस्य घायल हो गए, जिनमें एक भारतीय नागरिक भी शामिल है। उसे मामूली चोट आई है और आगे की मेडिकल जांच के लिए सुरक्षित रूप से किनारे पर ले आया गया है। सोनोवाल ने आगे कहा कि बाकी 18 वरू सदस्य, जिनमें 5 अन्य भारतीय नाविक भी शामिल हैं, सुरक्षित हैं। मंत्री ने कहा, बाकी 18 वरू सदस्य, जिनमें 5 अन्य भारतीय नाविक भी शामिल हैं, सुरक्षित हैं और उनके बारे में जानकारी मिल गई है। हम लगातार स्थिति पर नजर रख रहे हैं।

भीषण सड़क हादसे में अज्ञात वाहन की टक्कर से तीन युवकों की मौत

कन्नौज। उत्तर प्रदेश के कन्नौज जिले में एक दर्दनाक सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। यह हादसा इंदरगढ़ थाना क्षेत्र के कचाटीपुर गांव के पास हुआ। बताया जा रहा है कि चारों लोग एक ही बाइक पर सवार होकर कहीं जा रहे थे। इसी दौरान एक अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार तीन युवकों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि चौथा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। बाइक जब कचाटीपुर के पास से गुजर रही थी, तभी अचानक एक अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही बाइक सवार चारों युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि तीन युवकों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। भीषण सड़क हादसे के बाद घटनास्थल पर भीड़ एकत्रित हो गई। स्थानीय लोगों ने हादसे की जानकारी पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लिया। हादसे में घायल युवक को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। वहीं, मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

उड़ान भरने से ठीक पहले एयर इंडिया के विमान में हाईजैक अलर्ट

कोलकाता। कोलकाता के नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बुधवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब उड़ान भरने से ठीक पहले एयर इंडिया के एक विमान से हाईजैक (विमान अपहरण) का अलर्ट जारी किया गया। यह घटना कोलकाता से मुंबई जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट एआई 772 में बुधवार सुबह हुई। सूत्रों के अनुसार, विमान के उड़ान भरने से ठीक पहले पायलट ने एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) को हाईजैक का संदेश भेजा। यह अलर्ट मिलते ही हवाई अड्डा प्राधिकरण और सुरक्षा एजेंसियां तुरंत सतर्क हो गईं। सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए विमान को फौरन आइसोलेशन बे (सुरक्षित क्षेत्र) में ले जाया गया। सुरक्षाबलों ने तुरंत मौके पर पहुंचकर पूरे विमान को घेर लिया। यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकालने के बाद विमान की सघन तलाशी शुरू की गई। फिलहाल इस बात की गहन जांच की जा रही है कि पायलट की ओर से यह हाईजैक अलर्ट क्यों भेजा गया। हवाई अड्डा प्राधिकरण और संबंधित अधिकारी यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि क्या यह अलर्ट किसी तकनीकी खराबी का नतीजा था या इसके पीछे कोई अन्य कारण था। इस घटना के कारण कोलकाता हवाई अड्डे पर यात्रियों के बीच काफी देर तक अफरातफरी और दहशत का माहौल रहा।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली

मारपीट में घायल श्याम सिंह की कोटा में उपचार के दौरान मौत, आठ आरोपियों पर हत्या का केस दर्ज


मृतक श्याम सिंह

मंदसौर। जिले के शामगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम धतुरिया में दो दिन पूर्व दो पक्षों के बीच हुए विवाद ने गंभीर रूप ले लिया। मारपीट में घायल हुए श्याम सिंह पिता गुमान सिंह की कोटा में उपचार के दौरान मौत हो गई। घटना से आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने बुधवार सुबह शामगढ़ में शव रखकर करीब तीन घंटे तक चक्काजाम किया। बाद में पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों की समझाइश के बाद जाम खोला गया। जानकारी के अनुसार, दो दिन पूर्व ग्राम धतुरिया में छोटी सी बात को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हुआ था। दोनों पक्षों ने शामगढ़ थाने पहुंचकर एक-दूसरे के खिलाफ मारपीट की एफआईआर दर्ज कराई थी। इसी रंजिश के चलते दूसरे पक्ष के लोगों ने परासली के पास श्याम सिंह को रोककर मारपीट की। इस दौरान श्याम सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उन्हें उपचार के लिए कोटा रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। बुधवार सुबह शव शामगढ़ लाया गया। इसके बाद आक्रोशित परिजन और ग्रामीण शामगढ़ थाने पहुंचे तथा शिव मंदिर के पास शव रखकर चक्काजाम कर दिया। परिजनों ने घटना में शामिल आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने और उनके मकान तोड़ने की मांग की। करीब तीन घंटे तक चले प्रदर्शन के बाद वरिष्ठ अधिकारियों की समझाइश पर परिजन सहमत हुए और जाम समाप्त किया गया। थाना प्रभारी कपिल सौराष्ट्रीय ने बताया कि प्रारंभ में दोनों पक्षों के खिलाफ सामान्य मारपीट का प्रकरण दर्ज किया गया था। घायल श्याम सिंह को उपचार के लिए कोटा रेफर किया गया था, जहां अंदरूनी चोटों के कारण उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस ने मामले में दिलीप सिंह पिता तूफान सिंह, तूफान सिंह पिता हरि सिंह, दुर्गेश पिता गोपाल सिंह, गोपाल सिंह पिता मोती सिंह, गोवर्धन सिंह पिता शंकर सिंह, महेंद्र सिंह पिता तूफान सिंह, बालू सिंह पिता शंकर सिंह और सुभान सिंह पिता शंकर सिंह सहित आठ आरोपियों के खिलाफ हत्या की धारा 302 के तहत प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस ने गोवर्धन सिंह पिता शंकर सिंह को हिरासत में लिया है। मृतक का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया गया है। फिलहाल शामगढ़ में शांति बनी हुई है। इधर, घटना को लेकर क्षेत्र में चर्चा है कि दोनों पक्षों के बीच पहले से ही राजस्थान से आने वाली अवैध शराब और अवैध खनन को लेकर विवाद चला आ रहा था। बताया जा रहा है कि घटना वाले दिन मृतक की किराना दुकान पर आरोपी पक्ष का एक व्यक्ति शराब लेने पहुंचा था। शराब नहीं देने की बात पर विवाद शुरू हुआ, जिसने बाद में मारपीट का रूप ले लिया। हालांकि, इस विवाद के पीछे की वास्तविक वजह और घटनाक्रम को लेकर पुलिस जांच कर रही है।

आमला में मुख्यमंत्री जन विश्वास शिविर 13 नवंबर को

बैतूल। मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान-2026 के अंतर्गत जिले में 07 अगस्त 2026 से 08 जनवरी 2027 तक चयनित क्लस्टरों एवं नगरीय निकायों में प्रत्येक शुक्रवार विशेष शिविर आयोजित किए जा रहे है। इसी क्रम में आमला विकासखंड में 13 नवंबर को आयोजित शिविर में ग्रामीणों की समस्याओं का त्वरित निराकरण किया जाएगा। जारी आदेश के अनुसार अभियान का उद्देश्य क्षेत्र भ्रमण, निरीक्षण एवं जनसंवाद के माध्यम से आमजन की शिकायतों का त्वरित निराकरण, शासकीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की मॉनिटरिंग तथा लोक सेवाओं का समय-सीमा में प्रदाय सुनिश्चित करना है। जिले के विभिन्न विकासखंडों में निर्धारित क्लस्टरों में शिविर लगाए जाएंगे। शिविरों में जिला एवं विकासखंड स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहेंगे तथा आमजन की समस्याओं का मौके पर निराकरण करने के साथ ही विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी एवं लाभ भी उपलब्ध कराया जाएगा। अभियान दिवस पर प्रात: 8.30 बजे से जिला एवं विकासखंड स्तरीय अधिकारी आमला विकासखंड की ग्राम पंचायतों का भ्रमण कर नागरिकों से आवेदन प्राप्त करेंगे तथा शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन का स्थलीय निरीक्षण आवेदन प्राप्त करेंगे तथा अपरान्ह 2.30 बजे तक संबंधित क्लस्टर मुख्यालय आमला पर आयोजित जनसंवाद एवं समाधान शिविर में उपस्थित होंगे। संबंधित जिला अधिकारी द्वारा प्राप्त आवेदनों का परीक्षण कर यथासंभव मौके पर निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा। जिन प्रकरणों का तत्काल निराकरण संभव नहीं होगा, उनके लिए समय-सीमा निर्धारित कर संबंधित विभाग को कार्यवाही के लिए प्रेषित किया जाएगा।

मासूम बच्ची की हत्या के आरोपी का पुलिस ने निकाला जुलूस



मंदसौर। गरोठ में सात वर्षीय मासूम बालिका की हत्या के मामले में गिरफ्तार आरोपी विजय को बुधवार को पुलिस मेडिकल परीक्षण के लिए लेकर पहुंची। इस दौरान पुलिस ने आरोपी का जुलूस भी निकाला। मासूम की हत्या की घटना के बाद क्षेत्र में लोगों में भारी आक्रोश है। पुलिस की इस कार्रवाई को अपराधियों के प्रति सख्त रुख और कानून का डर पैदा करने के संदेश के रूप में देखा जा रहा है।

निर्वाचक नामावली का प्रारूप प्रकाशन 12 नवम्बर को होगा

हरदा। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार 01 जनवरी 2027 की अर्हता तिथि के आधार पर फोटो निर्वाचक नामावली के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण का कार्यक्रम शुरू हो गया है। अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री पुरुषोत्तम कुमार नहीं बताया कि मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, मध्यप्रदेश भोपाल के निर्देशानुसार 12 नवंबर को निर्वाचक नामावली का प्रारूप प्रकाशन किया जाना है। इस हेतु 12 नवंबर गुरुवार को दोपहर 12 बजे कलेक्ट्रेट कार्यालय के सभाकक्ष में सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों की बैठक आयोजित की गई है। बैठक में सभी राजनीतिक दलों को पूरे पुनरीक्षण कार्यक्रम की रूपरेखा से अवगत कराया जाएगा। प्रारूप प्रकाशन के उपरांत प्रारूप निर्वाचक नामावली की कॉपी प्रेस और मीडिया की उपस्थिति में दलों को दी जाएगी। अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री पुरूषोत्तम कुमार ने जिले के सभी राजनैतिक दलों के जिलाध्यक्षों व मीडिया प्रतिनिधियों से निर्धारित समय पर उपस्थित होने का आग्रह किया है।

आयुष जन स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत सुप्रजा योजना में 156 महिला लाभान्वित

बैतूल। कलेक्टर डॉ.सौरभ संजय सोनवणे के मार्गदर्शन में गठित टीम द्वारा गर्भवती महिलाओं और गर्भस्थ शिशु के समग्र स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए जिले में आयुष जन स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत सुप्रजा योजना कार्यक्रम प्रत्येक माह की 9 एवं 25 तारीख को स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से संपन्न करवाया जा रहा है। गर्भ संस्कार में इस माह 10 नवंबर को कुल 156 गर्भवतियों ने सुप्रजा कार्यक्रम का लाभ प्राप्त किया। गर्भ संस्कार का उद्देश्य गर्भवती को शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ रखने तथा गर्भस्थ शिशु के मानसिक, बौद्धिक एवं आध्यात्मिक विकास को सुनिश्चित करना है। गर्भवती हेतु गर्भ संस्कार तनाव और चिंता को कम करके हैप्पी हारमोंस को बढ़ाने तथा प्रसव को अपेक्षाकृत सरल और सहज बनाने में अत्यंत लाभकारी है। गर्भ संस्कार से भावी पीढ़ी संस्कारवान एवं स्वस्थ्य हो यही गर्भ संस्कार का उद्देश्य है।

गांधीसागर में आकार ले रही देश की सबसे बड़ी पंप्ड हाइड्रो स्टोरेज परियोजना, 11,500 करोड़ का निवेश

1920 मेगावाट बिजली उत्पादन की क्षमता, छह घंटे तक लगातार मिलेगी बिजली



मंदसौर। नीमच जिले के गांधीसागर क्षेत्र में देश की सबसे बड़ी निर्माणाधीन स्वतंत्र पंप्ड हाइड्रो स्टोरेज परियोजना आकार ले रही है। ग्रीनको ग्रुप द्वारा विकसित की जा रही इस महत्वाकांक्षी परियोजना पर करीब 11,500 करोड़ रुपये का निवेश किया जा रहा है। परियोजना पूरी होने के बाद 1920 मेगावाट की क्षमता से लगातार छह घंटे तक बिजली उत्पादन किया जा सकेगा। इसके निर्माण से अब तक करीब 4 हजार लोगों को रोजगार उपलब्ध कराया गया है। बुधवार को मंदसौर और नीमच जिले के पत्रकारों ने परियोजना स्थल का भ्रमण कर निर्माण कार्यों और तकनीकी व्यवस्थाओं की जानकारी ली। इस दौरान कंपनी के वाइस प्रेसिडेंट नवीन कुमार लक्ष्मण उपस्थित रहे। प्रोजेक्ट मैनेजर श्रीनिवास ने पत्रकारों को बताया कि परियोजना नीमच जिले की रामपुरा तहसील के खेमला ब्लॉक में स्थापित की जा रही है। इसका निर्माण करीब 414 हेक्टेयर भूमि पर किया जा रहा है। दो जलाशयों के जरिए होगा बिजली का उत्पादन और भंडारण परियोजना में दो जलाशय महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। निचले जलाशय के रूप में मौजूदा गांधीसागर जलाशय का उपयोग किया जाएगा, जबकि ऊपरी जलाशय का निर्माण ग्रीनको ग्रुप द्वारा किया जा रहा है। परियोजना में गांधीसागर जलाशय से करीब 2.4 टीएमसी पानी का उपयोग चक्रीय व्यवस्था में किया जाएगा। इसमें पानी की खपत नहीं होगी, बल्कि एक ही पानी को बार-बार इस्तेमाल किया जाएगा। इसकी कार्यप्रणाली के तहत जब बिजली की मांग कम होगी और ग्रिड में सौर या पवन ऊर्जा अतिरिक्त उपलब्ध होगी, तब उस ऊर्जा से मोटरों के माध्यम से पानी को निचले जलाशय से ऊपरी जलाशय में पहुंचाकर संग्रहित किया जाएगा। वहीं, बिजली की मांग बढ़ने पर ऊपरी जलाशय से पानी नीचे छोड़ा जाएगा। इससे टरबाइन संचालित होंगे और बिजली का उत्पादन होगा। इस तरह अतिरिक्त नवीकरणीय ऊर्जा को जरूरत के समय बिजली में बदलकर उपयोग किया जा सकेगा। परियोजना में कुल नौ टरबाइन लगाए जा रहे हैं। इनकी मदद से सालाना करीब 3580 मिलियन यूनिट बिजली उत्पादन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। टरबाइन मोड में परियोजना का रेटेड हेड लगभग 122 मीटर रहेगा, जबकि ऊर्जा भंडारण और पुन: उत्पादन की राउंड ट्रिप एफिशिएंसी करीब 80 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

शिक्षा की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दें

कमजोर परीक्षा परिणाम वाले स्कूलों की होगी समीक्षा : कलेक्टर श्री कुमार सत्यम



हरदा। कलेक्टर श्री कुमार सत्यम एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री नरोत्तम भार्गव ने बुधवार को उच्च शिक्षा, स्कूल शिक्षा, पॉलिटेक्निक एवं आईटीआई विभाग की समीक्षा बैठक में शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने तथा विद्यार्थियों को शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ समय पर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि शिक्षा की गुणात्मकता पर विशेष ध्यान दिया जाए। जिन स्कूलों का परीक्षा परिणाम कमजोर रहा है, उनकी विशेष समीक्षा कर परीक्षा परिणाम में सुधार के लिए प्रभावी कार्ययोजना तैयार करें। विद्यार्थियों की पढ़ाई की नियमित मॉनिटरिंग की जाए तथा शिक्षकों की जिम्मेदारी तय की जाए। बैठक में यू-डाइस पोर्टल पर जानकारी के अध्ययन एवं संधारण में लापरवाही पाए जाने पर संकुल प्राचार्य हरदा, एपीसी हरदा एवं खामापड़वा हाईस्कूल के प्राचार्य को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने कहा कि नोटिस का संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर संकुल प्राचार्य हरदा एवं एपीसी हरदा का सात दिन तथा खामापड़वा हाईस्कूल के प्राचार्य का एक माह का वेतन काटने की कार्रवाई की जाए। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि नि:शुल्क पाठ्यपुस्तक वितरण योजना के तहत किसी भी स्कूल में पुस्तकें रखी न रहें। सभी विद्यार्थियों को समय पर पुस्तकें वितरित की जाएं। उन्होंने कहा कि नेटवर्क क्षेत्र में उपलब्ध होने के बावजूद ई- उपस्थिति दर्ज करने में लापरवाही करने वाले शिक्षकों का वेतन रोका जाए। विद्यार्थियों के आधार एवं समग्र आईडी सुधार के लिए लगेंगे शिविर कलेक्टर ने स्कूली विद्यार्थियों के आधार कार्ड एवं समग्र आईडी में सुधार तथा नवीन पंजीयन के लिए विशेष शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए, ताकि विद्यार्थियों की अपार आईडी तैयार करने एवं यू- डाइस पोर्टल पर प्रोफाइल अद्यतन में कोई दिक्कत न आए। उच्च शिक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने गांव की बेटी योजना, प्रतिभा किरण योजना, मेधावी विद्यार्थी योजना एवं आवास योजना के अंतर्गत सभी पात्र विद्यार्थियों को लाभान्वित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि महाविद्यालयों में विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाओं के आवेदनों का निराकरण एकल खिड़की व्यवस्था के माध्यम से कराया जाए, जिससे विद्यार्थियों को अनावश्यक रूप से चक्कर न लगाने पड़ें।

मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के तहत 13 नवम्बर को टेमागॉव में लगेगा शिविर

हरदा। 'मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान-2026' के तहत हरदा जिले में प्रत्येक शुक्रवार शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इन शिविरों में जिला प्रशासन, स्थानीय निकायों तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहकर आम नागरिकों की समस्याएं सुनकर उनका यथासंभव मौके पर ही निराकरण कर रहे हैं। साथ ही विकास कार्यों, शासकीय योजनाओं, लोक सेवा गारंटी से संबंधित सेवाओं एवं अन्य जनकल्याणकारी कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा भी की जा रही है। इसी क्रम में 13 नवम्बर को ग्राम टेमागॉव के शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल प्रांगण में शिविर आयोजित होगा, जिसमें भादूगांव, डोलरिया, कपासी, नांदवा, सिरकम्बा, टेमागांव, बोरी, कायरी, राजाबरारी व टेमरुबहार के ग्रामीण शामिल होंगे। इस शिविर में उद्यम संवाद कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा। कलेक्टर श्री कुमार सत्यम ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया है कि मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान को पूरी गंभीरता, संवेदनशीलता एवं जनहित की भावना के साथ संचालित करें, ताकि शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक प्रभावी रूप से पहुंचे और नागरिकों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित हो सके।

मल्चर यंत्र से नरवाई प्रबंधन का कृषकों के समक्ष किया फील्ड प्रदर्शन

बैतूल। कलेक्टर डॉ. सौरभ संजय सोनवणे के निर्देशानुसार कृषि अभियांत्रिकी विभाग बैतूल द्वारा बुधवार को विकासखंड मुलताई के ग्राम सर्रा में कृषक श्री चंद्रशेखर बारपेटे के खेत पर नरवाई प्रबंधन कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस दौरान मल्चर यंत्र का फील्ड प्रदर्शन कर कृषकों को इसके उपयोग एवं शासन द्वारा दिए जाने वाले अनुदान की जानकारी दी गई। सहायक कृषि यंत्री डॉक्टर प्रमोद कुमार मीणा ने बताया मल्चर यंत्र मक्का की कटाई के बाद खेत में बचे फसल अवशेषों को छोटे-छोटे टुकड़ों में काटकर खेत की ऊपरी सतह पर फैला देता है। इससे फसल अवशेष कुछ समय बाद प्राकृतिक खाद में परिवर्तित हो जाते हैं, जिससे मिट्टी की उर्वरता एवं पोषकता बढ़ती है। साथ ही खेत आगामी फसल की बोनी के लिए तैयार हो जाता है। कृषकों को मल्चर यंत्र के उपयोग से होने वाले लाभों की जानकारी देते हुए नरवाई नहीं जलाने के लिए जागरूक किया गया। उन्होंने बताया कि नरवाई जलाने के बजाय फसल अवशेषों का उचित प्रबंधन करने से भूमि की उर्वरता बनाए रखने में मदद मिलती है। इस अवसर पर विभाग के तकनीकी शाखा प्रभारी श्री इंद्रभान सिंह, तकनीकी सहायक श्री तुषार राठौर, लेखा सहायक श्री अनिल मराठा, श्री प्रवीण विश्वकर्मा सहित कृषक श्री श्यामसुंदर बारपेटे, श्री रमेश धुर्वे, श्री प्रतीक उबारे, श्री महेश गड़ेकर एवं अन्य कृषक उपस्थित रहे।

छोटा विज्ञापन
बड़ा लाभ
छोटा विज्ञापन
बड़ा लाभ



क्लासीफाईड विज्ञापन दरें
150/- रूपये प्रतिदिन 25 शब्दों तक
स्कीम
2 दिन के विज्ञापन पर 2 दिन अतिरिक्त प्रकाशन
5 दिन के विज्ञापन पर 10 दिन अतिरिक्त प्रकाशन
10 दिन के प्रकाशन पर 20 दिन अतिरिक्त प्रकाशन
राष्ट्रीय गरिमा समाचार पत्र में विज्ञापन देकर अपने व्यापार को दें नई उड़ान
सम्पर्क करें : 8602000710, 8602000703
मात्र 1500/- रूपये में पूरे एक माह चलायें

ब्लैकमेलिंग से परेशान युवती ने जहर खाकर दी जान, मौत से पहले वीडियो बनाकर मांगी मदद

दरगाह का प्रसाद बताकर कुछ खिलाने, दुष्कर्म और वीडियो बनाकर वायरल करने की धमकी देने का आरोप

मंदसौर। वायडी नगर थाना क्षेत्र में 19 वर्षीय युवती की जहरीला पदार्थ खाने से मौत हो गई। मौत से पहले युवती ने एक वीडियो बनाया था, जिसमें उसने इकबाल शेख नामक व्यक्ति पर गंभीर आरोप लगाते हुए मदद की गुहार लगाई थी। युवती ने आरोप लगाया था कि आरोपी ने उसे दरगाह का प्रसाद बताकर कुछ खिलाया और इसके बाद उसके साथ गलत हरकत कर वीडियो बना लिए। इन वीडियो को वायरल करने की धमकी देकर उससे करीब चार लाख रुपए भी वसूले गए। वीडियो में युवती रोते हुए अपनी आपबीती बता रही थी। उसने आरोप लगाया कि आरोपी उसे अपने घर बुलाकर अपने साथ ले गया था। इसके बाद वीडियो वायरल करने की धमकी देकर लगातार रुपए मांगे गए। युवती के अनुसार, आरोपी ने किसी को इस बारे में बताने पर उसके पिता और भाई को जान से मारने की धमकी भी दी थी। उसने आरोपी की पत्नी पर भी इस पूरे मामले में साथ देने का आरोप लगाया। युवती का कहना था कि रुपए देने के बाद भी उसे परेशान किया जाता रहा और वीडियो वायरल कर उसे बदनाम किया गया। वीडियो के अंत में युवती ने भावुक होकर कहा था- %मेरी हेल्प कीजिए। जहरीला पदार्थ खाने के बाद अस्पताल में तोड़ा दम मंगलवार दोपहर युवती ने जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। हालत बिगड़ने पर परिजन उसे जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां पुलिस ने उसके बयान दर्ज किए। युवती ने अपने बयानों में आरोपी और उसकी पत्नी पर बहला-फुसलाकर वीडियो बनाने तथा ब्लैकमेल कर रुपए वसूलने के आरोप लगाए। उपचार के दौरान मंगलवार रात युवती की मौत हो गई। शव को जिला अस्पताल की मर्च्युरी में रखवाया गया। बुधवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा जाएगा। युवती की मौत के बाद परिजनों में आक्रोश है। उन्होंने आरोपी के मकान पर बुलडोजर चलाने और उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है। परिजनों का आरोप है कि आरोपी ने वीडियो वायरल करने की धमकी देकर युवती से करीब चार लाख रुपए वसूले। इसके बावजूद उसे ब्लैकमेल करना जारी रखा और वीडियो भी वायरल कर दिए। वायडी नगर थाना प्रभारी शिवांशु मालवीय ने बताया कि युवती के बयानों के आधार पर इकबाल शेख और उसकी पत्नी के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया है। पुलिस ने बीएनएस की धारा 64(2)(रू), 351(3), 308(2),108 तथा आईटी एक्ट की धारा 67 के तहत मामला दर्ज किया है। थाना प्रभारी शिवांशु मालवीय ने बताया कि आरोपी इकबाल शेख और उसकी पत्नी को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। मामले में पुलिस द्वारा आगे की जांच की जा रही है।

मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी उपेन्द्र तिवारी द्वारा प्रदेशवॉच मीडिया ग्रुप 11 प्रेस कम्प्लेक्स जोन 1 एमपी नगर भोपाल से मुद्रित एवं बी-14 कस्तूरबा नगर भोपाल से प्रकाशित। सम्पादक : अभिमन्यु तिवारी,सहायक सम्पादक : शैलेन्द्र तिवारी।
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल होगा। (समाचार प्रकाशन के लिये पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार*) आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक 61858/95, मो. 8602000710 , 8602000701

दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
शुभ प्रभात
www.rashtriyagarima.com
भोपाल, गुरूवार 12 नवम्बर 2026

मछली पकड़ने गये युवक की तालाब में डूबने से हुई मौत

जांजगीर। जिले के पामगढ़ ब्लॉक अंतर्गत ग्राम पेण्ड्री में तालाब में डूबने से 20 वर्षीय युवक की दर्दनाक मौत हो गई। मछली पकड़ने गए युवक का शव तालाब के पानी में तैरता हुआ मिलने से गांव में हड़कंप मच गया। घटना के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल है। मृतक की पहचान राजा वर्मा उर्फ़ मिथुन (20 वर्ष) के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार, राजा बुधवार सुबह करीब 8 बजे गांव के तालाब में मछली पकड़ने गया था।

भाई दूज पर बहनों ने अपने भाइयों के माथे पर लगाया तिलक

हरिद्वार। धर्मनगरी हरिद्वार में भाई-बहन के अटूट प्रेम, स्नेह और विश्वास का प्रतीक भाई दूज का पर्व श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। सुबह से ही घरों में पर्व को लेकर उत्साह देखने को मिला। बहनों ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर भाइयों के माथे पर तिलक लगाया और उनकी सुख-समृद्धि, खुशहाली एवं दीर्घायु की कामना की। वहीं भाइयों ने बहनों को उपहार भेंट कर उनकी रक्षा और सम्मान का संकल्प लिया। पर्व के चलते बाजारों में भी रौनक रही।

पूर्व सीबीआई प्रमुख की पार्टी यूपी चुनाव में सभी सीटों पर लड़ेगी चुनाव

नागेश्वर राव के नेतृत्व वाली सर्वजन सनातन पार्टी उतरेगी चुनावी मैदान में



लखनऊ। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के पूर्व प्रमुख एम.नागेश्वर राव के नेतृत्व वाली सर्वजन सनातन पार्टी (एसएसपी) ने उत्तर प्रदेश में 2027 का विधानसभा चुनाव लड़ने की घोषणा की है। पार्टी ने प्रदेश की सभी 403 विधानसभा सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारने की तैयारी शुरू कर दी है, जिसके लिए संभावित प्रत्याशियों से आवेदन मांगे जा रहे हैं। पार्टी ने उम्मीदवारों के चयन की प्रक्रिया के पहले चरण की शुरुआत कर दी है। हैदराबाद निवासी सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी एम.नागेश्वर राव, जो लगभग एक महीने पहले काशी में गंगा तट पर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में शामिल हुए थे,ने सोशल मीडिया पर इस जानकारी को साझा किया। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक आवेदन के जरिए उम्मीदवारों की शुरुआती छंटनी की जाएगी। इसमें उपयुक्त पाए जाने वाले आवेदकों से दूसरे चरण में विस्तृत जानकारी और आवश्यक दस्तावेज मांगे जाएंगे। राव ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लोगों से आवेदन आमंत्रित करते हुए लिखा,सर्वजन सनातन पार्टी (ससपा) उत्तर प्रदेश के सभी 403 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में भावी प्रत्याशियों के चयन हेतु प्रथम चरण की प्रक्रिया प्रारम्भ कर रही है। इच्छुक एवं योग्य व्यक्तियों से ऑनलाइन प्रारम्भिक आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। पार्टी ने उम्मीदवारों के लिए कुछ पात्रता और शर्तें भी निर्धारित की हैं। इसके मुताबिक,आवेदक को सर्वजन सनातन पार्टी की विचारधारा, मूल उद्देश्यों और नीतियों में विश्वास रखना चाहिए तथा उनके अनुरूप काम करने के लिए प्रतिबद्ध होना चाहिए। आवेदन करने वाले व्यक्ति का भारतीय नागरिक होना अनिवार्य है, साथ ही उसका नाम उत्तर प्रदेश के किसी विधानसभा क्षेत्र की मतदाता सूची में दर्ज हो। नामांकन पत्रों की जांच की तारीख तक उम्मीदवार की उम्र कम से कम 25 साल होनी चाहिए,और उसे आवेदन पत्र में मांगे गए सभी विवरण सही-सही प्रस्तुत करने होंगे। इससे पहले लखनऊ में एक संवाददाता सम्मेलन में राव ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा था हिंदुओं को अक्सर यह कहकर राजनीतिक विकल्प से वंचित किया जाता है कि भाजपा को वोट नहीं देने पर वे किसे चुनेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी राजनीतिक दल का हिंदू मतों पर एकाधिकार नहीं है,सनातन में आस्था रखने का अर्थ किसी एक दल की राजनीतिक अधीनता स्वीकार करना नहीं है। पूर्व सीबीआई प्रमुख ने भाजपा पर छद्म हिंदुत्व और जातिगत विभाजन की राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि देश को ऐसी राजनीति की आवश्यकता है,जो सभ्यतागत पहचान को आधुनिक विकास,न्याय और जनकल्याण से जोड़े। ससपा का उद्देश्य केवल सत्ता परिवर्तन नहीं,बल्कि सनातन मूल्यों,संवैधानिक लोकतंत्र,सामाजिक समरसता और जवाबदेह शासन पर आधारित भारत का पुनर्निर्माण करना है।

हैरान हूं कि हम जिंदा हैं,यह हवा इंसानों के रहने लायक नहीं : विजय हड्डा

एम्स के डॉक्टर विजय हड्डा ने दिल्ली के प्रदूषण पर दी खौफनाक चेतावनी



नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की आबोहवा सांस लेने लायक नहीं बची है और प्रदूषण के भयावह आंकड़ों ने आम जनता से लेकर चिकित्सा विशेषज्ञों तक की नींद उड़ा दी है। चांदनी चौक और तालकटोरा गार्डन सहित शहर के कई संवेदनशील इलाकों में एयर चालिटी इंडेक्स 400 के खतरनाक आंकड़े को छू रहा है। इसी बीच चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री के ताजा आंकड़ों ने खुलासा किया है कि प्रतिबंधों और पाबंदियों के दावों के बावजूद राजधानी में दीपावली पर करीब 300 करोड़ रुपये के पटाखे जला दिए गए। दिल्ली की इस दमघोंटू स्थिति पर अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के वरिष्ठ चिकित्सकों ने अत्यंत गंभीर चेतावनी जारी करते हुए दो टूक कहा है कि वर्तमान हवा इंसानों के जीवित रहने के लायक ही नहीं रह गई है। दिल्ली की भयावह स्थिति पर चिंता जताते हुए एम्स के पल्मोनोलॉजी विभाग के डॉक्टर विजय हड्डा ने कहा कि जो एक्यूआई कभी तीन अंकों में दर्ज होता था, वह अब कई जगहों पर चार अंकों तक की सीमा में दिखने लगा है। आज पूरी दुनिया में जब सबसे प्रदूषित शहर की बात होती है, तो दिल्ली का नाम सबसे ऊपर आता है। उन्होंने हैरानगी जताते हुए कहा कि इंसान एक मिनट में औसतन 20 बार सांस लेता है और हर बार में आधा लीटर हवा फेफड़ों तक जाती है; ऐसे में पूरे दिन में जहरीली हवा और केमिकल्स की कितनी बड़ी मात्रा हमारे शरीर में जा रही होगी, इसका अंदाजा लगाना भी रूह कंपाने वाला है। डॉक्टर हड्डा ने दो टूक शब्दों में कहा कि वह खुद हैरान हैं कि ऐसी हवा में लोग जीवित कैसे हैं, क्योंकि यह वातावरण इंसानी फेफड़ों और जीवन के अनुकूल बिल्कुल नहीं है। चिकित्सा विशेषज्ञों ने आगाह किया है कि पिछले कुछ दिनों से सांस लेते वक्त महसूस होने वाली भारी हवा, गले का लगातार सूखना, बार-बार गला साफ करने की तलब, नाक बंद होना, आंखों में चुभन और लगातार पानी आना केवल तात्कालिक प्रभाव हैं। सबसे बड़ा जोखिम उन जहरीली गैसों और अति सूक्ष्म कणों से है, जो फेफड़ों से होते हुए सीधे रक्तप्रवाह में मिलकर दिल, दिमाग, किडनी और शरीर के अन्य महत्वपूर्ण अंगों को धीरे-धीरे छलनी कर रहे हैं। आने वाले समय में सांस और हृदय रोगियों के अलावा स्वस्थ लोगों में भी इसके गंभीर और जानलेवा दीर्घकालिक परिणाम सामने आएंगे। चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री की रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली में इस बार दिवाली के अवसर पर 300 करोड़ रुपये से अधिक के पटाखों की रिकॉर्ड बिक्री दर्ज की गई है। व्यापारियों के अनुसार, पटाखों की मांग में पिछले वर्ष की तुलना में 30 प्रतिशत से अधिक का भारी उछाल देखने को मिला और अधिकांश दुकानों पर त्योहार से एक दिन पहले ही पूरा स्टॉक खत्म हो गया था। दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति के निगरानी केंद्रों की रिपोर्ट के मुताबिक, शहर के 26 केंद्रों में से 19 पर ध्वनि प्रदूषण का स्तर पिछले साल से अधिक रहा, वहीं दिवाली और उसके अगले दिन की सुबह दर्ज किया गया वायु प्रदूषण का स्तर पिछले चार वर्षों के मुकाबले अपने उच्चतम स्तर पर रहा।

फडणवीस ने उद्धव को दिया अपनी राजनीतिक सूझबूझ का श्रेय

महाराष्ट्र के सीएम के बयान के बाद अटकलों का बाजार हुआ गर्म



मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के एक बयान ने राज्य के राजनीतिक गलियारों में अचानक हलचल मचा दी है। मुख्यमंत्री ने शिवसेना (उद्धव बालासाहब ठाकरे) के प्रमुख उद्धव ठाकरे को अपनी राजनीतिक सूझबूझ और प्रशासनिक अनुभव में विस्तार का श्रेय दिया है, जिसके बाद से अटकलों का बाजार गर्म है। एक अनौपचारिक बातचीत के दौरान, मुख्यमंत्री फडणवीस ने खुलकर स्वीकार किया कि उद्धव ठाकरे के साथ काम करने से उनके प्रशासनिक अनुभव का काफी विस्तार हुआ। उन्होंने 2014 से 2019 के बीच के उतार-चढ़ाव भरे राजनीतिक दौर को याद किया,जब भीषण सूखे और कई प्रशासनिक बाधाओं का सामना करने से उन्हें कठिन परिस्थितियों में डटे रहने की क्षमता मिली। मुख्यमंत्री ने कहा,उद्धव ठाकरे के साथ काम करने से मुझे एक बहुत बड़ा और व्यापक अनुभव मिला, जिसने मेरे नजरिए को बेहतर बनाया। मुख्यमंत्री का यह बयान ऐसे समय में आया है जब राज्य में त्योहारों का माहौल है और विरोधी गुटों के नेताओं के बीच कई अहम राजनीतिक बैठकें भी हुई हैं। राजनीतिक विश्लेषक इस बात पर बंटे हुए हैं कि फडणवीस का यह बयान कोई तंज है या सचमुच की गई तारीफ,लेकिन इसने राज्य की राजनीति में बदलते समीकरणों को लेकर अटकलों को हवा दे दी है। फडणवीस ने अपनी बात को और विस्तार देते हुए पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार और उनकी पत्नी सुनेत्रा पवार के काम करने के अलग-अलग तरीकों की तुलना भी की, जिससे राजनीतिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है। एनसीपी के संभावित विलय पर बोलते हुए, फडणवीस ने स्पष्ट किया कि अगर वे विलय करने का फैसला करते हैं, तो वे आकर हमें बताएंगे,क्योंकि हमारे बिना विलय नहीं हो सकता। अभी तक उनमें से किसी ने भी हमें कुछ नहीं बताया है। उन्होंने अजित पवार और सुनेत्रा पवार के नेतृत्व की तुलना करने से भी इनकार किया। फडणवीस ने कहा, अजित दादा एक ऐसे नेता थे जिन्हें समय की कसौटी पर परखा जा चुका था। उन्हें महाराष्ट्र की बहुत अच्छी समझ थी और राज्य के बारे में गहरी जानकारी थी। सुनेत्रा पवार अभी हालात के हिसाब से खुद को ढाल रही हैं।

एनएसयूआई नेता छात्राओं को एनआरआई के पास भेजने के आरोपों में घिरा

दिल्ली के रामानुजन कॉलेज का मामला, अभाविप की एनआईए से जांच की मांग



नई दिल्ली। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) ने दिल्ली विश्वविद्यालय के रामानुजन कॉलेज के एनएसयूआई उपाध्यक्ष अनस खान पर छात्राओं को पैसे और अन्य सुविधाओं का प्रलोभन देकर एनआरआई पुरुषों के साथ भेजने से संबंधित कथित संदेश सामने आने के मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) से जांच कराने की मांग की है। अभाविप का आरोप है कि एनआरआई प्रायोजित कार्यक्रम के नाम पर छात्राओं से संपर्क स्थापित किया जा रहा था और उनकी शारीरिक बनावट के आधार पर चयन की बातें भी संदेशों में सामने आई हैं। इस मामले में कॉलेज प्रशासन अनस खान को निलंबित कर चुका है। अभाविप ने कहा कि छात्राओं को आर्थिक प्रलोभन देकर इस तरह की गतिविधियों में शामिल करने का मामला संभावित मानव तस्करी और देह व्यापार जैसे संगठित अपराधों से जुड़े नेटवर्क की आशंका पैदा करता है। संगठन ने मांग की है कि पूरे प्रकरण की व्यापक जांच कराई जाए, ताकि एनआरआई संपर्कों, आर्थिक लेन-देन और संभावित अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क की भूमिका का पता लगाया जा सके। अभाविप ने यह भी दावा किया कि पिछले माह एनएसयूआई से जुड़े व्यक्तियों द्वारा एक कार्यक्रम के लिए लड़कों को ले जाने से संबंधित इसी तरह की चैट सामने आई थी। संगठन ने लगातार सामने आ रहे ऐसे मामलों पर सवाल उठाते हुए कहा कि क्या एनएसयूआई के कार्यक्रमों के पीछे आर्थिक प्रलोभन और संदिग्ध नेटवर्क काम कर रहे हैं। अभाविप ने वर्ष 2018 में एनएसयूआई के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष फिरोज खान पर संगठन की एक महिला पदाधिकारी की ओर से लगाए गए यौन उत्पीड़न के आरोपों का भी उल्लेख किया। अभाविप ने इन घटनाओं को कांग्रेस और उसके छात्र संगठन के महिला सुरक्षा संबंधी दावों से जोड़कर सवाल उठाए। अभाविप के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. वीरेंद्र सिंह सोलंकी ने कहा कि महिला अधिकारों और समानता की बात करने वाली कांग्रेस को अपने छात्र संगठन में महिलाओं की गरिमा और सुरक्षा सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी लेनी चाहिए।

अगर समय पर सैनिकों को उतारा जाता तो बचाई जा सकती थी सिखों की जान

कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के दावों पर एडवोकेट एच.एस. फुल्का ने उठाए सवाल



नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं एडवोकेट एच.एस. फुल्का ने 1984 के सिख विरोधी कत्लेआम को लेकर सोनिया गांधी की किताब में किए गए दावों पर सवाल उठाए हैं। नई दिल्ली स्थित भाजपा केंद्रीय कार्यालय में मीडिया को संबोधित करते हुए फुल्का ने आरोप लगाया कि सोनिया गांधी ने अपनी किताब में राजीव गांधी और अपने परिवार को क्लीन चिट देने का प्रयास किया है, जबकि उनके दावे मिश्रा आयोग और नानावती आयोग की रिपोर्ट में दर्ज तथ्यों के विपरीत हैं। फुल्का ने कहा कि सोनिया गांधी ने अपनी किताब में दावा किया है कि 31 अक्टूबर 1984 की रात तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने सेना प्रमुख जनरल वैद्य को सेना बुलाने के लिए कहा था। इसके बाद जनरल वैद्य ने दिल्ली के आसपास मौजूद सिख सैनिकों को नहीं बुलाने का निर्णय लिया और देहरादून सहित अन्य दूरस्थ स्थानों से सेना बुलाने का फैसला किया, जिससे सेना की तैनाती में देरी हुई। उन्होंने इस दावे को गलत बताते हुए कहा कि सेना प्रमुख जनरल वैद्य ने सिख सैनिकों पर अविश्वास के कारण सेना नहीं बुलाने का फैसला नहीं किया था। फुल्का के अनुसार, 31 अक्टूबर की रात और 1 नवंबर की सुबह दिल्ली में लगभग 6,100 सैनिक उपलब्ध थे, लेकिन उन्हें समय पर तैनात नहीं किया गया। एच.एस. फुल्का ने मिश्रा आयोग और नानावती आयोग की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि यदि 1 नवंबर 1984 की सुबह दिल्ली में उपलब्ध 5,000 सैनिकों को सड़कों पर तैनात किया जाता, तो कम से कम 2,000 सिखों की जान बचाई जा सकती थी। उन्होंने कहा कि तत्कालीन सेना प्रमुख जनरल वैद्य ने मिश्रा आयोग के समक्ष अपने बयान में स्पष्ट किया था कि उन्होंने दिल्ली में सेना की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए जीओसी दिल्ली से संपर्क किया था। उन्हें बताया गया था कि दिल्ली में लगभग 6,000 सैनिक उपलब्ध हैं। इसके अलावा मेरठ से भी सेना बुला ली गई थी, जो 31 अक्टूबर की रात दिल्ली पहुंच गई थी। फुल्का ने कहा कि जनरल वैद्य ने अपने बयान में यह नहीं कहा था कि राजीव गांधी या तत्कालीन प्रधानमंत्री ने उन्हें सेना बुलाने का निर्देश दिया था। मिश्रा आयोग के अनुसार, राजीव गांधी ने जनरल वैद्य को अलर्ट किया था, लेकिन सेना को तैयार रखना और उसे नागरिक प्रशासन के अनुरोध पर तैनात करना अलग-अलग जिम्मेदारियां थीं।

मीटर रीडिंग अपडेट करने का झांसा देकर महिला से लाखों ठगे

रेवाड़ी। साइबर ठगों ने ठगी का नया तरीका अपनाते हुए आईजीएल मीटर रीडिंग अपडेट करने के नाम पर एक महिला को निशाना बनाया है। ठगों ने महिला के मोबाइल पर वॉट्सएप के जरिए एक लिंक भेजा। महिला ने जैसे ही लिंक खोला, उनका मोबाइल हैक हो गया और साइबर ठगों ने बैंक खाते से चार अलग-अलग ट्रांजेक्शन के जरिए 17 लाख 40 हजार रुपये निकाल लिए। पीड़िता की शिकायत पर साइबर थाना पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस प्रवक्ता ने बुधवार को बताया कि बीएमजी सिटी स्थित अंतरिक्ष टावर-दो निवासी शिखा शर्मा ने शिकायत में बताया कि 31 अक्टूबर को उनके मोबाइल पर एक अज्ञात व्यक्ति की कॉल आई थी। कॉल करने वाले ने खुद को आईजीएल मीटर रीडिंग कर्मचारी बताया। उसने मीटर रीडिंग से संबंधित जानकारी देने और प्रक्रिया पूरी करने के नाम पर शिखा के वॉट्सऐप पर एक लिंक भेज दिया। शिखा के अनुसार उन्होंने कॉल करने वाले व्यक्ति के कहने पर लिंक खोल लिया। इसके बाद उनका मोबाइल फोन हैक होना शुरू हो गया।



राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली
भोपाल, गुरूवार 12 नवम्बर 2026
www.rashtriyagarima.com

सम्पादकीय

लाचारी जैसी स्थिति

इस सदी में भारतीय मध्य वर्ग के विस्तार और उसे सहारा दिए रहने का प्रमुख स्रोत टेक सेक्टर रहा है। वहां अवसर सिकुड़ने और उस स्रोत से आमदनी में गिरावट का सीधा असर उपभोक्ता बाजार पर पड़ेगा। भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए यह खबर चिंताजनक है कि इस वर्ष सूचना तकनीक क्षेत्र में कर्मचारियों की वेतन वृद्धि (अप्रेजल) निराशाजनक रही है। टेक पेशेवरकर्मियों के ऐप ब्लाइंड के सर्वे से सामने आया है कि 35 प्रतिशत कर्मचारियों को या तो कोई वेतन वृद्धि नहीं मिली, या वेतन कटौती का सामना करना पड़ा। इसमें 30 प्रतिशत के वेतन में शून्य बढ़ोतरी हुई, जबकि पांच प्रतिशत की सैलरी घटी। यह सर्वे 2,178 टेक प्रोफेशनल्स को शामिल करते हुए किया गया। इससे सामने आई स्थिति की गंभीरता का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि एक से पांच प्रतिशत की मामूली वृद्धि को जोड़ लें, तो कुल 59 प्रतिशत कर्मचारियों की वेतन वृद्धि पांच प्रतिशत या उससे कम रही। 2025 में ऐसे कर्मचारियों की संख्या सिर्फ 34 प्रतिशत थी। जानकारों के मुताबिक इसका कारण कर्मचारियों का खराब प्रदर्शन नहीं है। बल्कि सर्वे के दौरान 41 प्रतिशत लोगों ने कंपनी की खराब वित्तीय हालत या लागत में कटौती को कारण बताया, जबकि 18 प्रतिशत ने आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और ऑटोमेशन को जिम्मेदार माना। एआई की लागत सबसे बड़ा फैक्टर बनकर उभरी है। कई कंपनियों ने बढ़ते एआई और सर्वर खर्च के कारण कर्मचारियों की वेतन वृद्धि को फ्रीज कर दिया है। इस घटनाक्रम का असर बेशक कर्मचारियों की संतुष्टि पर पड़ रहा है। ये बात ब्लाइंड सर्वे से भी सामने आई है। इसका असर आने वाले समय में उनके प्रदर्शन पर पड़ सकता है, जिसका एक नतीजा उनकी नौकरी का खतरे में पड़ना होगा। दरअसल, सर्वे के दौरान बड़ी संख्या में कर्मचारियों ने कहा कि उन्हें अब वेतन वृद्धि से ज्यादा छंटनी का डर सता रहा है। लेकिन बात सिर्फ उन कर्मचारियों तक सीमित नहीं रहेगी। इस सदी में भारतीय मध्य वर्ग के निर्माण, विस्तार और उसे सहारा दिए रहने का प्रमुख स्रोत टेक सेक्टर रहा है। वहां अवसर सिकुड़ने और इस स्रोत से होने वाली आमदनी में गिरावट का सीधा असर उपभोक्ता बाजार पर पड़ेगा, जिससे पूरी भारतीय अर्थव्यवस्था प्रभावित होगी। इस आशंका को लेकर काफी समय से चेतावनी दी जाती रही है। दुर्भाग्यपूर्ण है कि उसके बावजूद लाचारी जैसी स्थिति बनी हुई है।

राशिफल



मेष राशिः आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा आज ज्यादातर काम पूरे हो सकते हैं। आज दोस्तों के साथ कहीं घूमने का कार्यक्रम बना सकते हैं। आज आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। बड़ा फैसला लेने से पहले बड़ों की राय अवश्य लें। आज बिजनेस में बढ़ोतरी के लिए नए मौके मिल सकते हैं। आज कुछ मामलों में किसी अनुभवी व्यक्ति से सलाह-मशविरा लेकर ही फैसला लें, अच्छा रहेगा।

वृष राशिः आज आपका दिन रहने वाला है खास आज आपके रुके हुए काम आसानी से पूरे हो जाएंगे। इस राशि के जो लोग राजनीति से जुड़े हुए हैं, उन्हें आज किसी बड़ी पार्टी में मनचाहा पद मिल सकता है। आज दोस्तों के साथ मनोरंजन के लिए कहीं घूमने जा सकते हैं।

मिथुन राशिः आज आपका दिन बेहतर रहेगा आज आपका व्यक्तित्व देखकर लोग आपसे काफी प्रभावित हो सकते हैं। इस राशि के छात्रों को आज उनकी मेहनत का फल मिल सकता है। आज आपका मन पूजा-पाठ में अधिक लग सकता है। आज आप नई योजना बना सकते हैं।

कर्क राशिः परिवार में आएंगी नई खुशियां आज आपका दिन आपके परिवार के लिए नई खुशियां लाने वाला है। आज छोटी-मोटी बातों पर अपना समय व्यर्थ न करें। इस राशि के छात्रों को आज उनकी सफलता का कम परिणाम मिलेगा। नए काम करने की सोच से आपको धन लाभ के अवसर मिलेंगे। लोग आपकी योजना पर काम करने के लिए आपसे सलाह भी लेंगे।

सिंह राशिः आज का दिन रहेगा मिला-जुला आज अपने परिवार की अपेक्षाओं पर खरे उतरने के लिए दिन अच्छा है। आज पैसों को लेकर मन में चिंता बनी रहेगी। आज आपका मन काम में कम लगेगा। आज जीवनसाथी के साथ शॉपिंग के लिए जा सकते हैं।

कन्या राशिः आज किस्मत का मिलेगा पूरा साथ आज के दिन तकदीर का पूरा साथ मिलेगा। आज आपको कुछ अच्छे मौके मिल सकते हैं। अगर आप अपनी सोच को सकारात्मक रखेंगे, तो जल्द ही इसके बेहतर परिणाम हासिल होंगे। आज दोस्तों के साथ मन की बात साझा करके आपको अच्छा महसूस होगा।

तुला राशिः आज दिन में आएंगे उतार-चढ़ाव आज आपका दिन थोड़ा उतार-चढ़ाव भरा रहेगा। कारोबार में आ रही परेशानियों के समाधान के लिए आज किसी खास व्यक्ति से सहयोग प्राप्त हो सकता है। आज आपको एक्टिव रहने की जरूरत है। आज जरूरी काम पहले पूरा कर लें, वरना समय धीरे-धीरे निकलता जाएगा और आपको पता भी नहीं चलेगा।

वृश्चिक राशिः खुशियां लेकर आया है दिन अगर आपके मन में कोई योजना चल रही है, तो उस पर काम करने के लिए आज का दिन बेहतर है। आज दोस्तों का सहयोग प्राप्त हो सकता है। आज आपको कुछ रोचक जानकारी मिलेगी। ऑफिस में आज उत्साहजनक स्थिति बन सकती है। आज कामकाज में मन लगेगा।

धनु राशिः मेहनत का मिल सकता है दोगुना फल आज आपका दिन अनुकूल रहेगा। आज आप जितनी मेहनत करेंगे, उसका दोगुना फल आपको मिल सकता है। आज कार्यक्षेत्र में कुछ विशेष काम करेंगे, जिससे आपको काफी धन लाभ होगा। इस राशि के छात्रों की बंद किस्मत का ताला आज खुल जाएगा। करियर में अच्छे बदलाव का अवसर प्राप्त होगा।

मकर राशिः आज का दिन रहेगा ठीक-ठाक इस राशि के छात्र आज खेल-कूद में हिस्सा ले सकते हैं, जिससे आप तंदुरुस्त बने रहेंगे। आज जीवनसाथी की छोटी-मोटी गलतियों को नजर अंदाज करें। आज कॉन्फिडेंस अधिक रहेगा, लेकिन इसका गलत फायदा न उठाएं। आज किसी से बहस करने से बचें। आज धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी।

कुंभ राशिः एक के बाद एक मिलेंगी अच्छी खबरें आज एक के बाद एक अच्छी खबरें मिलेंगी। आज अचानक कुछ नए स्रोतों से धन प्राप्त होने का योग बन रहा है। आज चारों तरफ खुशी का माहौल बना रहेगा। इस राशि के छात्रों को आज तरक्की के लिए कई नए विकल्प मिलेंगे।

मीन राशिः परिवार में बना रहेगा खुशी का माहौल आज परिवार और मित्रों को समय देने से हर्ष में वृद्धि होगी। आज जीवनसाथी के सहयोग से जरूरी काम बन सकते हैं। आज आपका आर्थिक पक्ष पहले से मजबूत रहेगा। आज किसी मांगलिक कार्य के लिए यात्रा पर जा सकते हैं। ऑफिस में आज किसी सहकर्मी से आपकी दोस्ती हो सकती है।

दंतेवाड़ा के सुदूर 'लावा' गाँव में पहली बार गूंजी टीवी की आवाज

धनंजय राठौर



महज़ 21 परिवारों की आबादी वाले इस छोटे से आदिवासी गाँव के लिए यह किसी ऐतिहासिक क्रांति से कम नहीं है, क्योंकि यहाँ के ग्रामीणों ने अपने जीवन में पहली बार गाँव के भीतर ही टेलीविज़न स्क्रीन देखी है। बस्तर के दूरदराज गाँवों तक विकास और खुशहाली पहुँचाना हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस अभूतपूर्व पहल पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि बस्तर के हमारे दूरदराज और अंतिम छोर पर बसे गाँवों तक विकास, शिक्षा, और आधुनिक तकनीक की रोशनी पहुँचाना हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। दंतेवाड़ा के सुदूर लावा गाँव में सामुदायिक सोलर टीवी की स्थापना इस बात का प्रमाण है कि विकास अब नक्सलवाद के अंधेरे को पीछे छोड़कर हर आदिवासी भाई-बहन के जीवन तक पहुँच रहा है। जब इन सुदूर इलाकों के बच्चे और ग्रामीण पहली बार टीवी स्क्रीन पर देश-दुनिया की खबरें और ज्ञानवर्धक कार्यक्रम देखेंगे, तो उनके सपनों को एक नई उड़ान मिलेगी। हमारी सरकार बस्तर के समग्र विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियाँ और चुनौतियाँ बैलाडीला की ऊँची पहाड़ियों के पीछे और घने जंगलों के बीच बसा लावा गाँव भौगोलिक रूप से बेहद अलग-थलग है।

छत्तीसगढ़ के दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा जिले के धुर नक्सल प्रभावित और दुर्गम इलाकों में विकास का पहिया अब तेजी से घूमने लगा है। इसी कड़ी में दंतेवाड़ा जिले के कुआकोंडा विकासखंड के अंतर्गत आने वाले एक अत्यंत सुदूर और दुर्गम पहाड़ी गाँव लावा में जिला प्रशासन के सहयोग से क्रेडा (क्रेडा) विभाग द्वारा %कम्युनिटी सोलर टीवी (सामुदायिक सौर टीवी) की स्थापना की गई है। महज़ 21 परिवारों की आबादी वाले इस छोटे से आदिवासी गाँव के लिए यह किसी ऐतिहासिक क्रांति से कम नहीं है, क्योंकि यहाँ के ग्रामीणों ने अपने जीवन में पहली बार गाँव के भीतर ही टेलीविज़न स्क्रीन देखी है। बस्तर के दूरदराज गाँवों तक विकास और खुशहाली पहुँचाना हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस अभूतपूर्व पहल पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि बस्तर के हमारे दूरदराज और अंतिम छोर पर बसे गाँवों तक विकास, शिक्षा, और आधुनिक तकनीक की रोशनी पहुँचाना हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। दंतेवाड़ा के सुदूर लावा गाँव में सामुदायिक सोलर टीवी की स्थापना इस बात का प्रमाण है कि विकास अब नक्सलवाद के अंधेरे को पीछे छोड़कर हर आदिवासी भाई-बहन के जीवन तक पहुँच रहा है। जब इन सुदूर इलाकों के बच्चे और ग्रामीण पहली बार टीवी स्क्रीन पर देश-दुनिया की खबरें और ज्ञानवर्धक कार्यक्रम देखेंगे, तो उनके सपनों को एक नई उड़ान मिलेगी। हमारी सरकार बस्तर के समग्र विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियाँ और चुनौतियाँ बैलाडीला की ऊँची पहाड़ियों के पीछे और घने जंगलों के बीच बसा लावा गाँव भौगोलिक रूप से बेहद अलग-थलग है। किरंदुल के मुख्य लौह-अयस्क खनन क्षेत्र से करीब 8 किलोमीटर दूर स्थित इस गाँव तक पहुँचने के लिए आज भी कोई पक्की सड़क नहीं है। यहाँ के ग्रामीणों को अपनी बुनियादी ज़रूरतों, जैसे राशन दुकान से चावल लाने के लिए आज भी पहाड़ी और पथरीले रास्तों से होकर मीलों पैदल सफर तय करना पड़ता है। दशकों तक रहा नक्सलवाद का साया लावा और इसके आसपास का पुरेंगल क्षेत्र दशकों तक घोर नक्सल प्रभावित इलाका रहा है। घने जंगलों और दुर्गम रास्तों का फायदा उठाकर नक्सलियों ने इस क्षेत्र को अपना गढ़ बना रखा था, जिसके कारण कई सालों तक यहाँ न तो कोई प्रशासनिक अधिकारी पहुँच पाता था और न ही कोई जनप्रतिनिधि। सुरक्षा कारणों से यह गाँव पूरी तरह से आधुनिक दुनिया से कटा हुआ था और यहाँ बुनियादी सुविधाओं का पहुँचना एक सपना बना हुआ था। सुरक्षा बलों का प्रयास और बदला परिदृश्य सुरक्षा बलों के लगातार ऑपरेशन्स और मुस्तैदी के बाद अब इस क्षेत्र में नक्सलवाद का प्रभाव लगभग समाप्त हो चुका है। जहाँ कभी दहशत का माहौल था, वहाँ अब बदलाव की बयार बह रही है। हाल के दिनों में जिला कलेक्टर और क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों ने खुद इस गाँव का दौरा कर ग्रामीणों की चौपाल ली। सुरक्षा और विश्वास के इसी माहौल का नतीजा है कि आज प्रशासन सीधे ग्रामीणों के दरवाज़े तक विकास योजनाएँ पहुँचा रहा है। कम्युनिटी सोलर टीवी से बदलेगी तस्वीर चूँकि यह गाँव पारंपरिक बिजली ग्रिड से काफी दूर है, इसलिए जिला प्रशासन और क्रेडा (छत्तीसगढ़ राज्य अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण) ने यहाँ सौर ऊर्जा का सहारा लिया। गाँव में लगाए गए इस कम्युनिटी सोलर टीवी के जरिए अब निम्नलिखित बदलाव देखने को मिलेंगे: आधुनिक दुनिया और सूचनाओं से जुड़ाव दुर्गम पहाड़ी गाँव लावा में टीवी के माध्यम से अब गांव के लोग छत्तीसगढ़, भारत और पूरी दुनिया में हो रही गतिविधियों और खबरों से सीधे जुड़ सकेंगे। इससे ग्रामीणों को सरकार की नई योजनाओं, कृषि तकनीकों और स्वास्थ्य संबंधी कार्यक्रमों के बारे में आसानी से पता चल सकेगा। बच्चों के लिए शिक्षाप्रद ज्ञान गांव के बच्चों को अब टीवी के माध्यम से मनोरंजन के साथ पढ़ाई, ज्ञानवर्धक और शिक्षाप्रद कार्यक्रम देखने को मिलेंगे, जिससे उनकी समझ और सामान्य ज्ञान बढ़ेगा। सुदूर क्षेत्र में रहने वाले इन बच्चों के लिए स्क्रीन पर देखकर सीखना एक नया और प्रभावी अनुभव होगा। मनोरंजन और सामाजिक मेलजोल कम्युनिटी टीवी होने के कारण गांव के सभी 21 परिवार एक जगह इकट्ठा होकर कार्यक्रम देख सकेंगे। इससे ग्रामीणों के बीच आपसी जुड़ाव और बढ़ेगा। दिनभर खेती और वनोपज इकट्ठा करने की कड़ी मेहनत के बाद, शाम को मनोरंजन के साधन मिलने से ग्रामीणों के जीवन स्तर में सुधार आएगा। सौर ऊर्जा का बेहतरीन उपयोग चूंकि यह इलाका बेहद सुदूर और बिजली की पारंपरिक लाइनों से दूर है, इसलिए सोलर पैनल आधारित टीवी पूरी तरह से आत्मनिर्भर और पर्यावरण के अनुकूल है, जिससे बिना बिजली कटौती की चिंता अपना कामकाज कर सकते हैं। दशकों के अंधेरे और नक्सली खौफ को पीछे छोड़कर लावा गाँव अब सौर ऊर्जा की रोशनी और सूचना तंत्र के जरिए एक नए युग में प्रवेश कर चुका है। जिला प्रशासन का यह प्रयास साबित करता है कि सरकार की नज़रें बस्तर के अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति पर भी हैं। लेखक संयुक्त संचालक, सहायक संचालक, जनसंपर्क हैं।

भारत के आईटीआई में बदलाव का एक वर्ष



पीएम-सेतु का उद्देश्य हब-एंड-स्पोक मॉडल और उद्योग-अनुरूप प्रशिक्षण के माध्यम से 1,000 सरकारी आईटीआई का अत्याधुनिकरण करना है। इस योजना के तहत राष्ट्रीय उत्कृष्टता केन्द्रों के माध्यम से पांच राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थानों (एनएसटीआई) की क्षमता बढ़ाने का भी प्रावधान है। रणनीतिक निवेश योजनाओं, विशेष प्रयोजन वाहनों (एसपीवी) और एंकर इंडस्ट्री पार्टनर्स के माध्यम से उद्योग की भागीदारी सुनिश्चित की गई है। इस योजना में उभरती प्रौद्योगिकियों और व्यवसायों से संबंधित नए दौर के पाठ्यक्रम शुरू किए गए हैं। चयनित एनएसटीआई में उन्नत कौशल प्रशिक्षण के लिए अंतरराष्ट्रीय साझेदारियां भी सहयोग प्रदान कर रही हैं। राज्य स्तरीय संचालन समितियों और उद्योग की भागीदारी के माध्यम से राज्यों तथा केन्द्र शासित प्रदेशों में इसके कार्यान्वयन का भी विस्तार किया गया है। एक वर्ष की प्रगति के तहत 850 आईटीआई की पहचान और 14 आईटीआई क्लस्टरों को मंजूरी शामिल है। प्रस्तावित कौशल प्रयोगशालाएं छात्रों को व्यावसायिक प्रशिक्षण और कौशल के क्षेत्र में व्यावहारिक अनुभव के अवसरों को और बढ़ाएंगी। कुशल कार्यबल के लिए आईटीआई में बदलाव भारत के औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) देश के व्यावसायिक प्रशिक्षण तंत्र का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। ये युवाओं को रोजगार और उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप व्यावहारिक कौशल प्रदान करते हैं। जैसे-जैसे कार्यबल की आवश्यकताएं बदल रही हैं, वैसे-वैसे व्यावसायिक प्रशिक्षण की गुणवत्ता, प्रासंगिकता और उद्योगोन्मुखी स्वरूप को मजबूत करना अधिक महत्वपूर्ण हो गया है। इसी पृष्ठभूमि में, पीएम-सेतु (प्रधानमंत्री स्किलिंग एंड एम्प्लॉयबिलिटी ट्रांसफॉर्मेशन थ्रू अपग्रेडेड आईटीआई) को 4 अक्टूबर 2025 को शुरू किया गया। यह योजना सरकारी आईटीआई को आधुनिक और उद्योग-अनुरूप प्रशिक्षण संस्थानों में परिवर्तित करके व्यावसायिक प्रशिक्षण की समग्र गुणवत्ता और प्रासंगिकता को बढ़ाती है। इस पहल का उद्देश्य उद्योग-नेतृत्व वाले शासन को मजबूत करना, प्रशिक्षण अवसंरचना का उन्नयन करना और कार्यबल की बदलती आवश्यकताओं के अनुरूप मांग-आधारित पाठ्यक्रमों को बढ़ावा देना है। योजना का कुल परिव्यय ?60,000 करोड़ है, जिसमें केन्द्र सरकार की ओर से 30,000 करोड़ रुपये, राज्यों की ओर से 20,000 करोड़ रुपये और उद्योग की ओर से 10,000 करोड़ रुपये शामिल हैं। यह योजना 4 अक्टूबर 2026 को एक वर्ष पूरा कर रही है। आईटीआई: कुशल कार्यबल की नींव तैयार करना आईटीआई युवाओं को रोजगार और उद्योग के लिए व्यावहारिक कौशल से लैस करने हेतु व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान करते हैं। शिल्पकार प्रशिक्षण योजना (सीटीएस) के तहत सरकारी और निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों के माध्यम से इंजीनियरिंग और गैर-इंजीनियरिंग ट्रेडों में प्रशिक्षण दिया जाता है। ट्रेड के आधार पर पाठ्यक्रम की अवधि छह महीने से दो वर्ष तक होती है। प्रशिक्षण महानिदेशालय (डीजीटी), कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) राष्ट्रीय स्तर पर व्यावसायिक प्रशिक्षण के विकास और समन्वय के लिए जिम्मेदार शीर्ष संगठन है। इसके कार्यों में नीतियों, मानदंडों और मानकों का निर्धारण, पाठ्यक्रम विकास, संबद्धता, अनुदेशक प्रशिक्षण और ट्रेड परीक्षण शामिल हैं। आईटीआई राज्य सरकारों और केन्द्र शासित प्रदेशों के प्रशासनों के प्रशासनिक और वित्तीय नियंत्रण के अधीन हैं। देश में सरकारी और निजी आईटीआई सहित आईटीआई की कुल संख्या 2014 में 9,776 से बढ़कर 2026 में 13,888 हो गई है, जो 42 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है। इसके अलावा, देशभर के आईटीआई में नामांकन शैक्षणिक सत्र 2014ङ्क15 में 9.51 लाख से बढ़कर शैक्षणिक सत्र 2025ङ्क26 में 14.70 लाख हो गया है, जो 54 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। विस्तारित होता यह नेटवर्क व्यावसायिक प्रशिक्षण को मजबूत करने और विभिन्न क्षेत्रों में कौशल की बदलती आवश्यकताओं के अनुरूप इसे ढालने के लिए एक व्यापक संस्थागत आधार प्रदान करता है। पीएम-सेतु किस प्रकार आईटीआई में बदलाव ला रहा है पीएम-सेतु बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण, उद्योग की भागीदारी और नए दौर के प्रशिक्षण को एक साथ लाकर व्यावसायिक शिक्षा की गुणवत्ता को मजबूत करता है। यह परिवर्तन दो अलग-अलग घटकों पर आधारित है, जिसमें पहला घटक सरकारी आईटीआई पर और दूसरा राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थानों (एनएसटीआई) पर केन्द्रित है। घटक-1 में 1,000 सरकारी आईटीआई शामिल हैं, जिनमें 200 हब आईटीआई और 800 स्पोक आईटीआई हैं। इन संस्थानों का आधुनिक बुनियादी ढांचे और उद्योग-अनुरूप प्रशिक्षण के साथ हब-एंड-स्पोक मॉडल के माध्यम से आधुनिकीकरण किया जा रहा है। प्रत्येक हब औसतन चार स्पोक से जुड़ा है, जिससे उन्नत बुनियादी ढांचे, आधुनिक ट्रेडों, डिजिटल शिक्षण प्रणालियों और इनक्यूबेशन सुविधाओं तक साझा पहुंच संभव हो रही है। हब में नवाचार केन्द्र, प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण के लिए बुनियादी ढांचा, उत्पादन इकाइयां और प्लेसमेंट सेवाओं जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। स्पोक प्रशिक्षण तक पहुंच का विस्तार करते हैं और शिक्षार्थियों को अपने-अपने क्लस्टरों में उपलब्ध संसाधनों से जोड़ते हैं। यह मॉडल स्मार्ट कक्षाओं, आधुनिक प्रयोगशालाओं, डिजिटल सामग्री और उद्योग-अनुरूप पाठ्यक्रमों के माध्यम से आईटीआई के उन्नयन में सहायता कर रहा है। घटक-2 भुवनेश्वर, चेन्नई, हैदराबाद, कानपुर और लुधियाना में स्थित 5 राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थानों (एनएसटीआई) की क्षमता बढ़ाने पर केन्द्रित है। इसमें क्षेत्र-विशिष्ट राष्ट्रीय उत्कृष्टता केन्द्रों की स्थापना और वैश्विक साझेदारियों के माध्यम से प्रशिक्षकों का उन्नत प्रशिक्षण शामिल है। पीएम-सेतु का कार्यान्वयन: राज्य, उद्योग और केन्द्र के बीच समन्वय संबंधित राज्य और केन्द्र शासित प्रदेश उद्योग के परामर्श से पीएम-सेतु के तहत आईटीआई के चयन का नेतृत्व करते हैं। वे उद्योग साझेदारों के सहयोग से आईटीआई के उन्नयन के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत करते हैं। इस प्रक्रिया में उभरती कौशल आवश्यकताओं और संबंधित क्षेत्रों की औद्योगिक क्षमता को ध्यान में रखा जाता है। राष्ट्रीय स्तर पर, कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) ने सचिव, एमएसडीई की अध्यक्षता में एक राष्ट्रीय संचालन समिति (एनएससी) का गठन किया है, जो योजना के लिए समग्र दिशा-निर्देश प्रदान करती है। एनएससी व्यापक नीतिगत दिशा तय करने, परिचालन संबंधी दिशा-निर्देशों को अंतिम रूप देने, कार्यान्वयन की निगरानी करने और आवश्यकता पड़ने पर आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाने में सहयोग करती है। चयन प्रक्रिया में उद्योग की भागीदारी को भी शामिल किया गया है, जिसके तहत संभावित साझेदारों को रणनीतिक निवेश योजना (एसआईपी) प्रस्तुत करना आवश्यक है। एसपीवी के माध्यम से उद्योग-नेतृत्व वाला शासन पीएम-सेतु उन्नत आईटीआई क्लस्टरों के लिए विशेष प्रयोजन वाहन (एसपीवी) के माध्यम से उद्योग-नेतृत्व वाले शासन का प्रावधान करता है। प्रस्तावित संरचना के तहत एंकर इंडस्ट्री पार्टनर को 51 प्रतिशत स्वामित्व दिया गया है, जबकि केन्द्र और राज्य सरकारों की हिस्सेदारी 24.5 प्रतिशत है। एसपीवी क्लस्टर के विकास और संचालन का नेतृत्व करते हैं तथा स्थानीय उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप उपयुक्त हस्तक्षेपों का प्रस्ताव रखते हैं। इन हस्तक्षेपों में पाठ्यक्रम, प्रशिक्षण प्रदान करने की व्यवस्था, बुनियादी ढांचा और उद्योग से परिचय जैसे क्षेत्र शामिल हो सकते हैं। एक वर्ष में पीएम-सेतु: योजना से कार्यान्वयन तक पीएम-सेतु के पहले वर्ष के दौरान कार्यान्वयन ने संस्थागत तैयारियों और आईटीआई की पहचान से आगे बढ़कर आईटीआई क्लस्टरों और एसआईपी को मंजूरी देने तक प्रगति की है। कुल 850 आईटीआई की पहचान की गई है, जिनमें 172 हब आईटीआई और 678 स्पोक आईटीआई शामिल हैं। 36 राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों ने क्लस्टरों की पहचान कर ली है और इसके लिए समर्पित राज्य बजट बनाए हैं। वहीं, 35 राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों ने कार्यान्वयन के मार्गदर्शन और निगरानी के लिए अपनी राज्य संचालन समितियों का गठन किया है। 26 राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों ने उद्योग की भागीदारी आमंत्रित करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। एनएससी ने पीएम-सेतु को इसके पायलट चरण से आगे बढ़ाकर पहचाने गए सभी 200 आईटीआई क्लस्टरों में राष्ट्रव्यापी स्तर पर लागू करने को भी मंजूरी दे दी है। इस विस्तार के तहत राज्य और केन्द्र शासित प्रदेश उद्योग की तैयारी और कार्यान्वयन क्षमता के आधार पर योजना को लागू कर सकेंगे। कौशल विकास के दायरे का विस्तार कार्यबल की उभरती आवश्यकताओं के लिए नए दौर के पाठ्यक्रम बुनियादी ढांचे और संस्थागत सुधारों के पूरक के रूप में, पीएम-सेतु का ध्यान व्यावसायिक प्रशिक्षण को उभरती प्रौद्योगिकियों और व्यवसायों के प्रति अधिक उत्तरदायी बनाने पर भी है। प्रशिक्षण महानिदेशालय (डीजीटी) ने शिल्पकार प्रशिक्षण योजना के तहत 32 नए दौर के पाठ्यक्रम शुरू किए हैं, जिनमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता, साइबर सुरक्षा, एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग, इलेक्ट्रिक वाहन, सेमीकंडक्टर प्रौद्योगिकी, रोबोटिक्स, हरित हाइड्रोजन, ड्रोन, इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी), सौर ऊर्जा, 5जी और सॉफ्टवेयर परीक्षण जैसे क्षेत्र शामिल हैं। राज्य इन पाठ्यक्रमों को अपने आईटीआई में अपना सकते हैं, जो उनके प्रशासनिक और वित्तीय नियंत्रण के अधीन हैं। उन्नत कौशल विकास के लिए अंतरराष्ट्रीय साझेदारियां पीएम-सेतु के तहत कौशल विकास के लिए राष्ट्रीय उत्कृष्टता केन्द्रों की क्षमता को मजबूत करने और प्रशिक्षण को वैश्विक मानकों के अनुरूप बनाने के लिए अंतरराष्ट्रीय साझेदारियों का भी प्रावधान किया गया है। एनएसटीआई चेन्नई के लिए सिंगापुर, एनएसटीआई कानपुर के लिए फ्रांस और एनएसटीआई भुवनेश्वर के लिए ऑस्ट्रेलिया के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। वहीं, एनएसटीआई हैदराबाद के लिए जर्मनी के साथ संयुक्त आशय घोषणा (ज्वाइंट डिक्लेरेशन ऑफ इंटेंट) का आदान-प्रदान किया गया है। कौशल से रोजगार तक के मार्ग को मजबूत करना पीएम-सेतु आधुनिक बुनियादी ढांचे, उद्योग की भागीदारी और मांग-आधारित प्रशिक्षण के माध्यम से भारत के व्यावसायिक प्रशिक्षण तंत्र को मजबूत कर रहा है।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली
भोपाल, गुरूवार 12 नवम्बर 2026
www.rashtriyagarima.com

केदारनाथ दर्शन विवाद में सारा अली खान के समर्थन में उतरीं सोनिया बंसल



अभिनेत्री सारा अली खान के केदारनाथ मंदिर में दर्शन करने को लेकर उठे विवाद के बीच 'बिग बॉस 17' से चर्चा में आईं अभिनेत्री सोनिया बंसल उनके समर्थन में सामने आई हैं। सोनिया ने कहा कि किसी भी व्यक्ति की धार्मिक आस्था उसका निजी मामला है। हर इंसान को अपनी इच्छा के अनुसार किसी भी धार्मिक स्थल पर जाकर प्रार्थना करने और आशीर्वाद लेने की स्वतंत्रता होनी चाहिए। उन्होंने लोगों से धर्म के आधार पर किसी को परखने के बजाय प्रेम, इंसानियत और आपसी सम्मान को महत्व देने की अपील की।

सोनिया ने कहा कि सारा अली खान एक अच्छी अभिनेत्री हैं और हमेशा अपने दिल की सुनती हैं। वह कई बार केदारनाथ जा चुकी हैं। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि सारा फिल्म 'केदारनाथ' का हिस्सा रही हैं, जिसमें मंदिर की पृष्ठभूमि में आस्था, प्रेम और इंसानियत की कहानी दिखाई गई थी। सोनिया के मुताबिक, आशीर्वाद लेने जैसी निजी बात को विवाद का विषय बनाना समझ से परे है। सारा भी अन्य लोगों की तरह प्रार्थना और मानसिक शांति की इच्छा रखती हैं।सोनिया ने कहा कि समाज में लोग बहुत जल्दी हर बात को धर्म से जोड़ देते हैं। यह सोचने की जरूरत है कि हम अपने बच्चों को कैसा समाज देना चाहते हैं। उन्हें लोगों से प्रेम करना, उन्हें अपनाना और उनका सम्मान करना सिखाया जाना चाहिए, न कि सबसे पहले उनकी धार्मिक पहचान के आधार पर अंतर करना। उन्होंने कहा कि दुनिया आगे बढ़ रही है, लेकिन हम अब भी हिंदू और मुस्लिम पहचान को लेकर बहस में उलझे हुए हैं। समाज को इस सोच से आगे बढ़ने की जरूरत है।अभिनेत्री ने कहा कि मंदिर, मस्जिद और चर्च जैसे धार्मिक स्थल शांति, भक्ति और अपनापन महसूस करने की जगह हैं। यदि कोई मंदिर में सिर झुकाना चाहता है, मस्जिद में इबादत करना चाहता है या चर्च में जाकर सुकून पाना चाहता है, तो इसमें किसी को आपत्ति नहीं होनी चाहिए। प्रत्येक धार्मिक स्थल का सम्मान होना चाहिए और हर व्यक्ति को अपनी आस्था के अनुसार प्रार्थना करने की स्वतंत्रता मिलनी चाहिए।

सृष्टि सिंह का तमिल डेब्यू, बोलीं- दर्शना सिर्फ मां नहीं, एक इंडिपेंडेंट महिला है



अभिनेत्री सृष्टि सिंह आगामी तमिल मनोवैज्ञानिक थ्रिलर फिल्म जॉन डो से तमिल सिनेमा में अपना डेब्यू करने जा रही हैं। फिल्म में अभिनेत्री दर्शना नाम की लड़की का किरदार निभा रही हैं। सृष्टि ने बताया कि दर्शना का किरदार उन्हें इतना पसंद आया कि वह खुद को इस फिल्म को करने से रोक नहीं पाईं। अभिनेत्री ने कहा कि एक एक्टर के तौर पर वह खुद से अलग तरह का किरदार निभाना चाहती थीं और दर्शना का किरदार उनके लिए कुछ वैसा ही था। उन्होंने कहा, जब मैंने पहली बार स्क्रिप्ट पढ़ी और दर्शना को समझा, तो जाना कि वह असल जिंदगी में मुझसे बिल्कुल अलग है और यही बात मुझे सबसे पहले इस रोल की तरफ खींच लाई। एक एक्टर के तौर पर आप अलग-अलग किरदार निभाना चाहते हैं, खासकर ऐसे किरदार जो आपकी अपनी जिंदगी और हकीकत से बिल्कुल अलग हों। उन्होंने आगे कहा, यह किरदार मुझे इतना पसंद आया कि इसे निभाने की मेरी उत्सुकता और भी ज्यादा बढ़ गई। हालांकि, मेरे साथ पहले ऐसा कभी हुआ नहीं है। मुझे पता था कि दर्शना को समझने, उसके अनुभवों को अपनाने और इस किरदार को अपना बनाने के लिए मुझे एक पूरी प्रोसेस से गुजरना होगा, जो मेरे लिए काफी एक्साइटिंग रही।

अभिनेत्री सृष्टि सिंह ने अपने किरदार के बारे में बताते हुए कहा, हमारी इंडस्ट्री में कई बार एक्टर्स को उनके किरदारों के हिसाब से एक ही तरह के रोल में डाल दिया जाता है, लेकिन दर्शना एक ऐसी मां है, जिसने अपने जीवन में बहुत कुछ झेला है और अपने परिवार, पति और बच्चों से जुड़ी कई चुनौतियों से जूझ रही है। उसकी अपनी परेशानियां और अपने तजुर्बे हैं। सबसे अहम सवाल यह है कि वह उनसे कैसे बाहर निकलती है। मेरे लिए दर्शना एक इंडिपेंडेंट महिला थी, जिसकी अपनी एक जर्नी है। मैंने उसे सिर्फ एक मां के नजरिए से नहीं, बल्कि इसी नजरिए से समझने की कोशिश की।

दर्शना एक ऐसी महिला है, जिसने अपनी जिंदगी में बहुत कुछ खोया है (जितना कोई सोच भी नहीं सकता), लेकिन इन सब दुखों के बावजूद वह अपने परिवार के लिए एक मजबूत स्तंभ बनकर खड़ी रहती है। मधुमिता द्वारा निर्देशित फिल्म में सृष्टि सिंह के अलावा, जारा विनीत चंदोके और नीरव जैसे कलाकार भी इस फिल्म में महत्वपूर्ण भूमिकाओं में दिखाई देंगे।

'जेलर 2' की कमाई में 17वें दिन 70 प्रतिशत का उछाल, दुनियाभर में 800 करोड़ रुपये से बस थोड़ी दूर

सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म 'जेलर 2' बॉक्स ऑफिस पर लगातार शानदार प्रदर्शन कर रही है। फिल्म ने प्रदर्शन के 17वें दिन कमाई में जोरदार वापसी करते हुए पिछले दिन की तुलना में करीब 70 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की। इस दिन फिल्म ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 9.35 करोड़ रुपये का कारोबार किया। इसके साथ ही देश में इसकी कुल कमाई बढ़कर 444.75 करोड़ रुपये हो गई है।

दुनियाभर के बॉक्स ऑफिस पर भी फिल्म का प्रदर्शन मजबूत बना हुआ है। अब तक यह 790.85 करोड़ रुपये की कमाई कर चुकी है। इस तरह फिल्म 800 करोड़ रुपये के आंकड़े से महज कुछ कदम दूर रह गई है। आने वाले दिनों में इसके इस आंकड़े को पार करने की उम्मीद जताई जा रही है।फिल्म के 17वें दिन तमिल भाषा वाले संस्करण को सबसे अधिक दर्शक मिले। हालांकि हिंदी, तेलुगु और कन्नड़ संस्करणों को भी अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है।

भरोसा ही मेरा घमंड, जब वो टूट गया ना...: ईठा का धांसू ट्रेलर रिलीज, आखिर किसने तोड़ा विठाबाई नारायणगांवकर का विश्वास



स्त्री फ्रैंचाइजी के बाद श्रद्धा कपूर लक्ष्मण उतेकर के निर्देशन में बनी ईठा में नजर आने वाली हैं. मेकर्स ने इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया, जिसमें श्रद्धा कपूर मशहूर तमाशा और लावणी कलाकार विठाबाई भाऊ मांग नारायणगांवकर के किरदार में नजर आ रही हैं. दर्शकों की भारी भीड़ के सामने शानदार प्रदर्शन से लेकर दिल टूटने और निजी दुखों के पलों तक, यह ट्रेलर एक ऐसी कलाकार के जीवन के कई पहलुओं को दिखाता है, जिसकी पूरी जिंदगी उसकी कला के इर्द-गिर्द ही घूमती थी.

मेकर्स ने सोशल मीडिया पर ईठा का ट्रेलर अपलोड किया और फैंस को बताया, पर्दा उठ चुका है, तमाशा सज चुका है. ट्रेलर रिलीज हो गया है. ट्रेलर की शुरुआत श्रद्धा से होती है, जो पारंपरिक लावणी ड्रेस पहने मंच पर प्रस्तुति दे रही हैं और बड़ी संख्या में लोग उन्हें देख रहे हैं. इसमें दर्शकों के हाथों में रोशनी, भव्य मंच और लोक संगीत की धुन पर नाचतीं एक्ट्रेस के सीन दिखाई देते हैं.

प्रसिद्धि की झलक दिखाने के बाद ट्रेलर में ईठा की जिदंगी का वो सीन दिखाया जाता है, जहां वह पूरी तरह से टूट गई होती हैं. एक सीन में श्रद्धा का किरदार कहता है, तुम्हीं ने कहा था ना, देखते हैं क्या टूटता है, मेरा भरोसा या मेरा घमंड? मेरा भरोसा ही मेरा घमंड था रे, जब वो टूट गया ना सब टूट गया.डायलॉग से पता चलता है कि टूटे भरोसे ने उसे चकनाचूर कर दिया है.ट्रेलर में एक तरफ एक मशहूर कलाकार के रूप में उनकी सार्वजनिक छवि दिखाई गई है, तो दूसरी तरफ मंच से दूर उन्हें किन मुश्किलों का सामना करना पड़ता है. फिर उनके साथी एक बार फिर से खुद पर भरोसा करने के लिए प्रेरित करते हैं, ताकि वो एक बार फिर जिंदगी में उठ खड़ी हो. वे प्रेरित ईठा को प्रेरित करते हैं कि उनसे नाच के मुकाबले में तकदीर भी नहीं जीत सकती है. इसके बाद एक बहुत ही दमदार सीन आता है, जिसमें उन्हें उनके ही कहे शब्द याद दिलाए जाते हैं, पड़े-पड़े मरी को बेचारी कहलाऊंगी, पर नाचते हुए मरी तो मिशाल बन जाऊंगी.ट्रेलर में विठाबाई के परिवार और निजी रिश्तों की झलक भी देखने को मिलती है. रणदीप हुड्डा और मोहम्मद ज़ीशान अय्यूब भी कुछ पलों के लिए नजर आते हैं. एक सीन में, एक उद्घोषक उनका परिचय देते हुए कहता है, महाराष्ट्र की शान, लावणी का अभिमान, विठाबाई. इसके बाद श्रद्धा मंच के बीचों-बीच आती हैं और नर्तकों के एक समूह के साथ प्रदर्शन करती हैं, जबकि दर्शक उनका उत्साह बढ़ाते हैं.

मशहूर डायरेक्टर लक्ष्मण उटेकर ने ईठा को डायरेक्ट किया है. मैडॉक फ़िल्म्स और कठपुतली क्रिएशन्स के बैनर तले बनी इस फिल्म के प्रोड्यूसर दिनेश विजान, लक्ष्मण उटेकर और करिश्मा शर्मा हैं. अजय-अतुल ने फिल्म का म्यूजिक बनाया है.श्रद्धा कपूर ने विथाबाई भाऊ मांग नारायणगांवकर का रोल किया है, जो मशहूर मराठी तमाशा और लावणी आर्टिस्ट थीं, जिनकी जिंदगी से यह फिल्म इंस्पायर्ड है. कास्ट में रणदीप हुड्डा, मोहम्मद जीशान अय्यूब, अनंत जोशी, सिद्धार्थ जाधव, अक्षरा सिंह, उल्का गुप्ता और स्वर्गीय नाना पाटेकर भी हैं ।

फिल्म 'इट्लू अर्जुन' से अभिनय की दुनिया में कदम रखने जा रहे अनीश, 13 नवंबर को सिनेमाघरों में होगी रिलीज

नए कलाकार अनीश तेलुगु फिल्म 'इट्लू अर्जुन' के जरिए अभिनय की दुनिया में कदम रखने जा रहे हैं। फिल्म में अभिनेत्री अनस्वरा राजन मुख्य भूमिका में नजर आएंगी, जबकि इसका निर्देशन महेश उप्पाला कर रहे हैं। निर्माताओं ने हाल ही में फिल्म का नया पोस्टर जारी करते हुए इसकी प्रदर्शन तिथि की घोषणा की है। यह फिल्म 13 नवंबर 2026 को देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

फिल्म का निर्माण कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। नए पोस्टर के माध्यम से रिलीज की तारीख सामने आने के बाद दर्शकों के बीच इसे लेकर उत्सुकता बढ़ गई है। फिल्म में अनीश एक ऐसे युवक की भूमिका निभा रहे हैं, जो न तो बोल सकता है और न ही सुन सकता है। इस चुनौतीपूर्ण किरदार के जरिए वह अपनी अभिनय क्षमता दिखाने की कोशिश करेंगे।'इट्लू अर्जुन' का निर्माण जाने-माने फिल्म निर्माता वेंकी कुडुमुला अपने निर्माण संस्थान 'व्हाट नेक्स्ट एंटरटेनमेंट्स' के बैनर तले कर रहे हैं। फिल्म को अभिनेता नागार्जुन प्रस्तुत कर रहे हैं।

संजय मिश्रा की फिल्म तेरा साईं की रिलीज तारीख का ऐलान, 5 फरवरी 2027 को होगी रिलीज

अभिनेता संजय मिश्रा अब तक अपने फिल्मी करियर में गंभीर से लेकर हास्य तक कई तरह की भूमिकाएं निभा चुके हैं। अब वह पहली बार बड़े पर्दे पर साईं बाबा के किरदार में नजर आएंगे। उनकी आगामी फिल्म 'तेरा साईं' की रिलीज तारीख की आधिकारिक घोषणा कर दी गई है। यह फिल्म 5 फरवरी 2027 को सिनेमाघरों में प्रदर्शित होगी।



निर्माताओं ने सोशल मीडिया पर फिल्म का पहला पोस्टर जारी किया है। इसमें संजय मिश्रा साईं बाबा के रूप में दिखाई दे रहे हैं। पोस्टर में उनके आसपास कुछ अनुयायी भी नजर आ रहे हैं, जबकि एक छोटा बच्चा रोता हुआ दिखाई देता है। संजय मिश्रा का यह नया रूप दर्शकों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है।'तेरा साईं' की कहानी साईं बाबा के जीवन, उनकी शिक्षाओं और उनसे जुड़ी चमत्कारिक घटनाओं पर आधारित होगी। फिल्म का निर्देशन पलाश मुच्छल ने किया है, जबकि इसका निर्माण शैलेश एस. सांघवी के निर्माण संस्थान एस3 फिल्म्स के तहत किया गया है।फिल्म में संजय मिश्रा के अलावा सयाजी शिंदे, मनोज जोशी, ओंकार दास मानिकपुरी, अविका गौर और रोहन मेहरा भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म का वितरण सिनेपोलिस पूरे देश में करेगा।'तेरा साईं' को अखिल भारतीय स्तर पर प्रदर्शित करने की तैयारी है। यह फिल्म हिंदी, मराठी, तमिल और तेलुगु भाषाओं में 5 फरवरी 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। साईं बाबा के जीवन और संदेशों को बड़े पर्दे पर प्रस्तुत करने वाली इस फिल्म से दर्शकों को एक अलग तरह की सिनेमाई अनुभूति मिलने की उम्मीद है।

सूर्या की फिल्म 'सीन' का रोमांचक ट्रेलर जारी, 6 नवंबर को सिनेमाघरों में देगी दस्तक

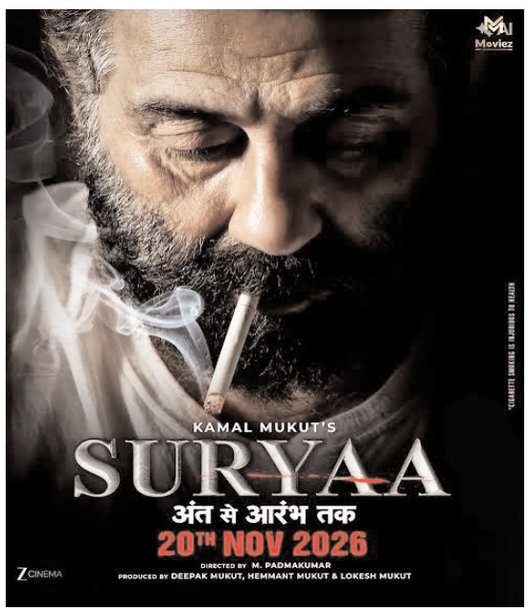

दक्षिण भारतीय फिल्मों के लोकप्रिय अभिनेता सूर्या की आगामी फिल्म 'सीन' का ट्रेलर जारी हो गया है। ट्रेलर सामने आते ही प्रशंसकों के बीच फिल्म को लेकर उत्सुकता बढ़ गई है। 'रोमांचम' और 'आवेशम' जैसी फिल्मों के लिए चर्चित निर्देशक जितु माधवन ने इस फिल्म को एक्शन, रहस्य और हास्य के मिश्रण के रूप में तैयार किया है। ट्रेलर में सूर्या का नया अंदाज और कहानी की दिलचस्प झलक देखने को मिल रही है।

फिल्म में सूर्या पुलिस अधिकारी 'इनबराज' की भूमिका निभा रहे हैं, जो अपनी नौकरी छोड़ने का फैसला करता है। उसके वरिष्ठ अधिकारी और सहकर्मी उसे वापस लाने की कई कोशिशें करते हैं, लेकिन वह अपने फैसले पर अडिग रहता है। इसी बीच उसकी जिंदगी में नया मोड़ आता है, जब अभिनेत्री नाज़रिया द्वारा निभाया गया 'माया' का किरदार घरेलू सहायिका के रूप में उसके जीवन में प्रवेश करता है।फिल्म की कहानी में मुख्य मोड़ तब आता है, जब पुलिस के सामने 'ईश्वरन' नाम के एक बेहद तेज दिमाग वाले व्यक्ति की चुनौती खड़ी होती है। ईश्वरन की भूमिका नास्लेन ने निभाई है। पुलिस को उसका मुकाबला करने के लिए एक योग्य अधिकारी की जरूरत पड़ती है।

अचानक से बदलने लगा मौसम का मिजाज? इन 5 तरीकों से खुद को रखें स्वस्थ

मौसम कभी भी अपना मिजाज बदल सकता है, खासकर अक्टूबर के महीने में, जब बारिश हो रही है और गर्मी-सर्दी पड़ रही है। इस दौरान अचानक से बारिश और ठंड बढ़ जाती है, जो स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक हो सकती है। ऐसे में खुद को इन बदलावों के लिए तैयार रखना जरूरी है। आइए आज हम आपको इसके लिए 5 आसान तरीके बताते हैं, जिन्हें अपनाकर आप खुद को स्वस्थ बनाए रख सकते हैं।



सही कपड़े पहनें

अचानक से हो रही बारिश और ठंड से बचने के लिए सही कपड़े पहनना सबसे जरूरी है। हल्के और पानी से बचाने वाले कपड़े चुनें, जैसे कि बरसाती या जैकेट।इसके अलावा ऊनी शॉल या स्कार्फ भी पहन सकते हैं, जो आपको गर्म रखेगा। सूती कपड़े भी अच्छे होते हैं, क्योंकि ये त्वचा को हवा लगने देते हैं और पसीना सोखते हैं।इसके साथ ही मोजे और टोपी भी पहनें, ताकि शरीर का तापमान संतुलित रहे।

छाता साथ रखें

जब मौसम खराब हो तो घर से बाहर निकलते समय छाता या बारिश से बचाने वाला रेनकोट साथ रखें। इससे आप बारिश से बच सकेंगे और गीले होने से बचेंगे।

अगर आप कहीं लंबी यात्रा कर रहे हैं तो बारिश से बचाने वाला बैग ज्यादा सुविधाजनक हो सकता है, क्योंकि इसे ले जाना आसान होता है और इसमें आपके सभी सामान भी सुरक्षित रह सकते हैं।

छाते आपके लिए उपयोगी हो सकते हैं।

स्वास्थ्य का रखें ध्यान

बारिश के मौसम में ठंड अधिक रहती है, इसलिए खुद को गर्म रखने के साथ-साथ अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना भी जरूरी है। इसके लिए पानी पीते रहें, विटामिन-ष्ट वाले फलों का सेवन करें और नियमित रूप से हाथ धोएं।

इसके अलावा ताजे फलों और सब्जियों का सेवन करें। अगर आप बीमार महसूस कर रहे हैं तो डॉक्टर से संपर्क करें और खुद को आराम दें।

ठंड से बचने के लिए गर्म पानी से नहाएं।

घर के अंदर रहें

अगर मौसम बिगड़ रहा हो और बाहर जाना जरूरी न हो तो घर पर रहना ही बेहतर है। इससे आप बारिश और ठंड से सुरक्षित रहेंगे।घर पर रहकर आप अपने काम भी आसानी से कर सकते हैं। इसके अलावा घर पर रहकर आप अपने परिवार संग समय बिता सकते हैं और उनके साथ सुरक्षित महसूस कर सकते हैं।

घर पर रहकर आप अपनी सेहत का भी ध्यान रख सकते हैं और बीमारियों से बचे रह सकते हैं।

मौसम की जांच करें

आधुनिक तकनीक की मदद से मौसम की जानकारी पाना बहुत आसान हो गया है। अपने फोन पर मौसम की जानकारी देने वाले ऐप्स डाउनलोड करें या टीवी/रेडियो पर मौसम की खबरें सुनें।इससे आपको पता रहेगा कि कब बारिश होनी है और कब नहीं, जिससे आप खुद को बेहतर तरीके से तैयार कर सकेंगे। इस तरह आप इन 5 तरीकों से बदलते मौसम से निपट सकते हैं और अपने स्वास्थ्य का ध्यान रख सकते हैं।

ज्यादा खाने के बाद पाचन स्वास्थ्य को आराम देने के लिए अपनाएं ये सुझाव

कई लोग एक दिन में ज्यादा खाने के बाद असहज महसूस करते हैं और उनके पाचन पर भी असर पड़ता है। ज्यादा खाना पाचन प्रक्रिया को प्रभावित कर सकता है और इससे बचाव के लिए खुद को नियंत्रित करना चाहिए। इससे न केवल आपका मनोबल बढ़ेगा, बल्कि आप फिर से सही दिशा में कदम उठाने के लिए प्रेरित होंगे। आइए जानते हैं कि ज्यादा खाने के बाद पाचन को कैसे बहाल किया जा सकता है।



हल्का-फुल्का व्यायाम करें

ज्यादा खाने के बाद हल्का-फुल्का व्यायाम करना बेहतर होता है। इससे आपका पाचन तंत्र सक्रिय हो सकता है और अतिरिक्त कैलोरी जल सकती हैं।

आप टहल सकते हैं या फिर कुछ हल्के खिंचाव वाले व्यायाम कर सकते हैं। इससे आपका शरीर सक्रिय रहेगा और आपको आराम महसूस होगा।इसके अलावा हल्के व्यायाम से आपका मन भी अच्छा रहेगा और आप फिर से सही दिशा में कदम उठाने के लिए प्रेरित होंगे।

पानी अधिक पिएं

ज्यादा खाने के बाद पानी पीना बहुत जरूरी है। पानी पीने से आपके शरीर से हानिकारक तत्व बाहर निकलते हैं और पाचन प्रक्रिया को आराम मिलता है।

आप नारियल पानी या नींबू पानी भी पी सकते हैं, जो आपके शरीर को पोषण देता है और पानी की कमी नहीं होने देता। इसके अलावा पानी पीने से आपको ऊर्जा मिलती है और आप तरोताजा महसूस करते हैं।यह आपके शरीर को ठंडक भी पहुंचाता है।

हल्का भोजन करें

ज्यादा खाने के बाद अगले दिन हल्का भोजन करना बेहतर होता है। आप दही, खिचड़ी या सूप जैसी चीजें खा सकते हैं, जो आसानी से पच जाती हैं और आपके शरीर को पोषण देती हैं।इससे आपका पाचन तंत्र भी आराम करेगा और आपको भारीपन महसूस नहीं होगा। हल्का भोजन खाने से आप तरोताजा महसूस करेंगे और शरीर को ऊर्जा मिलेगी।

इसके अलावा हल्का भोजन आपके शरीर को हानिकारक तत्वों से मुक्त करने में मदद करेगा।

आराम करें

ज्यादा खाने के बाद आराम करना बहुत जरूरी है। इससे आपका शरीर फिर से ऊर्जा प्राप्त कर सकता है और मानसिक शांति भी मिलती है।आप सो सकते हैं या फिर कुछ देर के लिए चुपचाप बैठ सकते हैं और गहरी सांस ले सकते हैं, जिससे आपका मन शांत रहेगा और आप तरोताजा महसूस करेंगे।

आराम करने से आपके शरीर को ऊर्जा मिलेगी और आप फिर से सक्रिय होने के लिए प्रेरित होंगे।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली

बुल्गारिया में जीरो विजिबिलिटी के चलते 50 से ज्यादा गाड़ियां टकराईं, 12 की मौत

हाईवे की सड़क पर बिछ गई लाशें, गाड़ियां बुरी तरह पिचक गई थीं, देखने वाले के उड़े होश



बुल्गारिया। बुल्गारिया के त्राकिया हाईवे पर घने कोहरे के कारण एक बहुत बड़ा और भयानक सड़क हादसा हो गया। सुबह के वक्त जीरो विजिबिलिटी के चलते 50 से ज्यादा गाड़ियां आपस में बुरी तरह टकरा गईं, जिससे कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई और दर्जनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इस भीषण हादसे के बाद सामने आए ड्रोन फुटेज देखकर बचाव दल के भी होश उड़ गए, जहां हाईवे की सड़क किसी कब्रिस्तान जैसी लग रही थी और गाड़ियां बुरी तरह पिचक गई थीं। यह भयानक हादसा बुल्गारिया की राजधानी सोफिया को पूर्वी शहर बर्गास से जोड़ने वाले त्राकिया हाईवे पर हुआ है। हादसे की सूचना मिलते ही जब प्रशासनिक अधिकारी और आपातकालीन सेवाएं मौके पर पहुंचीं, तो कोहरे की वजह से स्थिति का सही अंदाजा लगाना मुश्किल हो रहा था। इसके बाद जब आसमान में ड्रोन उड़ाकर इलाके की निगरानी की गई, तो ड्रोन फुटेज ने तबाही का भयावह मंजर दिखाया। फुटेज में हाईवे का एक बड़ा हिस्सा किसी कबाड़खाने या कब्रिस्तान जैसा नजर आ रहा था, जहां दूर-दूर तक केवल मुड़ी हुई कारें, पलटे हुए ट्रक और बिखरा हुआ मलबा ही दिखाई दे रहा था। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कई छोटी कारें बड़े ट्रकों के नीचे आकर पूरी तरह पिचक गई थीं। गाड़ियों के दरवाजे और छतें इस तरह मुड़ गई थीं कि अंदर बैठे लोगों को बाहर निकालने के लिए कटर का इस्तेमाल करना पड़ रहा था। दुर्घटना के तुरंत बाद कुछ वाहनों में आग लग गई, जिससे धुएं के गुबार और घने कोहरे ने मिलकर बचाव अभियान में बड़ी बाधा खड़ी कर दी। बुल्गारिया के याम्बोल क्षेत्र के पास हुए इस हादसे की सबसे प्राथमिक वजह 'जीरो विजिबिलिटी' यानी बिल्कुल न के बराबर दिखाई देना बताया जा रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों और स्थानीय पुलिस के मुताबिक हाईवे पर सुबह अचानक घने कोहरे की चादर बिछ गई थी। हाईवे पर आगे चल रहे एक वाहन ने कोहरे के कारण अचानक ब्रेक लगाया और पीछे से आ रही गाड़ियों की रफ्तार इतनी तेज थी कि चालकों को संभलने का मौका ही नहीं मिला। एक कार के टकराने के बाद पीछे से आ रहे भारी ट्रक और अन्य वाहन ताश के पत्तों की तरह एक-दूसरे से भिड़ते चले गए, जिससे चेन रिएक्शन से तबाही मच गई। हादसे के बाद बुल्गारियाई सरकार ने तुरंत बड़े पैमाने पर राहत अभियान की शुरुआत की है। याम्बोल और आसपास के इलाकों से दमकल की गाड़ियां, दर्जनों एम्बुलेंस और विशेष रेस्क्यू स्क्वॉड को मौके पर भेजा गया है। करीब 48 से अधिक घायलों को निकालकर नजदीकी क्षेत्रीय अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जिनमें से कई की हालत बेहद गंभीर बनी हुई है।



चिली में विरोध प्रदर्शन के दौरान एक ट्रक ड्राइवर चिली का झंडा उठाये हुए।

पीओके में बुनियादी सुविधाओं की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन तेज, मुनीर को लिखा पत्र

सैन्य कार्रवाई रोकने, सेना को हटाने और प्रदर्शन में मारे गए लोगों को न्याय देने की मांग

क्वेटा। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में अपने हक और बुनियादी सुविधाओं की मांग को लेकर जारी विरोध प्रदर्शन तेज हो रहे हैं। बिगड़ते हालात के बीच जम्मू कश्मीर जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी ने सीधे पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर को पत्र लिखकर जवाब मांगा है। संगठन ने सैन्य कार्रवाई तुरंत रोकने, इलाके से सुरक्षा बलों को हटाने और प्रदर्शन के दौरान मारे गए लोगों को न्याय देने की मांग की है। कमेटी का दावा है कि जून 2026 में आंदोलन शुरू होने के बाद से अब तक 150 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। कमेटी ने पाकिस्तानी सुरक्षा बलों पर प्रदर्शनकारियों के खिलाफ जरूरत से ज्यादा ताकत इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे लोगों पर भारी हथियारों और ड्रोन तक का इस्तेमाल किया गया। संगठन ने पाकिस्तान के राजनीतिक और सैन्य नेतृत्व से अपील की है कि ताकत के इस्तेमाल के बजाय बातचीत का रास्ता अपनाया जाए। जानकारों के मुताबिक कमेटी ने चेतावनी दी है कि अगर लोगों की मांगों को दबाने के लिए कार्रवाई जारी रही, तो शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक आंदोलन का रास्ता भी बदल सकता है। संगठन ने अपने आंदोलन को आतंकवाद से जोड़ने की कोशिशों को भी खारिज किया है। उसका कहना है कि उसकी मांगें राजनीतिक अधिकारों, सरकारी जवाबदेही और लोकतांत्रिक आजादी से जुड़ी हैं। असीम मुनीर को लिखी गई चिट्ठी से कुछ दिन पहले रावलाकोट में भी हिंसा हुई थी, जिसमें कम से कम सात लोगों की मौत और करीब 23 लोगों के घायल होने की खबर आई थी। पीओके में विरोध प्रदर्शन जून 2026 से लगातार तेज हो रहे हैं। प्रदर्शनकारी बिजली और गेहूं की कीमतों में राहत चाहते हैं, इसके अलावा बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा, रोजगार के अवसर और क्षेत्र को ज्यादा राजनीतिक अधिकार देने की मांग भी कर रहे हैं।

बांग्लादेश में हिंसक प्रदर्शन तेज, उपद्रवियों ने बसों और ट्रेन के कोच में लगाई आग

ढाका। बांग्लादेश में हिंसक प्रदर्शन तेज हो गए हैं। सोमवार रात से मंगलवार दोपहर तक देश के करीब 21 जिलों में आगजनी की घटनाएं सामने आईं। बसों और ट्रेन के कोच में आग लगाई गई। सरकारी दफ्तरों और शिक्षण संस्थानों के गेट बंद कर दिए गए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सोमवार देर रात फरीदपुर शहर के गोलाचामट इलाके में एक बस को आग लगा दी गई। पुलिस के मुताबिक बाइक पर तीन लोग आए थे। इनमें से एक ने बस पर पेट्रोल डाला और आग लगा दी। घटना के समय बस ड्राइवर मोहम्मद कलाचन अंदर सो रहे थे। आग लगने के बाद वे वहां से कूद कर भागे, लेकिन धुएं से उनकी तबीयत बिगड़ गई। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस को शक है कि हिंसा करने वाले प्रदर्शनकारियों का संबंध पूर्व पीएम शेख हसीना की पार्टी बांग्लादेश अवामी लीग से है। पुलिस के मुताबिक हसीना की बांग्लादेश वापसी की घोषणा के बाद ही हिंसक गतिविधियों में इजाफा हुआ है। हालांकि अधिकारियों का कहना है कि जांच अभी शुरुआती दौर में है। वहीं अवामी लीग ने पुलिस के आरोपों को खारिज किया है। पार्टी के प्रवक्ता मोहम्मद अली आराफात ने दावा किया कि विरोधी गुट पार्टी को बदनाम करने और हमलों का आरोप उस पर डालने के लिए ये घटनाएं करवा रहे हैं।

ब्रिटेन से अमेरिकी सैन्य विमानों की रातों-रात वापसी

वॉशिंगटन।ब्रिटेन के आरएएफ मिल्डेनहॉल एयरबेस से अमेरिकी फाइटर जेट्स और सैन्य हथियारों को रातों-रात सुरक्षित ठिकानों पर शिफ्ट कर दिया गया है। अमेरिकी रक्षा मुख्यालय में हड़कंप मचाने वाली ईरान से मिली एक खतरनाक खुफिया रिपोर्ट के बाद यह कदम उठाया गया। इस रिपोर्ट में ईरान की ओर से संभावित और गंभीर खतरे का इनपुट मिला था। हालांकि अमेरिकी अधिकारी अभी भी इस खतरे की तीव्रता का आकलन कर रहे हैं, लेकिन सुरक्षा को जोखिम में न लेते हुए विमानों को तुरंत हटाना ही बेहतर समझा गया। आमतौर पर अमेरिका ऐसे एहतियाती कदम तभी उठाता है जब उसे अपनी खुफिया एजेंसियों से किसी बड़े हमले का पुख्ता अंदेशा मिलता है।

पीओके में पाकिस्तानी बर्बरता: यूके में कश्मीरियों ने किया व्यापक विरोध प्रदर्शन

लंदन। यूनाइटेड किंगडम में ब्रिटिश कश्मीरियों ने हाल ही में पाकिस्तानी राजनयिक मिशनों के बाहर व्यापक विरोध प्रदर्शन किए, जिसमें पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के रावलकोट और अन्य क्षेत्रों में पाकिस्तानी बलों द्वारा लोगों पर की जा रही क्रूर कार्रवाई को तत्काल रोकने की मांग की गई। लंदन, मैनचेस्टर, ब्रैडफोर्ड और बर्मिंघम सहित विभिन्न शहरों में हुए ये प्रदर्शन, उन भयावह रिपोर्टों के बाद सामने आए हैं जिसमें बताया गया है कि हाल के दिनों में पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर गोलीबारी की और ड्रोन हमले किए। इन घटनाओं में महिलाओं और बच्चों सहित कई निर्दोष नागरिक मारे गए हैं, जबकि दर्जनों अन्य गंभीर रूप से घायल हुए हैं। इस बर्बरता के बीच, जॉइंट अवामी एक्शन कमिटी के नेतृत्व में ब्रिटिश कश्मीरी समुदाय के प्रतिनिधिमंडल ने पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को तत्काल ज्ञापन सौंपा है। इस ज्ञापन में नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने, चिकित्सा और मानवीय सहायता पहुंचाने, सबूतों को सुरक्षित रखने और पीओके में सीधी बातचीत फिर से शुरू करने की मांग हुई है। ज्ञापन में हस्ताक्षरकर्ताओं ने हालिया सुरक्षा अभियानों के दौरान हुई नई मौतों और घायलों का हवाला देकर मौजूदा हालात में तत्काल मानवीय हस्तक्षेप की जरुरत को बताया है। उन्होंने चेतावनी दी कि इसमें देरी से नागरिकों को और अधिक नुकसान होगा, अलगाव की भावना बढ़ेगी, कानून-व्यवस्था बिगड़ेगी और शांतिपूर्ण बातचीत की संभावना समाप्त होगी। पाकिस्तानी सरकार से स्वतंत्र जांच, जानकारी की कमी को दूर करने और दुर्व्यवहार के गंभीर आरोपों की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने की मांग उठी है। साथ ही, कब्जे वाले इलाके में बिगड़ती मानवाधिकार स्थिति को लेकर संयुक्त राष्ट्र (यूएन) की छह विशेष प्रक्रियाओं द्वारा उठाई गई चिंताओं का जवाब देने का आह्वान किया गया है।

पाकिस्तान के मित्र तुर्की को भाया भारत का ब्रह्मोस

अंताल्या। वैश्विक रक्षा बाजार में भारत-रूस की साझा तकनीक से विकसित सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल ब्रह्मोस का दबदबा लगातार बढ़ रहा है। अपनी अचूक मारक क्षमता और असाधारण गति के लिए विख्यात इस मिसाइल ने एक ऐसे देश का ध्यान खींचा है, जो पाकिस्तान का गहरा रक्षा भागीदार है। हैरानी की बात यह है कि पाकिस्तान को हथियार बेचने वाला तुर्की अब खुद भारत के इस ब्रह्मास्त्र का मुरीद हो गया है। तुर्की के रक्षा विशेषज्ञ और मीडिया इस मिसाइल की ताकत के कसीदे पढ़ रहे हैं। नाटो का सदस्य और अमेरिका के परमाणु सुरक्षा घेरे में आने वाला तुर्की, भारत के पड़ोसी और कट्टर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान का सबसे बड़ा रक्षा साझीदार भी है। पाकिस्तान को लड़ाकू ड्रोन, युद्धपोत और अत्याधुनिक हथियार मुहैया कराने वाला तुर्की अब भारत की ब्रह्मोस-एनजी मिसाइल में गहन रुचि दिखा रहा है। अक्टूबर के अंत और नवंबर 2026 की शुरुआत में, तुर्की के प्रमुख रक्षा पोर्टलों पर ब्रह्मोस की मारक क्षमता और इसके परीक्षणों को लेकर विस्तृत रिपोर्टें प्रकाशित हुई हैं। ब्रह्मोस मैक 3 से मैक 3.5 से भी अधिक की रफ्तार से दुश्मन के ठिकानों को तबाह करने में सक्षम है, जो इसे दुनिया की सबसे तेज क्रूज मिसाइलों में से एक बनाती है।

मेरी हरकतों से बच्चों को चोट पहुंची, मैंने जो किया, उसका कोई बहाना नहीं



जेनसन ने ईमेल भेजकर गलती मानी और परिवार और कर्मचारियों से मांगी माफी

सिंगापुर। दुनिया की सबसे बड़ी टेक कंपनियों में शामिल एनविडिया के सीईओ जेनसन हुआंग एक ऐसे विवाद में घिर गए हैं, जिसमें प्यार, जासूसी और अरबों डॉलर के कारोबार का कनेक्शन सामने आया है। आरोप है कि चीन की खुफिया एजेंसी ने एक महिला जासूस को हुआंग के करीब पहुंचाया था, ताकि उनसे और उनकी कंपनी से जुड़ी जानकारियां जुटाई जा सकें। कथित तौर पर एनविडिया की एडवांस एआई चिप्स चीन तक पहुंचाने की कोशिशों के लिए ऐसा किया गया। अब इस पूरे मामले में नया मोड़ आ गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 63 साल के जेनसन हुआंग ने अपनी पत्नी के प्रति बेवफाई की बात स्वीकार की है। उन्होंने कंपनी के कर्मचारियों को ईमेल भेजकर अपनी गलती मानी और परिवार से माफी मांगी। दूसरी तरफ एनविडिया के बोर्ड ने भी इस पूरे मामले की स्वतंत्र जांच शुरू कर दी है। यह मामला इसलिए गंभीर माना जा रहा है, क्योंकि एनविडिया दुनिया के सबसे आधुनिक एआई चिप्स बनाने वाली कंपनी है। एआई की दुनिया में इन चिप्स के बिना कुछ नहीं हो सकता। कंपनी की वैल्यूएशन करीब 4.5 ट्रिलियन डॉलर बताई गई है। ऐसे में उसके सीईओ के किसी कथित विदेशी जासूसी नेटवर्क के निशाने पर होने की खबर ने अमेरिकी सुरक्षा एजेंसियों से लेकर टेक जगत तक हलचल मचा दी है। इस खबर के आने के बाद कंपनी के शेयरों में गिरावट आई। इस पूरे विवाद के केंद्र में एलिस हुआंग नाम की चीनी महिला है, जिसे हुआंग ले के नाम से भी जाना जाता है। वह सिंगापुर की कंपनी मेगास्पीड की पूर्व वरिष्ठ अधिकारी रह चुकी है। यह कंपनी डेटा सेंटर और एआई कंप्यूटिंग से जुड़े कारोबार में काम करती थी और एनविडिया की बड़ी ग्राहकों में शामिल थी। खास बात यह है कि एलिस का एनविडिया सीईओ जेनसन हुआंग से कोई पारिवारिक रिश्ता नहीं है। रिपोर्ट्स के मुताबिक एलिस पहले चीन में टीवी रिपोर्टर के तौर पर काम करती थीं, और बाद में बैंकिंग और फाइनेंस सेक्टर में भी काम किया। अमेरिकी खुफिया एजेंसियों के मुताबिक जून 2024 में दोनों की एक तस्वीर सामने आई थी, जिसमें एलिस ताइपे के एक बार में जेनसन हुआंग के बगल में बैठी दिखाई दी थीं। इसी दौरान मेगास्पीड ने एनविडिया से अरबों डॉलर के एडवांस एआई चिप्स खरीदने शुरू किए थे। मई 2025 में भी एलिस को ताइपेई के एक रेस्टोरेंट के बाहर जेनसन हुआंग के पीछे खड़े देखा गया था। अमेरिकी खुफिया एजेंसियों ने एक गोपनीय मेमो तैयार किया था, जिसमें दावा किया गया कि चीन की खुफिया एजेंसी मिनिस्ट्री ऑफ स्टेट सिक्योरिटी ने एलिस हुआंग को भर्ती किया था। उनका काम एनविडिया के सीईओ से जुड़ी जानकारी जुटाना और जरूरत पड़ने पर कंपनी की चीन संबंधी कारोबारी नीति को प्रभावित करना हो सकता था।

पोप लियो की प्रार्थना सभा में दिखा आस्था का जनसैलाब

ब्यूनस आयर्स। अर्जेंटीना की राजधानी ब्यूनसआयर्स में पोप लियो की प्रार्थना सभा में श्रद्धालुओं खासा जमावड़ा नजर आया। सभा में करीब 25 लाख लोगों के शामिल होने का दावा किया गया है। बड़ी संख्या में श्रद्धालु एक रात पहले से ही आयोजन स्थल और आसपास की सड़कों पर पहुंच गए थे। सुबह होते-होते पूरा क्षेत्र लोगों से भर गया और हर तरफ धार्मिक उत्साह का माहौल नजर आया। यह पहला अवसर नहीं है जब इतने श्रद्धालु प्रार्थना में पहुंचे थे, इससे पहले जून में भी पोप के स्पेन दौरे पर करीब 12 लाख लोग एकत्र हुए थे। यहां बताते चलें कि 71 वर्षीय पोप लियो इन दिनों दक्षिण अमेरिका के 12 दिवसीय दौरे पर हैं। इसी दौरान प्रार्थना सभा में शामिल होने के लिए विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग पहुंचे थे। कई श्रद्धालु रातभर सड़कों पर रहे और सुबह सभा शुरू होने का इंतजार करते रहे। सुरक्षा और भीड़ को नियंत्रित करने के लिए प्रशासन की ओर से व्यापक इंतजाम किए गए थे। सभा के दौरान पोप लियो ने श्रद्धालुओं के साथ प्रार्थना की और शांति, एकता तथा मानवता का संदेश दिया।

संक्षिप्त समाचार

लाइबेरियाई तेल टैंकर पर मिसाइल हमला, भारतीय चालक दल सुरक्षित

लाइबेरिया। मध्य पूर्व और फारस की खाड़ी के रणनीतिक समुद्री मार्गों पर फिर सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा हुई हैं। हाल ही में लाइबेरिया के ध्वज वाले विशाल कच्चे तेल के पोत (वीएलसीसी) एमटी फुजैराह एनर्जी पर मिसाइल (प्रक्षेपास्त्र) से हमला हुआ है। केंद्रीय पोत परिवहन मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने घटना की जानकारी देकर बताया कि हमले के समय जहाज पर कुल छह भारतीय नागरिक चालक दल के सदस्य के रूप में सवार थे। केंद्रीय पोत परिवहन मंत्री ने बताया कि यह हमला 10 नवंबर को तब हुआ, जब एमटी फुजैराह एनर्जी अल रुवैस से दुबई की ओर जा रहा था। इस खतरनाक हमले में चालक दल के चार सदस्य घायल हुए, जिसमें एक भारतीय नागरिक भी शामिल है। भारतीय नाविक को मामूली चोटें आई हैं और आगे की चिकित्सकीय जांच के लिए सुरक्षित तट पर पहुंचा गया है। केंद्रीय मंत्री ने आश्वस्त किया कि पांच अन्य भारतीयों सहित चालक दल के शेष सभी 18 सदस्य सुरक्षित हैं और उनका पता लगा लिया गया है। केंद्रीय मंत्री सोनोवाल ने बताया कि मंत्रालय स्थिति पर लगातार नजर रखे हुए है और अपने नाविकों की सुरक्षा, चिकित्सा देखभाल और कुशलक्षेम सुनिश्चित करने के लिए जहाज का प्रबंधन करने वाली कंपनी के साथ निरंतर संपर्क में है। यह घटना फारस की खाड़ी और आसपास के समुद्री मार्गों, जो वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति की सबसे महत्वपूर्ण धमनियों में से हैं, में सुरक्षा चुनौतियों को उजागर करती है। हाल के वर्षों में इस क्षेत्र में जहाजों पर हुए इसतरह के हमलों ने कमर्शियल शिपिंग और नाविकों के जीवन पर गंभीर संकट खड़ा किया है।

फ्रांस के सुपरमार्केट के फ्रिज और ब्लड बैंकों के कोल्ड स्टोरेज सिस्टम हैक

पेरिस। फ्रांस ने ईरान की सैन्य साइबर यूनिट पर गंभीर आरोप लगाया है। दावा है कि इस यूनिट ने फ्रांस के सुपरमार्केट के फ्रिज और ब्लड बैंकों के कोल्ड स्टोरेज सिस्टम को निशाना बनाया, जिससे पूरे यूरोप में हड़कंप मच गया है। कुछ समय पहले फ्रांस में करीब सात सौ सुपरमार्केट और मॉल की दुकानों में रखा टनों खाना खराब हो गया था। रात के समय किसी ने उनके फ्रिज और फ्रीज़रों के तापमान को बाहरी नियंत्रण से 50 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ा दिया था, जिससे सब्जियां, मांस, दूध और आइसक्रीम सब खराब हो गए और कई फ्रिजों में आग भी लग गई। हमलावरों ने इंटरनेट से जुड़े कंट्रोल सिस्टम को हैक किया था, जो ऐप्स के जरिए तापमान नियंत्रित करते हैं। इस घटना से करोड़ों का नुकसान हुआ था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस घटना के कुछ दिनों बाद, इसी तरह का एक और हमला हुआ, जिसमें ब्लड बैंकों के कोल्ड स्टोरेज का तापमान हैकरों ने बढ़ा दिया। शुरुआत में किसी ने इन हमलों की जिम्मेदारी नहीं ली, लेकिन अब फ्रांस ने शहीद कावेह पर आरोप लगाया है। शहीद कावेह ईरान की आईआरजीसी सेना की साइबर हमले करने वाली एक यूनिट है। इसका नाम ईरान-इराक युद्ध में शहीद हुए सैन्य कमांडर महमूद कावेह के नाम पर रखा गया है। ईरान ने इन आरोपों को बेबुनियाद और गलत बताया है, लेकिन फ्रांस की जांच में हमले के सिस्टम में फारसी भाषा के इस्तेमाल के निशान मिलने का दावा किया जा रहा है। जानकारों के मुताबिक जिन कंप्यूटरों से हमला होने का शक है, उनके आईपी एड्रेस ईरान के निकले हैं, जो हमले के स्रोत की ओर इशारा करते हैं। साथ ही कंप्यूटर प्रोग्राम में मिली फारसी भाषा की छाप पहले भी शहीद कावेह द्वारा किए गए हमलों में पाई गई थी। फ्रांस का मानना है कि यह ईरान की रणनीति का हिस्सा है, जिसमें वह अपने विरोधियों को सस्ते हमलों से परेशान कर रहा है। ईरान पहले भी कम लागत वाले ड्रोन हमलों से अमेरिका के महंगे मिसाइल रक्षा प्रणालियों को चुनौती दे चुका है।

तुर्किये में सीओपी 31 : जलवायु संकट पर वैश्विक निर्णायक पल

अंकारा। तुर्किया में संयुक्त राष्ट्र का जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (सीओपी 31) औपचारिक रूप से शुरू हो गया है, जिसमें विश्व के नेता ग्लोबल वार्मिंग को रोकने के लिए ठोस कदम उठाने पर सहमति बनाने का प्रयास कर रहे है। यह महत्वपूर्ण बैठक तब हो रही है जब पिछले एक साल में दुनिया के कई हिस्सों में भीषण बाढ़, लू और अन्य जलवायु-संबंधी आपदाओं ने भारी तबाही मचाई है, जो तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता को रेखांकित करती है। हालांकि, सम्मेलन से क्या परिणाम निकलते और लिए गए निर्णयों का कितना क्रियान्वयन होगा, इस पर संदेह बना हुआ है। इससे पहले के जलवायु सम्मेलनों में भी बड़े वादे किए गए थे, लेकिन उन पर अपेक्षित प्रगति नहीं हो पाई। पिछले वर्ष दुबई में सीओपी 28 में जीवाश्म ईंधनों से धीरे-धीरे दूरी बनाने पर सहमति बनी थी, जो जलवायु परिवर्तन का प्रमुख कारण हैं। हालांकि, इसके बाद अजरबैजान और ब्राजील में हुए सम्मेलनों में उत्सर्जन कटौती पर कोई ठोस सहमति नहीं बन सकी। पिछले साल ब्राजील में एक समझौता हुआ था जिसके तहत जलवायु परिवर्तन से सबसे अधिक प्रभावित देशों को अतिरिक्त आर्थिक सहायता देने का वादा किया गया था। इस साल तुर्किये की मेजबानी में हो रहे सम्मेलन में 2015 के पेरिस समझौते के प्रमुख लक्ष्य, यानी धरती के औसत तापमान को औद्योगिक क्रांति-पूर्व स्तरों की तुलना में 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि यदि वर्तमान दर से उत्सर्जन जारी रहा, तो यह लक्ष्य हासिल करना असंभव हो सकता है। ऑस्ट्रेलिया इस वार्ता का नेतृत्व कर रहा है, और चुनौती जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए पर्याप्त तेजी से आवश्यक कदम उठाना है। वैश्विक ऊर्जा परिदृश्य भी जटिलताओं से घिरा है। ईरान में जारी युद्ध के कारण पेट्रोल और अन्य पेट्रोलियम-आधारित उत्पादों की कीमतों में वृद्धि हुई है, जिससे विभिन्न देशों को अपनी ऊर्जा नीतियों पर फिर से विचार करने और पवन व सौर ऊर्जा जैसे नवीकरणीय स्रोतों में निवेश बढ़ाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

इजरायली में घमासान : नेतन्याहू और आइजनकोट आमने-सामने

तेलअवीव। इजरायल की राजनीति में इन दिनों सत्ता को लेकर जबरदस्त खींचतान चल रही है, जिसने नई संसद के पहले ही सत्र में माहौल गरमा दिया है। एक तरफ लंबे समय से प्रधानमंत्री पद पर काबिज बेंजामिन नेतन्याहू हैं, तो दूसरी तरफ उनके खिलाफ गादी आइजनकोट मजबूत राजनीतिक मोर्चाबंदी कर रहे हैं। 10 नवंबर को नई संसद के पहले सत्र में प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने राष्ट्रीय एकता सरकार बनाने की अपील की। अपने संबोधन में उन्होंने ईरान के परमाणु कार्यक्रम को इजरायल के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक बताया। नेतन्याहू का मानना था कि भविष्य में अंतरराष्ट्रीय दबाव बढ़ सकता है और इजरायल को परमाणु हथियार संपन्न ईरान की स्थिति स्वीकार करने के लिए मजबूर किया जा सकता है। इस गंभीर खतरे से निपटने के लिए उन्होंने देश की सभी राजनीतिक ताकतों को एक साथ आने का आह्वान किया। नेतन्याहू के सामने सबसे बड़ी चुनौती के रूप में गादी आइजनकोट उभरे हैं, जिन्होंने हाल के चुनावों में अच्छा प्रदर्शन किया है। आइजनकोट ने प्रधानमंत्री के भाषण को भ्रमित करने वाला, विभाजनकारी और शर्मनाक बताया और यहां तक कह दिया कि नेतन्याहू को अब एक मिनट भी प्रधानमंत्री पद पर नहीं रहना चाहिए। आइजनकोट की मांग है कि देश में आपातकालीन सरकार बनाई जाए और नेतन्याहू को सत्ता से हटाया जाए। उनका आरोप है कि प्रधानमंत्री राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे का इस्तेमाल देश को एकजुट करने के बजाय बांटने के लिए कर रहे हैं। इजरायली राजनीति के केंद्र में अब 7 अक्टूबर 2023 को हमास के हमले के दौरान हुई सुरक्षा चूक की जांच के लिए आयोग का गठन और नेतन्याहू का विवादित न्यायिक सुधार जैसे बड़े मुद्दे हैं।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली
भोपाल, गुरूवार 12 नवम्बर 2026
www.rashtriyagarima.com

नोस्कोवा डब्ल्यूटीए फाइनल्स में गॉफ को हराकर सेमीफाइनल में पहुंची



इंडियन वेल्स। चेक गणराज्य की लिंडा नोस्कोवा ने यहां जारी डब्ल्यूटीए महिला टेनिस फाइनल्स के एक मुकाबले में अमेरिका की कोको गॉफ को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनायी है। नोस्कोवा ने गॉफ को सीधे सेटों में 6-3, 6-3 से हराकर अंतिम चार में प्रवेश किया। यह मुकाबला केवल 75 मिनट तक चला और इसमें नोस्कोवा ने अपने अच्छे खेल से सभी को प्रभावित किया। उनकी इस शानदार जीत ने न केवल उन्हें टूर्नामेंट के अंतिम चार में पहुंचाया है, बल्कि कई महत्वपूर्ण रिकॉर्ड भी उनके नाम किए हैं। नोस्कोवा की यह उपलब्धि कई मायनों में ऐतिहासिक है। वह 2011 में दिग्गज पेट्रा क्वितोवा के बाद अपने पहले डब्ल्यूटीए फाइनल्स में सेमीफाइनल में पहुंचने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बन गई हैं। इसके अलावा, डब्ल्यूटीए के आंकड़ों के अनुसार, वह 2024 में गॉफ के बाद अपने पहले दो राउंड-रॉबिन मैच जीतने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी भी हैं और 2021 में एनेट कोंटावेइट के बाद ऐसा करने वाली पहली नंबर 8 सीड हैं। ये आंकड़े दर्शाते हैं कि वह इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में कितनी तेजी से अपनी छाप छोड़ रही हैं। मैच के बाद नोस्कोवा ने अपनी आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें पता ही नहीं था कि वह सेमीफाइनल में पहुंच गई हैं। उन्होंने कहा, मुझे तो यह भी नहीं पता था कि मैं सेमीफाइनल में हूं। मैच खत्म होने के ठीक बाद, मैं पहले से ही इस बात पर ध्यान कर रही थी कि मैं दो दिन में पेगुला के साथ कैसे खेलूंगी। इसलिए मेरे लिए ज्यादा कुछ नहीं बदला है। मैं अभी भी जीतना चाहती हूं। मैं अभी भी जो भी स्कोर, जो भी जीत मुमकिन हो, हासिल करना चाहती हूं। मैच में लिंडा नोस्कोवा ने शानदार आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया। उन्होंने गॉफ की सर्विस को पांच बार ब्रेक किया, जिसमें शुरुआती सेट में चार बार शामिल हैं, जिसने उन्हें जल्द ही मजबूत बढ़त बनाने में मदद की। नोस्कोवा ने नौ में से पांच ब्रेक-पॉइंट मौकों को सफलतापूर्वक भुनाया और कोको गॉफ की दूसरी सर्विस पर 75 प्रतिशत (24 में से 18) अंक जीते। दूसरी ओर, इस हार के बाद गॉफ को सेमीफाइनल में अपनी जगह बनाने के लिए अब अपने तीसरे और अंतिम राउंड-रॉबिन मैच में मार्टा कोस्त्युक के खिलाफ जीत हासिल करना अनिवार्य होगा। गॉफ, जो 2006 में मारिया शारापोवा के बाद डब्ल्यूटीए फाइनल्स में अपने तीसरे सेमीफाइनल में पहुंचने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बनने की महत्वाकांक्षा रखती हैं, ने कोस्त्युक के खिलाफ छह में से चार हेड-टू-हेड मुकाबले जीते हैं, जो उन्हें आत्मविश्वास प्रदान करेगा। वहीं एक अन्य मुकाबले में अमेरिकी खिलाड़ी जेसिका पेगुला ने कोस्त्युक को डेढ़ घंटे चले मुकाबले में 6-2, 7-5 से हराया।

भारतीय अंडर 19 टीम आज सेमीफाइनल में अफगानिस्तान से खेलेगी

नई दिल्ली। भारत की अंडर-19 क्रिकेट टीम गुरुवार को एशिया कप के सेमीफाइनल में अफगानिस्तान से मुकाबला करेगी। यह निर्णायक मुकाबला भारतीय समयानुसार सुबह 10:30 बजे खेला जाएगा। भारतीय जूनियर टीम ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के खिलाफ जीत के साथ ही सेमीफाइनल में जगह बनायी है। भारतीय टीम के सेमीफाइनल तक के सफर में वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर सहवाग, की अहम भूमिका रही। आर्यवीर ने ही यूएई के खिलाफ शतक लगाकर टीम को जीत दिलायी थी। इस मैच में इस उभरते बल्लेबाज ने 160 रन बनाये थे। उनकी इस यादगार पारी की बदौलत भारतीय टीम सात विकेट पर 309 रन का एक मजबूत स्कोर खड़ा करने में सफल रही। जवाब में, यूएई की टीम 50 ओवर में 239 रन पर ही सिमट गई, जिससे भारत ने आसानी से सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। भारतीय टीम ने अपने तीन में से दो मैच जीते हैं, उसे एक मैच में पाकिस्तान के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा।वहीं अफगान टीम ने अपने तीनो मैच जीते हैं। जिससे सेमीफाइनल में कड़ा मुकाबला रहेगा। युएई के खिलाफ मैच में आर्यवीर खास तौर पर तेज गेंदबाज नूरुल्लाह अयोबी को निशाना बनाय।, जिनके खिलाफ पारी के 10वें और फिर 14वें ओवर में मिडविकेट के ऊपर से शानदार शॉट लगाए। हिदायतुल्लाह खान की गेंद पर मिडविकेट की दिशा में चौका लगाकर खाता खोलने के बाद, उन्होंने बाएं हाथ के स्पिनर जैनुल्लाह रहमानी की गेंद पर आगे बढ़कर शॉट खेलते हुए पहला छक्का जड़ा। उन्होंने 69 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया और फिर 131 गेंदों में यादगार शतक पूरा किया। शतक पूरा करने के बाद आर्यवीर ने गेंदबाजों पर पूरी तरह से दबदबा बना लिया, उन्होंने अगले 60 रन महज 37 गेंदों में जोड़ दिए, जिसमें नूरुल्लाह की गेंद पर एक सीधा छक्का लगाकर 150 रन का आंकड़ा पार करना भी शामिल था।

आईपीएल 2027 के लिए हुआ ट्रेड, हार्दिक पंजाब किंग्स अर्शदीप मुम्बई से खेलेंगे

मुंबई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2027 सत्र से पहले सबसे बड़ी ट्रेड डील हुई है। इससे तहत ही हार्दिक पांड्या अब पंजाब किंग्स के लिए खेलते नजर आएंगे, जबकि अर्शदीप सिंह मुंबई इंडियंस से खेलते दिखेंगे। यह ट्रेड करार के साथ ही कई दिनों से जारी संशय समाप हो गया। हार्दिक, जो मुंबई इंडियंस के कप्तान रह चुके हैं, अब अपनी नई टीम के साथ जुड़ेंगे। वहीं अर्शदीप, जो लंबे समय से पंजाब का एक अहम हिस्सा थे, अब मुंबई इंडियंस की ओर से उतरेंगे। इस ट्रेड के तहत हार्दिक पांड्या को उनकी मौजूदा फीस से ज्यादा रकम मिली है। वह 18 करोड़ रुपये की फीस पर पंजाब किंग्स गये हैं जबकि पिछले सीजन यानी 2026 आईपीएल में वह 16.35 करोड़ रुपये में मुंबई इंडियंस में थे। वहीं अर्शदीप भी 18 करोड़ रुपये की मौजूदा फीस के साथ ही मुंबई इंडियंस से जुड़ गए हैं। इन दोनों खिलाड़ियों की अदला-बदली से उनकी नई फ्रेंचाइजियों को लाभ हुआ है। अर्शदीप के आने से जहां मुम्बई की गेंदबाजी मजबूत होगी। वहीं हार्दिक के आने से पंजाब को एक बेहतरीन ऑलराउंडर मिला है। आईपीएल की ओर से गया है, आईपीएल 2027 से पहले एक बड़े खिलाड़ी के ट्रेड में, मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंजाब किंग्स में चले जाएंगे, जबकि टी20 इंटरनेशनल में भारत के सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले अर्शदीप पांच बार की चैंपियन टीम में शामिल होंगे। पांड्या के ट्रेड के साथ ही मुंबई इंडियंस के साथ उनके दूसरे कार्यकाल का समापन हो गया। इसी फ्रेंचाइजी के साथ उन्होंने चार आईपीएल खिताब जीते थे।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में केरल की कप्तानी करेंगे सैमसन

तिरुवनंतपुरम। विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन अब सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में केरल की कप्तानी करते दिखेंगे। केरल क्रिकेट एसोसिएशन ने आगामी सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2026 के लिए सैमसन को टीम का कप्तान बनाया है। मुश्ताक अली ट्रॉफी 24 नवंबर से होने जा रही है। टीम के चयनकर्ताओं ने 18 सदस्यीय मजबूत और संतुलित दल घोषित किया है। सैमसन केरल की टीम में लंबे समय के बाद वापसी कर रहे हैं। उन्होंने इस साल की शुरुआत में पुडुचेरी के खिलाफ विजय हजारे ट्रॉफी में खेला था, जो केरल के लिए उनका अंतिम मैच था। इसके बाद से वह पूरी तरह से भारतीय राष्ट्रीय टीम से ही खेलते रहे। राष्ट्रीय स्तर पर लगातार अच्छे प्रदर्शन करने के बाद अब संजू घरेलू मंच पर अपनी घरेलू टीम का नेतृत्व करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में केरल अपना पहला मुकाबला 24 नवंबर को मध्य प्रदेश के खिलाफ खेलेगी। ये मैच मोहाली के पास तीरा स्थित पीसीए स्टेडियम में खेला जाएगा। केरल को इस टूर्नामेंट में ग्रुप सी में रखा गया है। इस ग्रुप में केरल के अलावा मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, असम, हिमाचल प्रदेश, महाराष्ट्र, पुडुचेरी और त्रिपुरा जैसी मजबूत टीमें शामिल हैं, जिससे मुकाबले काफी रोमांचक होने की उम्मीद है। पिछली बार भी सैमसन ने ही केरल की कप्तानी संभाली थी। उस संस्करण में उन्होंने 6 पारियों में कुल 233 रन बनाए थे, और रोहन कुन्नुमल के बाद केरल के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज रहे थे। इस बार वह अपनी उस व्यक्तिगत फॉर्म से टीम को जीत दिलाना चाहेंगे। केरल के इस 18 सदस्यीय दल में कई अनुभवी खिलाड़ी शामिल हैं, जिनमें लाल गेंद के कप्तान विष्णु विनोद भी हैं। अनुभवी स्पिनर जलज सक्सेना भी इस टी20 दल का हिस्सा हैं। इसके अलावा, राज्य की अपनी लीग में शानदार प्रदर्शन करने वाले उभरते हुए खिलाड़ियों, अहमद इमरान और गोविंद देव डी. पाई को पहली बार इस बड़े स्क्वॉड में जगह दी गई है। टीम में आईपीएल का व्यापक अनुभव भी मौजूद है, जिसमें विग्नेश पुथुर और तेज गेंदबाज के.एम. आसिफ जैसे खिलाड़ी शामिल हैं।

बंगाल के कोच ने शमी के टेस्ट से संन्यास के लिए अगरकर को जिम्मेदार बताया

कोलकाता। बंगाल रणजी क्रिकेट टीम के कोच लक्ष्मी रतन शुक्ला ने भारतीय टीम के पूर्व मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर पर जमकर निशाना साधा है। बंगाल के इस कोच ने कहा है कि अगरकर के कारण ही मोहम्मद शमी को टेस्ट क्रिकेट से संन्यास पर मजबूर होना पड़ा है। शुक्ला ने कहा कि अगरकर बेहद जिद्दी और घमंडी व्यक्ति हैं। उन्होंने शमी ही नहीं सूर्यकुमार यादव को भी टी20 क्रिकेट से बाहर किया। इसके अलावा अविराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे दिग्गजों को भी किनारे किया। शुक्ला ने कहा, भारत के लिए टेस्ट खेलते हुए शमी कभी विवादों में नहीं फंसे। उन्होंने किसी से कभी कुछ भी बुरा नहीं कहा। हम सब चाहते थे कि वे टेस्ट क्रिकेट खेलने के बाद रिटायर हों, अगरकर जैसे लोगों को ये पसंद नहीं आया। उन्होंने साथ ही कहा अगरकर एक जिद्दी और घमंडी व्यक्ति हैं। उन्होंने टी-20 विश्व कप जीतने के बाद सूर्यकुमार को अवसर नहीं दिया। साथ ही विराट और रोहित तक को टेस्ट से हटा दिया। वह सही व्यक्ति नहीं थे। शुक्ला ने यह भी आरोप लगाया कि अगरकर का नाम इतिहास में हमेशा रहेगा, क्योंकि खेलते समय उन्होंने बहुत रन दिए, फिर भी लंबे समय तक खेल गए, और चयनकर्ता बनने के बाद भी उन्होंने अपना दिमागी खेल दिखाया। शुक्ला से पहले शमी के बचपन के कोच बदरुद्दीन सिद्दीकी ने भी इस तेज गेंदबाज की मानसिक स्थिति का खुलासा किया। सिद्दीकी ने बताया, वह पिछले एक साल से काफी परेशान थे। टीम में मौका नहीं मिलने के कारण उनकी निराशा लगातार बढ़ रही थी। उन्होंने पुष्टि की कि शमी के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का फैसला काफी समय से उनके मन में चल रहा था। सिद्दीकी ने बताया कि उन्होंने और परिवार के अन्य सदस्यों ने शमी को जल्दबाजी न करने की सलाह दी थी, लेकिन जब उन्हें लगा कि न्यूजीलैंड सीरीज के बाद टेस्ट टीम में वापसी की कोई उम्मीद नहीं बची है, तो उन्होंने संन्यास की घोषणा कर दी। शमी ने अभी सिर्फ अंतरराष्ट्रीय टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का ऐलान किया है।



सेनेगल में युवा ओलंपिक खेलों में चीन की वांग यूजी महिलाओं के प्रीमिनलरी राउंड में किक लगाती हुई।

व्यापार समाचार

संक्षिप्त समाचार

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद हुआ

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार बुधवार को तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 772.75 अंक उछलकर 81,879.40 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 210.40 अंक बढ़कर 25,255.05 पर बंद हुआ। आज बाजार में हर ओर तेजी रही, बैंकिंग शेयरों में सबसे अधिक बढ़त रही। सत्र में निफ्टी बैंक मजबूती के साथ बंद हुआ। वहीं निफ्टी पीएसयू बैंक में और निफ्टी प्राइवेट बैंक में भी बढ़त दर्ज की गई। इसके अलावा, निफ्टी ऑटो , निफ्टी कंजप्शन , निफ्टी एफएमसीजी , निफ्टी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग , निफ्टी एनर्जी , निफ्टी और निफ्टी मेटल के शेयर बढ़त के साथ बंद हुए। दूसरी ओर निफ्टी आईटी , निफ्टी रियल्टी , निफ्टी फार्मा और निफ्टी हेल्थकेयर के शेयर गिरे हैं। आज लार्जकैप के साथ-साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी तेजी देखी गई। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 496.55 अंक बढकर 519.10 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 304.30 अंक उछलकर मजबूती के साथ 19,489.35 पर बंद हु था। सेंसेक्स पैक में एमएंडएम, इंडिगो, ट्रेंट, टाटा स्टील, बीएसई, पावर ग्रिड, आईटीसी, मारुति सुजुकी, एक्सिस बैंक, एसबीआई, भारती एयरटेल, कोटक महिंद्रा बैंक, एशियन पेंट्स, एचडीएफसी बैंक और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर लाभ में रहे जबकि टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक, आईसीआईसीआई बैंक, टाइटन, एनटीपीसी, इटरनल, सम फार्मा, इन्फोसिस और टीसीएस के शेयर गिरे। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुले। सेंसेक्स 1,142.03 अंकों की बढ़त के साथ ही 82,248.68 पर कारोबार कर रहा था। वहीं 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 293.15 अंक उछलकर 25,337.80 पर आ गया।

एनवीडिया के सीईओ जेनसन के विवाद से कंपनी के शेयरों में आई भारी गिरावट

वाशिंगटन। एनवीडिया के सीईओ जेनसन हुआंग के व्यक्तिगत संबंधों की खबरों के बीच कंपनी के शेयरों में लगातार दूसरे दिन बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। मंगलवार को एनवीडिया के शेयर 6फीसदी से ज्यादा टूट गए, जिससे महज दो कारोबारी सत्रों में कंपनी की मार्केट कैप से करीब 470 अरब डॉलर कम हो गए। शेयरों में इस बड़ी गिरावट का फायदा उठाते हुए माइक्रोसॉफ्ट ने बाजी मार ली और एनवीडिया को पीछे छोड़कर दुनिया की दूसरी सबसे वैल्युएबल कंपनी बन गई। यह जून 2025 के बाद पहली बार है जब माइक्रोसॉफ्ट ने यह उपलब्धि हासिल की है। अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि जेनसन हुआंग के एक चीनी कारोबारी महिला, एलिस हुआंग के साथ संबंधों ने चीन में एनवीडिया के चिप्स की आपूर्ति को आसान बनाने में भूमिका निभाई। एलिस पर चीन के लिए जासूसी करने के आरोप भी लगे हैं। इस पूरे मामले ने एनवीडिया की कारोबारी साख, अमेरिकी निर्यात नियमों के पालन और कंपनी के नेतृत्व को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। एनवीडिया के बोर्ड ने इस विवाद के सामने आने के बाद रविवार को जांच शुरू कर दी है। वहीं, अमेरिकी जांच एजेंसी एफबीआई इस बात की पड़ताल कर रही है कि क्या जेनसन हुआंग को किसी विदेशी खुफिया एजेंसी ने निशाना बनाया था। मीडिया रिपोर्ट में जानकारों के मुताबिक फिलहाल निवेशकों की चिंता सिर्फ सीईओ से जुड़े विवाद तक सीमित नहीं है। उन्हें यह भी डर है कि अगर इस मामले में अमेरिकी नियमों के उल्लंघन की बात सामने आती है, तो एनवीडिया के कारोबार पर और प्रतिबंध लग सकते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक जेनसन हुआंग और एलिस हुआंग के संबंधों से चीन में करीब 7.5 अरब डॉलर के एनवीडिया चिप्स की आपूर्ति को मदद मिली। इस नेटवर्क के जरिए करीब 2.40 लाख एच100, एच200 और कुछ ए100 चिप्स चीन पहुंचाए गए, जिनमें से कुछ चिप्स की चीन को बिक्री पर अमेरिकी प्रतिबंध लागू थे।

माइक्रोसॉफ्ट ने कुछ समय के लिए एनवीडिया को पछाड़ा, कारोबार बंद होने तक स्थिति बदली



नई दिल्ली। एनवीडिया के सीईओ जेनसन हुआंग से जुड़े जासूसी विवाद और एआई कारोबार को लेकर बढ़ती चिंताओं के कारण कंपनी के शेयरों में तेज गिरावट देखी गई। मंगलवार को अमेरिकी शेयर बाजार में एनवीडिया का शेयर छह फीसदी से ज्यादा टूट गया, जिसके चलते अमेरिकी तकनीकी कंपनी माइक्रोसॉफ्ट ने कारोबार के दौरान कुछ समय के लिए बाजार पूंजीकरण में उसे पीछे छोड़ दिया। इस दौरान माइक्रोसॉफ्ट दुनिया की दूसरी सबसे मूल्यवान सूचीबद्ध कंपनी बन गई। हालांकि, कारोबार बंद होने तक एनवीडिया ने अपनी दूसरी स्थिति वापस हासिल कर ली। जानकारों के मुताबिक निवेशक इस बात को लेकर चिंतित हैं कि जेनसन हुआंग, जो 33 सालों से एनवीडिया का नेतृत्व कर रहे हैं और कृत्रिम बुद्धिमत्ता में इस्तेमाल होने वाली उन्नत चिप बनाने में उनकी अहम भूमिका रही है, उनसे जुड़ी यह जांच कंपनी के नेतृत्व और भविष्य की कारोबारी रणनीति पर क्या असर डालेगी। इसके अतिरिक्त, एआई क्षेत्र में भारी निवेश से मिलने वाले भविष्य के मुनाफे को लेकर भी निवेशकों में चिंताएं बनी हुई हैं। इन कारणों से एनवीडिया के शेयरों में बिकवाली तेज हुई है। कारोबार के दौरान एनवीडिया का शेयर छह फीसदी से ज्यादा गिरकर करीब 167.11 डॉलर पर आ गया था। वहीं, माइक्रोसॉफ्ट का शेयर महज 0.4 फीसदी की गिरावट के साथ 543.25 डॉलर पर कारोबार कर रहा था, जिससे वह एनवीडिया से आगे निकल गया। कारोबार खत्म होने पर एनवीडिया का शेयर 5.47 फीसदी की गिरावट के साथ 168.89 डॉलर पर बंद हुआ। दूसरी ओर, माइक्रोसॉफ्ट का शेयर 2.20 फीसदी गिरकर 533.16 डॉलर पर बंद हुआ। दिन के अंत में, एनवीडिया का बाजार पूंजीकरण करीब 4.07 लाख करोड़ डॉलर रहा, जबकि माइक्रोसॉफ्ट का 3.96 लाख करोड़ डॉलर था, इस प्रकार एनवीडिया बाजार पूंजीकरण के मामले में माइक्रोसॉफ्ट से आगे रही। एनवीडिया के शेयरों में गिरावट के पीछे कंपनी के सीईओ जेनसन हुआंग से जुड़ा विवाद भी एक प्रमुख कारण रहा। अमेरिकी खुफिया एजेंसियों की जांच से जुड़ी खबरों के मुताबिक, हुआंग कथित तौर पर चीन के लिए जासूसी करने वाली एक महिला, एलिस हुआंग, के निशाने पर थे। जेनसन हुआंग ने इस महिला के साथ विवाहेतर संबंध होने की बात स्वीकार की है, हालांकि इससे यह साबित नहीं होता कि उन्हें किसी जासूसी गतिविधि की जानकारी थी या उन्होंने इसमें सहयोग किया था। एनवीडिया के निदेशक मंडल ने मामले की स्वतंत्र जांच शुरू कर दी है और हुआंग ने जांच में पूरा सहयोग करने की बात कही है।

म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर्स की बंपर कमाई, वित्तीय साल 26 में कमीशन 16,551 करोड़

नई दिल्ली। म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर्स की कमीशन से होने वाली कमाई में वृद्धि जारी है, भले ही शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव रहा हो और निवेशकों के बीच डायरेक्ट म्यूचुअल फंड प्लान की लोकप्रियता बढ़ी हो। वित्त वर्ष 2025-26 (वित्तीय साल 26) में, देश की शीर्ष 10 म्यूचुअल फंड कंपनियों ने डिस्ट्रीब्यूटर्स को कुल 16,551 करोड़ रुपये का कमीशन दिया। यह आंकड़ा पिछले वित्त वर्ष (वित्तीय साल 25) के 14,797 करोड़ रुपये के मुकाबले 12 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दिखाता है, जो एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) की वृद्धि पर दबाव के बावजूद दर्ज किया गया। म्यूचुअल फंड कंपनियां अपने डिस्ट्रीब्यूटर्स को उनके द्वारा जुटाए गए और फंड में बने रहने वाले निवेश के आधार पर कमीशन देती हैं, जिसकी दरें विभिन्न स्कीमों के अनुसार अलग-अलग होती हैं।

देश की सबसे बड़ी म्यूचुअल फंड कंपनियों में से एक, एसबीआई म्यूचुअल फंड ने वित्त वर्ष 2026 में कुल 3,159 करोड़ रुपये का कमीशन दिया, जो बीते वित्त वर्ष के मुकाबले 10.7 फीसदी अधिक है। इसमें से 1,605 करोड का कमीशन उसकी स्पॉन्सर बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को प्राप्त हुआ। इसी प्रकार, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड का कुल कमीशन भुगतान 17.5 फीसदी बढ़कर 2,783 करोड़ हो गया, जबकि उसकी स्पॉन्सर बैंक आईसीआईसीआई बैंक को मिलने वाले कमीशन में 9.1 फीसदी की वृद्धि हुई और यह 379 करोड़ रुपये रहा।

सोने-चांदी की कीमतों में उछाल

नई दिल्ली। सोने और चांदी दोनों की कीमतों में बुधवार को तेजी आई। इसी कारण मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर दिसंबर 2026 के वायदा अनुबंध में सोने का भाव 1,41,385 रुपये प्रति 10 ग्राम के पार पहुंच गया, जबकि चांदी की कीमतों में भी तेजी आईई। यह तेजी एक दिन पहले दर्ज की गई गिरावट के विपरीत है, और बाजार में नई हलचल पैदा कर रही है। आज एमसीएक्स पर, सोने के वायदा अनुबंध में 860 रुपये की जोरदार तेजी आई, जिससे इसका भाव 41,385 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया।

मदर डेयरी के दूध की कीमतें बढ़ीं, उपभोक्ताओं पर महंगाई का बोझ

नई दिल्ली। देश की राजधानी और उसके आसपास के क्षेत्रों में दूध की सबसे बड़ी आपूर्तिकर्ता मदर डेयरी ने बढ़ती लागत का हवाला देकर अपने विभिन्न प्रकार के दूध की कीमतों में 2 से 4 रुपए प्रति लीटर की वृद्धि की घोषणा की है। ये नई दरें 12 नवंबर, गुरुवार से प्रभावी होंगी। कंपनी ने कदम किसानों से दूध की खरीद कीमतों में हुई वृद्धि के कारण उठाया है, जिसका कुछ बोझ उपभोक्ताओं पर डालना पड़ रहा है। सूत्रों ने जानकारी दी कि मदर डेयरी अपनी बिक्री आय का एक बड़ा हिस्सा, लगभग 75-80 प्रतिशत, दूध उत्पादक किसानों को देती है। यह बढ़ोतरी कंपनी द्वारा पहले मई 2026 और अप्रैल 2025 में की गई मूल्य वृद्धि के बाद हुई है। मदर डेयरी के प्रवक्ता ने हालांकि इस मामले पर टिप्पणी करने से इंकार किया है।ताजा संशोधन के बाद, प्रमुख किस्मों की कीमतें इस प्रकार होंगी- टोंड दूध (थोक वितरण) 58 रुपए से बढ़कर 60 रुपए प्रति लीटर, फुल क्रीम दूध (पाउच) 72 रुपए से बढ़कर 76 रुपए प्रति लीटर, टोंड दूध (पाउच) 60 रुपए से बढ़कर 62 रुपए प्रति लीटर, डबल टोंड दूध 54 से बढ़कर 56 रुपए प्रति लीटर और गाय का दूध 62 से बढ़कर 65 रुपए प्रति लीटर हो जाएगा।



यमन में सऊदी अरब की सेना के हमले में धवस्त एक गैस स्टेशन। हूती विद्रोहीयों ने गैस ओर तेल कंपनी पर हमले का आरोप लगाया है।

संतुलित निवेश रणनीतिः हाइब्रिड, सोना और किस्तों में निवेश

नई दिल्ली। वैश्विक अनिश्चितता, बढ़ती तेल कीमतों और बॉन्ड यील्ड में उछाल के मौजूदा दौर में, प्राइवेट वेल्थ ने निवेशकों के लिए संतुलित निवेश रणनीति पेश की है। अपनी रिपोर्ट में, कंपनी ने इक्विटी पोर्टफोलियो में विविधता लाने का सुझाव दिया है। इसके तहत, निवेशकों को अपने पोर्टफोलियो का 40 फीसदी हिस्सा हाइब्रिड और लार्ज कैप रणनीतियों में, 50 फीसदी मिड और स्मॉल कैप शेयरों में, और शेष 10 फीसदी विदेशी शेयरों में लगाने की सलाह दी गई है। बाजार पर न्यूट्रल रुख के बावजूद, कंपनी मिड और स्मॉल कैप शेयरों को प्राथमिकता देना जारी रखेगी है। निवेश के तरीके पर, रिपोर्ट हाइब्रिड रणनीतियों में एकमुश्त निवेश करने और शुद्ध इक्विटी आधारित योजनाओं में धीरे-धीरे किस्तों (एसआईपी) में निवेश करने की सलाह देती है। यह रणनीति बाजार के ऊंचे स्तरों पर पैसा लगाने के जोखिम को कम करने में सहायक हो सकती है। जानकारों का मानना है कि भारतीय शेयर बाजार भू-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल की ऊंची कीमतों जैसी चुनौतियों का सामना कर रहा है। हालांकि, भारत की आर्थिक वृद्धि मजबूत बनी हुई है, वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर 7.8 फीसदी रही और निफ्टी 50 कंपनियों का शुद्ध मुनाफा भी सालाना आधार पर 18 फीसदी बढ़ा। विशेषज्ञों ने कमाई बढ़ने की अच्छी संभावना वाले सेक्टर्स और कंपनियों पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी है। तय सैलरी के क्षेत्र में, बढ़ती महंगाई की चिंताओं के मद्देनजर, एक्रूअल-ओरिएंटेड रणनीतियों, जैसे निजी ऋण और इंफ्रास्ट्रक्चर इवेंस्टमेंट ट्रस्ट को प्राथमिकता देने की सलाह दी गई है। कीमती धातुओं में, कंपनी ने चांदी के मुकाबले सोने को तरजीह दी है।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली
भोपाल, गुरूवार 12 नवम्बर 2026
www.rashtriyagarima.com

ओबीसी के 50 विद्यार्थियों को मिलेगा अंतरराष्ट्रीय शिक्षा का अवसर

भोपाल। प्रतिभा है,अच्छे संस्थान में पढऩे का सपना है, लेकिन विदेश की महंगी पढ़ाई आर्थिक मजबूरी के कारण अधूरी रह जाती है। मध्यप्रदेश सरकार अब पिछड़ा वर्ग के ऐसे मेधावी विद्यार्थियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आगे बढऩे का अवसर देने जा रही है। प्रदेश के 50 विद्यार्थियों को विदेश के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों और शिक्षण संस्थानों में उच्च शिक्षा हासिल करने के लिए छात्रवृत्ति दी जाएगी। इसके लिए पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग ने वर्ष 2026-27 की विदेश अध्ययन छात्रवृत्ति योजना के तहत ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए हैं। योजना का मकसद आर्थिक रूप से कमजोर लेकिन शैक्षणिक रूप से प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को विदेश में उच्च शिक्षा के अवसर उपलब्ध कराना है। इससे उन विद्यार्थियों को राहत मिल सकेगी, जो विदेशी विश्वविद्यालयों में प्रवेश की योग्यता रखने के बावजूद फीस और पढ़ाई से जुड़े खर्चों के कारण आगे नहीं बढ़ पाते। इस वर्ष कुल 50 विद्यार्थियों का चयन किया जाना है। विदेश में उच्च शिक्षा का खर्च सामान्य परिवारों के लिए बड़ी चुनौती होता है।

मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्य सचिव आदित्य विजय सिंह का निधन

भोपाल। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्य सचिव और पूर्व राज्य निर्वाचन आयुक्त आदित्य विजय (एवी) सिंह का बुधवार को निधन हो गया। वे 83 वर्ष के थे। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के कार्यकाल में प्रदेश के मुख्य सचिव की जिम्मेदारी संभाली थी। उनके कार्यकाल के दौरान ही दिसंबर 2003 में उमा भारती के नेतृत्व में प्रदेश में भाजपा की सरकार बनी थी। 22 अक्टूबर 1943 को जन्मे एवी सिंह 1970 बैच के मध्य प्रदेश कैडर के आईएएस अधिकारी थे। वे अपनी प्रशासनिक दक्षता और कार्यशैली के लिए पहचाने जाते थे। उन्होंने अपने लंबे प्रशासनिक करियर में कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाईं। एवी सिंह मार्च 2002 से जनवरी 2004 तक मध्यप्रदेश के मुख्य सचिव रहे। इससे पहले वे ग्वालियर और भोपाल जिलों के कलेक्टर के रूप में भी सेवाएं दे चुके थे। वे केंद्र सरकार में प्रतिनियुक्ति पर भी पदस्थ रहे। मुख्य सचिव पद से सेवानिवृत्त होने के बाद उन्हें राज्य निर्वाचन आयुक्त बनाया गया था। एवी सिंह के निधन से प्रशासनिक जगत, परिवार और शुभचिंतकों में शोक है।

पुलिस की चोरी की वारदातों पर बड़ी कार्रवाई,1 करोड़ 13 लाख जब्त

भोपाल। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा संपत्ति संबंधी अपराधों पर अंकुश लगाने तथा चोरी की घटनाओं में संलिप्त आरोपियों की धरपकड़ के लिए लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में विगत 10 दिनों में प्रदेश के विभिन्न जिलों में पुलिस ने चोरी एवं नकबजनी की घटनाओं का खुलासा करते हुए शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इन कार्रवाइयों में चोरी किए गए सोने-चांदी के आभूषण, नकदी, मोटर पंप, लोहे के पाइप, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण एवं अन्य संपत्ति सहित 1 करोड़ 13 लाख 45 हजार रुपये मूल्य की संपत्ति जब्त की है। टीकमगढ़ थाना कुड़ीला पुलिस ने पाइप चोरी की वारदात का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। आरोपियों के कब्जे से चोरी किए गए लोहे के पाइप एवं वारदात में प्रयुक्त दो वाहन सहित करीब 58 लाख रुपये की संपत्ति जब्त की गई। झाबुआ पेटलावद थाना पुलिस ने ग्राम उन्नई में दंपति के साथ मारपीट कर सोने-चांदी के आभूषण एवं नकदी लूटने वाली डकैती की घटना का खुलासा करते हुए 06 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से सोने-चांदी के आभूषण एवं 52,600 रुपये नकद तथा घटना में प्रयुक्त 15 लाख रुपये कीमत की कार सहित कुल 18 लाख 52 हजार 600 रुपये की संपत्ति जब्त की गई है।

पुलिस की तत्परता से साइबर ठगी के शिकार नागरिक को मिली राहत

भोपाल। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने तथा ऑनलाइन धोखाधड़ी के शिकार नागरिकों को त्वरित राहत दिलाने के लिए लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में बालाघाट पुलिस ने साइबर ठगी के एक मामले में तत्परता दिखाते हुए पीड़ित के 20 लाख रुपये वापस कराने में सफलता प्राप्त की है। पुलिस की त्वरित कार्रवाई और बैंक अधिकारियों से प्रभावी समन्वय के चलते ठगी की संपूर्ण राशि सुरक्षित कर पीड़ित के बैंक खाते में वापस कराई गई। पुलिस अधीक्षक बालाघाट मलय जैन के निर्देशन में साइबर नोडल बालाघाट द्वारा आवेदक श्री संजय नेमा, निवासी वार्ड क्रमांक 20, राम गली, बालाघाट के साथ हुई 20 लाख रुपये की ऑनलाइन साइबर धोखाधड़ी की शिकायत पर तत्काल कार्रवाई की गई। अज्ञात साइबर ठगों द्वारा ऑनलाइन माध्यम से धोखाधड़ी की गई थी। शिकायत प्राप्त होते ही साइबर नोडल बालाघाट द्वारा मामले को राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर दर्ज कर संबंधित बैंक के नोडल अधिकारियों से पोर्टल एवं अधिकृत ई-मेल के माध्यम से संपर्क स्थापित किया गया। पुलिस द्वारा संदिग्ध बैंकिंग लेन-देन की राशि होल्ड कराने के लिए त्वरित प्रयास किए गए।

किसानों पर टिप्पणी को लेकर भाजपा सांसद के खिलाफ कार्रवाई की मांग

जनार्दन मिश्रा के बयान पर किसान कांग्रेस ने दी आंदोलन तेज करने की चेतावनी



भोपाल। रीवा से भाजपा सांसद जनार्दन मिश्रा की किसानों को लेकर की गई टिप्पणी पर राजनीतिक विवाद बढ़ता जा रहा है। मध्य प्रदेश किसान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह चौहान ने बुधवार को राजधानी भोपाल स्थित प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में सांसद के बयान पर आपत्ति जताते हुए उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने, सांसद पद से इस्तीफा लेने और भाजपा से निष्कासित करने की मांग की। उन्होंने कहा कि किसानों के बारे में इस तरह की टिप्पणी से अन्नदाताओं की मेहनत और सम्मान को ठेस पहुंची है। किसान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा एक ओर किसान सम्मान निधि और किसान कल्याण वर्ष के माध्यम से किसानों के सम्मान की बात करती है, वहीं दूसरी ओर पार्टी के सांसद किसानों को नशेड़ी और गांजा पीने वाला बताने जैसी टिप्पणी कर रहे हैं। उन्होंने इसे भाजपा के किसान सम्मान संबंधी दावों और उसके जनप्रतिनिधियों के बयानों के बीच विरोधाभास बताया। दरअसल, 9 नवंबर को मऊगंज जिले के रकरी गांव में आयोजित गोवर्धन पूजा कार्यक्रम के दौरान सांसद जनार्दन मिश्रा ने किसानों के कामकाज और उनकी दिनचर्या को लेकर टिप्पणी की थी। उनके कथन के अनुसार, किसान साल में तीन महीने खेतों में काम करते हैं और बाकी समय घर पर बैठकर चिलम, गांजा और शराब का सेवन करते हैं। इस टिप्पणी को लेकर किसान कांग्रेस ने विरोध दर्ज कराया है। धर्मेंद्र सिंह चौहान ने कहा कि किसान भीषण गर्मी, ठंड और बारिश के बीच खेतों में मेहनत कर फसल तैयार करता है। कई बार रात के समय भी खेतों में सिंचाई और अन्य कृषि कार्य करने पड़ते हैं। ऐसे में किसानों के काम और जीवनशैली को लेकर इस तरह की टिप्पणी करना उचित नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा के नेताओं की ओर से पहले भी किसान आंदोलनों के दौरान किसानों को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणियां की गई हैं। किसान कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से भी इस मामले में अपना रुख स्पष्ट करने की मांग की। उन्होंने सवाल किया कि किसानों के सम्मान से जुड़े इस मुद्दे पर भाजपा का शीर्ष नेतृत्व क्या कार्रवाई करेगा। चौहान ने कहा कि यदि भाजपा सांसद की टिप्पणी से सहमत नहीं है तो पार्टी को उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई करनी चाहिए। किसान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष चौहान ने बताया कि किसान कांग्रेस प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में सांसद के बयान के विरोध में प्रदर्शन कर रही है। तहसील स्तर पर पुतला दहन कर विरोध दर्ज कराया जा रहा है। उन्होंने मांग की कि सांसद के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर कानून के अनुसार कार्रवाई की जाए, वे अपने पद से इस्तीफा दें और भाजपा उन्हें पार्टी से निष्कासित करे।

प्रदेश के 17 शहरों में पारा 15 डिग्री से नीचे, अमरकंटक सबसे ठंडा

अगले चार दिन में 1 से 2 डिग्री तक और गिर सकता है तापमान

भोपाल। मध्य प्रदेश में ठंड का असर लगातार बढ़ रहा है। प्रदेश के 17 शहरों में न्यूनतम तापमान 15 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया गया है। अमरकंटक और करौंदी में पारा 12 डिग्री से भी नीचे पहुंच गया है। खास बात यह है कि भोपाल और जबलपुर में प्रदेश के एकमात्र हिल स्टेशन पचमढ़ी से भी ज्यादा ठंड दर्ज की गई। अगले चार दिनों में न्यूनतम तापमान में 1 से 2 डिग्री सेल्सियस तक की और गिरावट हो सकती है। दूसरी ओर, दिवाली के बाद प्रदेश के कई शहरों में वायु प्रदूषण भी बढ़ता जा रहा है। भोपाल और उज्जैन में एयर क्वालिटी इंडेक्स 400 के पार पहुंच गया है। ऐसा पिछले पांच साल में तीसरी बार हुआ है। ग्वालियर, इंदौर, देवास, जबलपुर, मंडीदीप, सिंगरौली, पीथमपुर और कटनी समेत कई शहरों में भी वायु गुणवत्ता खराब हुई है। प्रदूषण के कारण रात 8 बजे के बाद ही शहरों में धुंध छाने लगती है, जबकि सुबह हल्का कोहरा दिखाई दे रहा है। मौसम विभाग के आंकड़ों के मुताबिक,अमरकंटक और करौंदी प्रदेश के सबसे ठंडे स्थान बने हुए हैं। बीती रात अमरकंटक में न्यूनतम तापमान 10.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया,जबकि कटनी के करौंदी में पारा 11.3 डिग्री रहा। दमोह में 12 डिग्री, शहडोल के कल्याणपुर में 12.3 डिग्री, रायसेन में 12.6 डिग्री और बालाघाट के मलाजखंड में 12.8 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान रिकॉर्ड किया गया। भोपाल, जबलपुर और छिंदवाड़ा में पारा 13 डिग्री रहा, जबकि पचमढ़ी में न्यूनतम तापमान 13.2 डिग्री दर्ज किया गया। उमरिया में 13.4 डिग्री, मंडला और नौगांव में 13.6 डिग्री, रीवा में 13.8 डिग्री, इंदौर में 14 डिग्री,खजुराहो में 14.4 डिग्री और सीधी में 14.8 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा। प्रदेश के बाकी शहरों में न्यूनतम तापमान 15 डिग्री या इससे अधिक दर्ज किया गया। आने वाले चार दिनों में न्यूनतम तापमान में 1 से 2 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट होने की संभावना है। इससे प्रदेश के कई हिस्सों में ठंड का असर और बढ़ सकता है। वहीं, मौसम विभाग ने बुधवार को प्रदेश के किसी भी जिले में आंधी या बारिश का अलर्ट जारी नहीं किया है। गौरतलब है कि पिछले एक सप्ताह से प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में आंधी और बारिश का दौर जारी था। अब मौसम साफ रहने के साथ रात के तापमान में गिरावट का असर दिखाई दे सकता है।



मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मुख्यमंत्री निवास में पूर्व. मुख्यमंत्री स्व. सुन्दरलाल पटवा की जयंती पर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की।

महिला बाल विकास ने 94 दिनों में 84 हजार शिकायतों का किया निराकरण

तीन माह में सातवें से चौथे स्थान पर पहुंचा विभाग, सितंबर की ग्रेडिंग में मिला 'ए' ग्रेड

भोपाल। मध्य प्रदेश में सुशासन,जवाबदेही और नागरिक सेवाओं के समयबद्ध प्रदाय की दिशा में महिला एवं बाल विकास विभाग ने सीएम हेल्पलाइन के माध्यम से उल्लेखनीय उपलब्धि अर्जित की है। विभाग ने महज 94 दिनों में 84 हजार 289 शिकायतों का निराकरण कर शिकायत निवारण व्यवस्था में महत्वपूर्ण प्रगति दर्ज की है। प्रदेश की महिला एवं बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया ने बुधवार को बताया कि सीएम हेल्पलाइन की सितंबर 2026 की विभागीय ग्रेडिंग में 87.33 वेटेज स्कोर के साथ विभाग ने 'ए' ग्रेड प्राप्त करते हुए प्रदेश में चौथा स्थान हासिल किया है। विशेष बात यह है कि विभाग ने पिछले तीन माह में अपनी रैंकिंग में तीन पायदान का सुधार करते हुए सातवें से चौथे स्थान पर पहुंचने में सफलता प्राप्त की है। उन्होंने बताया कि महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा शिकायतों के त्वरित और प्रभावी निराकरण के लिए संचालित विशेष प्रयासों के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। विभाग में 30 जुलाई 2026 की स्थिति में 62 हजार 918 शिकायतें लंबित थीं। इसके बाद 3 नवंबर 2026 तक 52 हजार 229 नई शिकायतें प्राप्त हुईं। इस प्रकार कुल एक लाख 15 हजार 147 शिकायतों में से 94 दिनों की अवधि में 84 हजार 289 शिकायतों का निराकरण किया गया। इनमें पूर्व से लंबित 46 हजार 36 और नवीन प्राप्त 38 हजार 253 शिकायतें शामिल हैं। इस अवधि में कुल उपलब्ध शिकायतों में से लगभग 73 प्रतिशत का निराकरण किया गया। इसी प्रकार एक अप्रैल से 3 नवंबर 2026 तक की अवधि में प्राप्त एक लाख 18 हजार 514 शिकायतों में से 99 हजार 932 शिकायतों का निराकरण किया गया। यह इस अवधि में प्राप्त कुल शिकायतों का लगभग 84 प्रतिशत है। विभाग द्वारा शिकायतों की नियमित समीक्षा,अधिकारियों की जवाबदेही और विशेष निराकरण अभियान के माध्यम से शिकायत निवारण प्रक्रिया को गति दी जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव द्वारा 29 सितंबर तथा मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एक अक्टूबर 2026 को आयोजित जन विश्वास अभियान की समीक्षा बैठकों में सीएम हेल्पलाइन की लंबित शिकायतों के निराकरण की प्रगति की समीक्षा की गई थी। विभाग द्वारा 18 सितंबर से प्रारंभ विशेष अभियान के अंतर्गत 100 दिनों से अधिक समय से लंबित शिकायतों के निराकरण पर विशेष ध्यान दिया गया। इसके परिणामस्वरूप 18 सितंबर से एक अक्टूबर 2026 की अवधि में सर्वाधिक संख्या में शिकायतों का निराकरण करते हुए महिला एवं बाल विकास विभाग ने राज्य स्तर पर 'बेस्ट परफॉर्मर' के रूप में सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया।

मप्र सरकार भव्य रूप से मनाएगी भगवान बिरसा मुंडा की जयंती

बिरसा मुंडा की जयंती पर जबलपुर,धार और खंडवा में होगे राज्यस्तरीय समारोह



भोपाल। धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा जयंती (राष्ट्रीय जनजातीय गौरव दिवस) के अवसर पर राज्य सरकार आगामी 14,15 एवं 16 नवम्बर को त्रिदिवसीय जयंती समारोह मनाने जा रही है। इसके तहत राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल एवं मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव की गरिमामयी उपस्थिति में 14 नवम्बर को जबलपुर,15 नवम्बर को धार एवं जोबट (जिला आलीराजपुर) और 16 नवम्बर को खंडवा जिले में राज्य स्तरीय भव्य आयोजन होने जा रहा है। धार जिले में 15 नवम्बर को होने वाले राज्यस्तरीय समारोह में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से कार्यक्रम में जुड़कर प्रदेशवासियों को संबोधित करेंगे। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल और मुख्यमंत्री डॉ.यादव 15 नवम्बर को धार पहुंचेगें तथा भगवान बिरसा मुंडा को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। मुख्यमंत्री डा.यादव धार जिले में रोड शो भी करेंगे। रोड शो के दौरान मुख्यमंत्री क्षेत्रीय ग्रामीणों के बीच जायेंगे और उनसे संवाद कर शासकीय योजनाओं के लाभ प्रदाय का फ़ीडबैक भी लेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव धार जिले में मुख्यमंत्री रजिस्ट्री योजना (स्वामित्व अधिकार पंजीयन) के तहत पात्र पट्टेधारियों के प्लॉट और मकान की रजिस्ट्री का अपने समक्ष निष्पादन भी करायेंगे। साथ ही धार जिलेवासियों को करोड़ों की लागत के विकास कार्यों की सौगात भी देंगे। भगवान बिरसा मुंडा जयंती को और भी विशेष बनाते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव 15 नवम्बर को ही डही माइक्रो लिफ्ट इरीगेशन प्रोजेक्ट का लोकार्पण कर धार और आलीराजपुर जिले के किसानों को खेतों में सिंचाई के लिये नर्मदा जल का अनुपम उपहार देंगे। प्रदेश के जनजातीय अंचलों में विकास की नई इबारत लिखने और किसानों के खेतों में टेल एंड तक सिंचाई का पानी पहुंचाने की दिशा में राज्य सरकार का एक और महत्वपूर्ण प्रयास अब धरातल पर उतरने जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव 15 नवम्बर को जनजातीय बहुल धार जिले के पुलिस ग्राउंड डही में होने वाले राज्य स्तरीय आयोजन में नव निर्मित डही माइक्रो उद्वहन सिंचाई परियोजना का लोकार्पण करेंगे। मां नर्मदा के जल से खेतों को सिंचित करने वाली यह महत्वाकांक्षी परियोजना धार और आलीराजपुर 2 जिलों के कुल 126 गांवों के किसानों के लिए खेती-किसानी की समृद्धि और नई संभावनाओं के द्वार खोलेगी। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा है कि हमारा संकल्प है कि खेतों तक पानी पहुंचे, किसान समृद्ध हों और जनजातीय अंचल विकास की मुख्यधारा में अपनी नई पहचान बनाए। डही माइक्रो उद्वहन सिंचाई परियोजना इसी संकल्प को साकार करने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है। डही माइक्रो लिफ्ट इरीगेशन प्रोजेक्ट से धार जिले के 84 और आलीराजपुर जिले के 42 गांवों की लगभग 47 हजार हेक्टेयर कृषि भूमि को रबी मौसम में सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी।

कृषि को लाभ का धंधा बनाने आधुनिक तकनीक का हो रहा विस्तार : मुख्यमंत्री

कृषि क्षेत्र में निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए सिंगल विंडो क्लीयरेंस व्यवस्था



भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि कृषि क्षेत्र को अधिक लाभकारी, आधुनिक और रोजगारपरक बनाने के लिए राज्य सरकार द्वारा निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। किसानों की आय में वृद्धि, कृषि उत्पादन एवं उत्पादकता बढ़ाने तथा खेती की लागत कम करने के उद्देश्य से आधुनिक तकनीक, नवाचार और उन्नत कृषि पद्धतियों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को नई दिल्ली मंडपम में निजी इलेक्ट्रॉनिक मीडिया संस्थान द्वारा आयोजित भारत एग्रीकल्चरल कॉन्फ्रेंस में सत्र को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार का विशेष ध्यान प्राकृतिक एवं जैविक खेती को बढ़ावा देने, फसल विविधीकरण, जल संरक्षण और सिंचाई सुविधाओं के विस्तार पर है। किसानों को परंपरागत खेती के साथ नई तकनीकों और लाभकारी कृषि गतिविधियों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।कृषि क्षेत्र में निवेश को आकर्षित करने और कृषि आधारित उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए सिंगल विंडो क्लीयरेंस व्यवस्था को प्रभावी बनाया जा रहा है। सिंगल विंडो सिस्टम से निवेशकों को विभिन्न विभागों की आवश्यक अनुमतियां एक ही व्यवस्था के अंतर्गत उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। कृषि एवं उससे जुड़े क्षेत्रों में निवेश और रोजगार के नए अवसर सृजित करना सरकार की प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में सिंचाई सुविधाओं का विस्तार कर अधिक से अधिक कृषि भूमि को सिंचित क्षेत्र के दायरे में लाने के प्रयास किए जा रहे हैं। किसानों को समय पर पानी उपलब्ध कराने के साथ कृषि अधोसंरचना को मजबूत किया जा रहा है। इससे उत्पादन में वृद्धि और किसानों की आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि सरकार द्वारा महिला किसानों, युवाओं और प्रगतिशील किसानों को कृषि क्षेत्र में आगे बढ़ाने पर भी विशेष जोर दिया जा रहा है। कृषि को केवल परंपरागत व्यवसाय तक सीमित न रखते हुए इसे आधुनिक तकनीक, उद्यमिता और रोजगार से जोड़ने की दिशा में पहल की जा रही है।

सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट से गुजरने वाली 132 केवी लाइन होगी शिफ्ट : मंत्री तोमर

उज्जैन सिंहस्थ मेला क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति के लिए महत्वपूर्ण है लाइन

भोपाल। मध्य प्रदेश राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक सिंहस्थ-28 आयोजन के दौरान उज्जैन में निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने और पारेषण नेटवर्क की सुरक्षा बनाए रखने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) द्वारा महत्वपूर्ण विद्युत पारेषण लाइन के मार्ग में बदलाव किया जा रहा है। इसके तहत सदाबल सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट क्षेत्र से गुजरने वाली 132 केवी उज्जैन-रताड़िया ट्रांसमिशन लाइन के पांच टावरों को शिफ्ट करने का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बुधवार को बताया कि सदाबल सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट क्षेत्र के लगभग 1026 मीटर लंबाई और 686 मीटर चौड़ाई वाले हिस्से में 132 केवी ट्रांसमिशन लाइन के पांच टावर स्थित हैं। यह क्षेत्र पानी में डूबा रहने के कारण इन टावरों और लाइन का नियमित रखरखाव करने में कठिनाइयां आती हैं। इसके अलावा लगातार पानी में डूबे रहने के कारण टावर की मजबूती पर भी विपरीत असर पड़ता है,इसे देखते हुए एमपी ट्रांसको द्वारा पांचों टावरों को उपयुक्त वैकल्पिक स्थानों पर शिफ्ट किया जा रहा है। इससे लाइन के रखरखाव और मेंटेनेंस कार्य अधिक सुगमता से किए जा सकेंगे तथा पारेषण नेटवर्क की सुरक्षा और विश्वसनीयता सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। ऊर्जा मंत्री तोमर ने कहा कि सिंहस्थ जैसे बड़े आयोजन के दौरान उज्जैन में निर्बाध विद्युत आपूर्ति बनाए रखना महत्वपूर्ण है। इसे ध्यान में रखते हुए एमपी ट्रांसको द्वारा पारेषण नेटवर्क की सुरक्षा,रखरखाव और विश्वसनीयता से जुड़े आवश्यक कार्य समय रहते किए जा रहे हैं, ताकि आयोजन के दौरान विद्युत आपूर्ति व्यवस्था सुचारु बनी रहे। यह 132 केवी ट्रांसमिशन लाइन 220 केवी सबस्टेशन शंकरपुरा, उज्जैन से 132 केवी सबस्टेशन रताड़िया को जोड़ती है। रताड़िया सबस्टेशन सिंहस्थ मेला क्षेत्र के अंतर्गत आता है।